नई दिल्ली
रविवार 2 अगस्त 2026
श्रावण मास कृष्ण पक्ष, चतुर्थी वर्ष : 30, अंक : 105
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 34
न्यून. 28

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

राष्ट्रीय गीत को ही रखा गया है इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस समारोह की थीम

जश्न-ए-आजादी पर लालकिले से पहली बार होगा वंदे मातरम का पूर्ण गायन

8 से 15 अगस्त तक देश के हर राज्य, यूटी में होगी सैन्य बैंड की आकर्षक परफॉर्मेंस

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

इस बार 15 अगस्त को लालकिले पर आयोजित की जाने वाली देश की आजादी की 80वीं वर्षगांठ का जश्न हर मायने में पहले से काफी जुदा नजर आएगा। कारण, मुख्य समारोह की रखी गई थीम, 'राष्ट्रीय गीत' यानी 'वंदे मातरम' है। जिसे वर्ष 1947 में अंग्रेजों से भारत को मिली स्वतंत्रता के बाद पहली बार लालकिले पर संपूर्ण 6 छंदों (स्टेंजा) के साथ गाया जाएगा। यह प्रत्येक देशवासी के लिए किसी ऐतिहासिक क्षण से कम नहीं होगा। पूर्व में कानूनी रूप से इसके केवल शुरुआती 2 छंदों को ही गाने की सरकारी अनुमति थी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि संसद ने हाल ही में वंदे मातरम विधेयक को अपनी मंजूरी प्रदान की है। जिसके बाद देश के इतिहास में यह पहला ऐसा सुनहरा मौका होगा। जब स्वतंत्रता दिवस जैसे बड़े और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व के दौरान इसका पहली बार लालकिले से पूर्ण रूप से गायन किया जाएगा। जो प्रत्येक देशवासी को न केवल ▶▶ शेष पेज 5 पर

विशेष खबर

एनसीसी कैडेट गाएंगे वंदे मातरम

सूत्रों ने बताया कि लालकिले पर वंदे मातरम का पूर्ण गायन करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से देश की युवा ब्रिगेड के हाथ में होगी। जिसमें राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के युवा कैडेट, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और मॉय भारत के प्रतिनिधि मुख्य रूप से शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जो भाषण लालकिले की प्राचीर से होगा। उसमें भी राष्ट्रीय गीत को संपूर्ण रूप से गाए जाने के विषय पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। इसके अलावा समारोह में पीएम के ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय ध्वज को दी जाने वाली 21 तोपों की सलामी के लिए भारतीय सेना की स्वदेशी तोप का ही इस्तेमाल किया जाएगा। विदेशी सैन्य हथियार या उपकरण समारोह का हिस्सा नहीं बनेंगे।

अतिथियों की संख्या 6,500

लालकिले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का प्रत्यक्ष रूप से गवाह बनने वाले अतिथियों की कुल आंकड़ा 6 हजार 500 के करीब होगा। जिसमें केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी जैसे आशा, आंगनवाड़ी, लखपती-ड्रोन दीदी, किसान, सरपंच और असंगठित क्षेत्र के गरीब मजदूर शामिल हो सकते हैं। साथ ही राजधानी में मौजूद बाकी देशों के कूटनीतिक प्रतिनिधि, सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों की भी भागीदारी देखने को मिल सकती है।

मिलिट्री बैंड की होगी परफॉर्मेंस

सूत्रों ने कहा कि 15 अगस्त से पहले ही पूरा देश एक प्रकार से जश्न-ए-आजादी के रंग में रंगा हुआ नजर आएगा। 8 से 15 अगस्त तक हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में तीनों सशस्त्र सेनाओं (सेना, वायुसेना और नौसेना) और केंद्रीय अर्धसैन्यबलों के बैंड अपनी शानदार और सुरमयी परफॉर्मेंस देंगे। जिनकी संख्या लगभग 340 होगी। मिलिट्री बैंड की परफॉर्मेंस में आम देशवासियों की जुबान पर चढ़े हुए देशभक्ति के कई प्रचलित गीत, आकर्षक धुनें बजाई जाएंगी। जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देंगी। अर्धसैन्यबलों के बैंड में असम राइफल्स, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) मुख्य हैं। राजधानी ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जुलाई में जीएसटी संग्रह 211205 करोड़ रहा

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था में मजबूती का सिलसिला जारी है, तभी जुलाई माह में जीएसटी संग्रह से लेकर ऑटमोबाइल्स की बिक्री में खासी तेजी दर्ज की गई।

जुलाई में जीएसटी का संग्रह 2,11,205 करोड़ रहा जो पिछले साल जुलाई के मुकाबले 15.4 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के चार माह में दो बार जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ के पार हो चुका है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682.354 अरब डॉलर

नई दिल्ली। भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 24 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में 6.118 अरब डॉलर बढ़कर 682.354 अरब डॉलर हो गया है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में बड़ा इजाफा हुआ है। गोल्ड रिजर्व में भी इजाफा हुआ है।

अब तक का सबसे ऊंचा स्तर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार इस साल 27 फरवरी 2026 को सबसे ज्यादा 728.494 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था।

प्रधानमंत्री ने भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का किया उद्घाटन

'इन्वेस्टमेंट से रोजगार' को बताया केंद्र सरकार का मूल मंत्र इससे मैन्युफैक्चरिंग बढ़ेगी, लोगों की जिंदगी बेहतर बनेगी

एजेंसी ▶▶ भोगपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आंध्रप्रदेश के भोगपुरम में अल्लूरी सिताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जीवंत धिमसा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति की गई। विजयनगरम जिले के भोगपुरम स्थित अल्लूरी सिताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के अंतर्गत 5,640 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित इस ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को प्रति वर्ष 60 लाख यात्रियों को संभालने के लिए तैयार किया गया है। यात्री टर्मिनल भवन को भी आधुनिक, सुगम और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हवाई अड्डे में उन्नत बुनियादी ढांचा, अत्याधुनिक तकनीकें और दीर्घकालिक विशेषताएं शामिल हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार का मंत्र है- इन्वेस्टमेंट से रोजगार। इसलिए सरकार ने इन्वेस्टमेंट बढ़ाया और प्राइवेट सेक्टर को भी इन्वेस्टमेंट के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जब इन्वेस्टमेंट बढ़ता है तो मैन्युफैक्चरिंग बढ़ती है। मैन्युफैक्चरिंग बढ़ती है तो एक्सपोर्ट बढ़ता है और फिर रोजगार के नए अवसर बनते हैं। लोगों की आमदनी बढ़ती है, परिवारों की जिंदगी बेहतर होती है।

आधुनिक, सुगम यात्रा के अनुभव के साथ किया गया डिजाइन

धीमसा नृत्य ने सभी का मन मोहा

पीएम मोदी ने विशाल जनसभा को किया संबोधित

हवाई अड्डे का अवलोकन करते पीएम मोदी। साथ में हैं नायडू और पवन कल्याण

रोड कनेक्टिविटी से जुड़ी योजनाओं को भी किया समर्पित

प्रधानमंत्री ने के भोगपुरम में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनका उद्घाटन किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां करीब 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। हवाई अड्डे के साथ ये परियोजनाएं रोड कनेक्टिविटी से जुड़े हैं।

चंद्रबाबू ने 2 क्षितिजों को छू लिया बहनों और बेटियों का अभिनंदन

पीएम मोदी ने कहा कि आयोजन नया इतिहास और नए रिकॉर्ड रचने का भी है। एक ओर विकास के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, साथ ही धीमसा नृत्य का सांस्कृतिक रिकॉर्ड भी रचा गया है। चंद्रबाबू ने दो क्षितिजों को छुआ है। एक तरफ एयरपोर्ट का निर्माण और दूसरी तरफ आदिवासी बहनों के द्वारा धीमसा नृत्य का विश्व रिकॉर्ड बनाना। इसे सराहना करता हूं। 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति, उनका उत्साह, उनका अनुशासन और आदिवासी संस्कृति का गौरव, यह दृश्य अद्भुत था।

ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती बनी

पीएम ने कहा कि ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती है। उन्होंने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज उसी धरती पर आंध्र प्रदेश के नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है। यह हवाई अड्डा आंध्र और उत्तर आंध्र की ग्रोथ का रनवे है। ये यहां के युवाओं के बेहतर भविष्य का लॉन्च पैड है। मैं देश के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

हमने परंपरा को तोड़ा और महान नायकों का नाम 'जोड़ा'

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जब एयरपोर्ट बनते थे, तो उनके नाम एक ही परिवार के नाम पर चढ़ जाते थे। हमने इस परंपरा को बदला है। अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम वाल्मिकी के नाम से जोड़ा, पंजाब में संत रविदास के नाम से एयरपोर्ट का नाम जोड़ा। एनडीए सरकार ने निर्णय किया है कि इस नए एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर होगा।

2014 तक 74 तो आज 166 एयरपोर्ट बने

पीएम ने कहा कि बीते 12 वर्षों में देश के एविएशन सेक्टर की असाधारण प्रगति हुई है। 2014 तक देश में केवल 74 एयरपोर्ट ऑपरेशनल थे, आज यह संख्या 166 हो गई है। एक समय था जब हवाई उड़ाने सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित थी। एनडीए सरकार में आज छोटे शहर के साधारण लोग भी फ्लाइट से यात्रा कर रहे हैं। इन 12 वर्षों में सिर्फ एयरपोर्ट्स की संख्या में ही बढ़ोत्तरी नहीं हुई है, बल्कि हमारी उड़ान योजना के कारण आज गरीब परिवार के लोगों को भी जहाज में बैठने का अवसर मिल रहा है। कुछ दिन पहले ही सरकार की ओर से उड़ान योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की गई है।

एविएशन सेक्टर में देश ने माइलस्टोन हासिल किया

उन्होंने आगे कहा कि एविएशन सेक्टर में देश ने एक और बड़ा माइलस्टोन हासिल किया है। कुछ ही दिन पहले काशी में स्पोक एयरपोर्ट का शुभारंभ किया गया। आज वही मॉडल पंजाब के अमृतसर तक पहुंच गया है। अमृतसर से 25 से ज्यादा इंटरनेशनल डेस्टिनेशन जुड़ जाएंगे।

'जंगल का नायक' ने पूरा जीवन जनजातीय लोगों के कल्याण के लिए समर्पित किया

7 मई 1924 को दक्षिण भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की अंग्रेजों ने बेरहमी से हत्या कर दी। राजू ने अपना पूरा जीवन जनजातीय लोगों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। लोग उन्हें 'जंगल का नायक' कहते हैं। हर साल आंध्र प्रदेश सरकार उनकी जन्म तिथि चार जुलाई को राज्य उत्सव के रूप में मनाती है।राजू एक संन्यासी और स्वतंत्रता सेनानी थे। उनका जन्म चार जुलाई 1897 में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में हुआ था। उनके पिता का नाम वेंकटराम राजू था। उनका बचपन अंग्रेजों का अत्याचार सहते हुए बीता। बड़े होने पर उन्होंने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने 1922 से लेकर 1924 तक चले राम्पा विद्रोह का नेतृत्व किया।

18 साल की उम्र में बने संन्यासी

राजू 18 साल की उम्र में संन्यासी बन गए। उन्हें जंगली जानवरों को वश में करने की क्षमता हासिल थी। इसके अलावा, उन्हें ज्योतिष और चिकित्सा का भी ज्ञान था। यही वजह है कि पहाड़ी और आदिवासी लोगों के बीच वे काफी लोकप्रिय हुए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 13 गोल्ड, अब तक कुल 38 मेडल

गोल्ड से भरी झोली बॉक्सिंग में 7 पदक

प्रीति और जैस्मिन ने बॉक्सिंग में तो सोमन ने पैरा शॉटपुट में जीता

अंक तालिका में 38 पदक के साथ भारत चौथे स्थान पर पहुंच गया

एजेंसी ▶▶ ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 1 जुलाई का दिन भारतीय बॉक्सर्स के लिए काफी ऐतिहासिक रहा। भारत ने पहली बार बॉक्सिंग में कुल 7 मेडल अपने नाम किया। शनिवार को प्रीति पवार, जैस्मिन लांबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास और अरुंधति चौधरी महिलाओं में चैंपियन बनीं।

साक्षी चौधरी

सचिन सिवाच और अंकुश पंघाल ने पुरुषों में सोना जीता। लवलीना बोरगेहन, जादुमणि और नरेंद्र बेरवाल को सिल्वर से संतोष करना पड़ा। पैरा एथलेटिक्स में सोमन राणा ने भी गोल्ड जीता। मेडल टैली में भारत 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज सहित कुल 38 मेडल हो गए। अंक तालिका में भारत चौथे स्थान पर पहुंच गया।
▶▶ शेष पेज 5 पर

जैस्मिन लांबोरिया

प्रीति पवार

ट्रिपल जंप में भारत के दो और मेडल

भारत ने पुरुष ट्रिपल जंप में दो और मेडल जीत लिए हैं। प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटैम्प्ट के साथ सिल्वर अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के बेस्ट अटैम्प्ट के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस इवेंट का गोल्ड जाम्बिया के जॉर्डन स्कॉट ने जीता। उनका बेस्ट अटैम्प्ट 16.72 मीटर का रहा।

हरियाणा की दो बेटियों ने बढ़ाया मान

हरियाणा की बॉक्सर प्रीति ने 2022 एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता। प्रीति 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता, जबकि 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में भी गोल्ड अपने नाम किया। प्रीति की ट्रेनिंग एनएस एनआईएस पटियाला में होती है। हरियाणा की बॉक्सर जैस्मिन लांबोरिया 57 किग्रा कैटेगरी में फिलहाल इस वर्ग में दुनिया की नंबर-1 बॉक्सर हैं। उन्होंने 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड जीता है। जैस्मिन 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत के लिए खेल चुकी हैं और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।

संसद भवन परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के विरोध में स्वांग रचने की शिकायत दी

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने प्रतिनिधिमंडल के साथ शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की

विपक्षी सांसदों ने संसद भवन परिसर में किया था स्वांग, लोकसभा अध्यक्ष ने भी जतायी थी आपत्ति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विपक्षी सांसदों द्वारा संसद भवन परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के विरोध में स्वांग रचने की शिकायत पुलिस में दी गई है। सांसद बांसुरी स्वराज के नेतृत्व में भाजपा नेताओं का प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली के डीसीपी से मिलकर इस मामले की शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में विधायक अनिल शर्मा व करनैल सिंह और अधिवक्ता संकेत गुप्ता भी शामिल थे।

स्वराज ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करने का सबको अधिकार है। लेकिन किसी की आस्था के साथ खिलवाड़ ▶▶ शेष पेज 5 पर

होटलों में खाना भी होगा सस्ता?

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर सस्ता दिल्ली से कोलकाता तक घटे दाम

दूसरी बार कम हुए सिलेंडर के दाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अगस्त 2026 यानी आज से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती की है। महीने की पहली तारीख को हुए इस बदलाव से कमर्शियल गैस का इस्तेमाल करने वाले व्यवसायियों को बड़ी राहत मिली है। लागू ▶▶ शेष पेज 5 पर

शनिवार से लागू नई दरें

- ▶▶ **दिल्ली:** 2,728 (202 की कटौती)
- ▶▶ **कोलकाता:** 2,872.50 (209 की कटौती)
- ▶▶ **मुंबई:** 2,691.50
- ▶▶ **भोपाल:** 2,743.00 (190.50 की कटौती)

बरेली से होते हुए राजस्थान तक जा पहुंचे इस गोरखधंधे के तार

श्रीगंगानगर की कई दुकानों से जब्त किया गया 1 हजार मीटर अनधिकृत कॉम्बैट कपड़ा

सेना ने किया नकली सैन्य वर्दी बनाने वाले एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना और राजस्थान पुलिस के हाथ एक बड़ी कामयाबी लगी है। बीते 30 जुलाई को प्रदेश की पाकिस्तान से लगी हुई सीमा के करीब बसे श्रीगंगानगर जिले की कई दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। जिसमें न्यू डिजिटल पैटर्न कॉम्बैट यूनिफार्म का नकली कपड़ा बेचने के गोरखधंधे का भंडाफोड़ कर कुल 1 हजार मीटर से ज्यादा अनधिकृत सैन्य पैटर्न कपड़ा जब्त किया गया है। यह एक संयुक्त अभियान था। जिसमें सेना की खुफिया इकाइयों और राज्य की पुलिस ने अहम भूमिका निभाई है। उनकी इस समन्वित कार्रवाई से

क्षेत्र के विक्रेताओं को नकली सैन्य वर्दियां उपलब्ध कराने वाले एक व्यापक नेटवर्क को पोल खुल गई है। सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी है। यहां बताते चलें कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले इस रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है।

कपड़े को अवैध कब्जे में रखना अपराध: सैन्य पैटर्न कॉम्बैट कपड़े को इस तरह से अनधिकृत रूप से कब्जा कर रखना, बेचना या उसका इस्तेमाल करना एक दंडनीय अपराध है। क्योंकि इसी तरह से सैन्य कपड़े की सामग्री का दुरुपयोग कर कोई भी व्यक्ति सशस्त्र सेनाओं व अन्य सैन्य बलों के कर्मियों का वेश धारण कर सकता है यानी प्रतिरूपण कर सकता है। जो मौजूदा चिंताजनक माहौल में राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ कई अन्य प्रकार के सुरक्षा जोखिमों का भी सीधा कारण बन सकता है।

बरेली की जांच से मिली लीड

सेना ने कहा कि श्रीगंगानगर में की गई उसकी इस कार्रवाई का आधार इसी साल जून महीने में उत्तर प्रदेश के बरेली में की गई इसी तरह के नकली कॉम्बैट कपड़े की बरामदगी रही। प्रारंभिक जांच में कपड़े के निर्माण का स्रोत राजस्थान के श्रीगंगानगर से जुड़ा पाया गया। यह एक अहम सुराग बना, जिसकी बिनाह पर सेना के खुफिया अधिकारियों ने शहर में गोपनीय ढंग से जांच करने का काम शुरू किया। फिर आपूर्ति श्रृंखला की एक अहम कड़ी के रूप में एक स्थानीय फर्म की जानकारी हाथ लगी। इसी फर्म पर आरोप है कि यह गंगानगर के अलावा लालगढ़ जाटान, सूरतगढ़ सहित आसपास के बाजारों की दुकानों को भी नकली कॉम्बैट कपड़ा उपलब्ध करा रही थी। मामले को लेकर जुलाई महीने के मध्य भाग में सेना ने राजस्थान पुलिस के साथ अपनी अंतरिम जांच रिपोर्ट साझा की थी। जिसके तहत ही 30 जुलाई को दोनों पक्षों ने मिलकर संयुक्त अभियान चलाया। कई दुकानों की सघन तलाशी ली गई और अनधिकृत कपड़ा जब्त किया गया।

बाहरी दिल्ली में कलस्टर बस से कुचलकर महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी थाना अंतर्गत पूठ कलां बस स्टैंड के पास शनिवार को एक 60 वर्षीय महिला की कलस्टर बस की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना के बाद महिला के परिजनों ने सड़क अवरुद्ध कर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने बस में भी तोड़फोड़ की। हादसे के बाद चालक बस मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया था लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी चालक का नाम राजेश बताया गया है।

पुलिस के अनुसार हादसा सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र में हुआ। सुल्तानपुरी निवासी इंद्रा नामक महिला बस स्टैंड के पास खड़ी थी। इसी दौरान रूट संख्या 144ए पर चलने वाली कलस्टर बस ने महिला को कुचल दिया। बस आजादपुर से चलकर औचंदी बॉर्डर जा रही थी। महिला को संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क अवरुद्ध कर प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत किया।

कैसे हुआ हादसा?

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इन्द्रा रूट नंबर 114ए की क्लस्टर बस से नीचे उतरी थीं। जैसे ही उन्होंने सड़क पार करने की कोशिश की, बस चालक ने घोर लापरवाही दिखाते हुए गाड़ी को बेहद जल्दबाजी में आगे बढ़ा दिया। महिला बस के पहिए के नीचे आ गई और गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद चालक जनता के गुस्से और मारपीट के डर से बस को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया था। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। शव का पोस्टमार्टम संजय गांधी अस्पताल में करवाया गया है।

दिल्ली और मुंबई के बीच संचालित कोकीन तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ दो आरोपी गिरफ्तार, 20 करोड़ की ड्रग्स जब्त

हजरत निजामुद्दीन रेलवे पुलिस और स्पेशल स्टाफ ने दिल्ली और मुंबई के बीच चल रहे अंतरराज्यीय कोकीन तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 2.288 किलोग्राम कोकीन जिसकी अनुमानित कीमत 20 करोड़ रुपये आंकी गई बरामद की है। पुलिस सिंडिकेट के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने, वित्तीय लेन देन का पता लगाने और अंतरराज्यीय नशीले पदार्थों के नेटवर्क के पिछले और अगले संपर्कों का पता लगाने के प्रयास में जुटी हैं।

डीसीपी रेलवे बी. भरत रेड्डी के अनुसार अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण ऑपरेशन में रेलवे यूनिट और स्पेशल स्टाफ ने दो नाइजीरियाई महिलाओं चिकानसो जेम्स और हैप्पीनेस ओकोये को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह बरामदगी नशीले पदार्थों के खिलाफ रेलवे यूनिट के चल रहे अभियान में एक बड़ी सफलता है। पुलिस के अनुसार 31 जुलाई को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर गश्त के दौरान सामान लिए हुए दो संदिग्ध नाइजीरियाई महिलाओं को नोटिस किया गया। संदिग्ध गतिविधियों को भांपते हुए स्टाफ ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद तलाशी के दौरान एक आरोपी के पास से कोकीन के 11 पैकेट बरामद किए गए। दोनों आरोपी महिलाओं को अदालत के सामने पेश किया गया। आरोपी चिकानसो जेम्स की पुलिस रिमांड ली गई है ताकि सप्लाई के स्रोत का पता लगाया जा सके, जिन्हें यह सामान मिलना था उनकी पहचान की जा सके। सह आरोपी हैपीनेस ओकोये को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दोनों आरोपियों के पासपोर्ट भी जब्त कर लिए गए हैं। तस्करी नेटवर्क में शामिल इनके अन्य साथियों की पहचान करने, पूरी सप्लाई चेन का पता लगाने, प्रतिबंधित सामान के स्रोत और मंजिल का पता लगाने और बाकी बचे प्रतिबंधित सामान को बरामद करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

खबर संक्षेप

हत्या के प्रयास केस में वांछित अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की नई दिल्ली रेंज टीम ने पंजाबी बाग पुलिस स्टेशन के हत्या के प्रयास के मामले में वांछित एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली और एनसीआर में कई आपराधिक मामलों में पहले भी शामिल पाया गया है। गिरफ्त में आये शख्स का नाम धीरज उर्फ जूडी (24) निवासी सुल्तानपुरी बताया गया है। पुलिस के अनुसार इसी साल 30 जनवरी को शिकायतकर्ता दीपक, पश्चिम पुरी में अपना फूड कार्ट पर मौजूद था। रात लगभग सवा नौ बजे कई हमलावरों ने पीछे से आकर उस पर धारदार हथियार से हमला किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आई। सूचना मिलने पर पंजाबी बाग थाने में केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान यह पता चला कि आरोपी धीरज उर्फ जूडी अपने साथियों के साथ वारदात में शामिल था। इससे पहले स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच ने पांच आरोपियों रितिक उर्फ माया, अमित, करण, विशाल और बिरजू को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि धीरज उर्फ जूडी और अन्य साथी फरार थे।

अलीपुर में मां बेटी की सांप के डसने से मौत

नई दिल्ली। अलीपुर क्षेत्र की बख्तावरपुर स्थित त्रिवेणी कालोनी में सांप के ने परिवार के तीन लोगों को डस लिया। इस घटना में मां बेटी की मौत हो गई। जबकि 15 वर्षीय महिला का बेटा उपचार के बाद बच गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिये गये। परिवार शवों को अलीगढ़ लेकर गया है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से अलीगढ़ के रहने वाला परिवार बख्तावरपुर स्थित त्रिवेणी कॉलोनी में लगभग 10 वर्षों से रह रहा था। दो दिन पहले 41 वर्षीय शफीका परवीन उर्फ सकीना, उसकी 13 वर्षीय बेटी आफिया और 15 वर्षीय बेटा फरियाद जमीन पर साथ सो रहे थे। देर रात ढाई बजे जहरीले सांप ने तीनों को काट लिया। महिला और उसकी बेटी ने बेचैनी और चक्कर आने की शिकायत की जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने पहले महिला और बाद में बेटी को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंचने पर महिला का बेटा भी चक्कर आकर गिर गया जिससे उसे भी काटे जाने का शक हुआ। इलाज के बाद उसकी जान बचाने में डॉक्टर सफल रहे। परिजनों ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि दोनों को सोते समय सांप ने काटा था और उन्हें किसी प्रकार की साजिश या संदेह नहीं है।

20 लाख कीमत के चोरी हुए हीरे के गहने बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की रेलवे यूनिट ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई बड़ी चोरी का मामला सुलझा लिया है। 20 लाख कीमत के चोरी हुए हीरे के गहने बरामद हुये हैं। इस सिलसिले में एक आरोपी महिला को अरेस्ट किया गया है। आरोपी की पहचान दिल्ली के रघुबीर नगर की रहने वाली आरूषि (45) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 28 जुलाई को सबीना अग्रवाल की शिकायत पर पुरानी दिल्ली रेलवे पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया था कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका पर्स चुरा लिया था, जिसमें हीरे की दो सिंगल चूड़ियां, सोने की एक चेन, हीरे का एक पेंडेंट, हीरे की दो अंगूठियां और 20 हजार रुपये नकद थे। मामला दर्ज होने के तुरंत बाद जीआरपी और आरपीएफ की एक संयुक्त टीम बनाई गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। जांच के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया। उसके पास से चोरी हुए लगभग 20 लाख कीमत के सभी हीरे के गहने भी बरामद कर लिए गए।

पैकर्स एंड मूवर्स धोखाधड़ी का पर्दाफाश, आरोपी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लक्ष्मी नगर पुलिस ने फर्जी पैकर्स एंड मूवर्स सर्विस के जरिए धोखाधड़ी करने में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता के घर का सारा सामान भी हरियाणा के गुरुग्राम से बरामद कर लिया गया है।

डीसीपी राजीव कुमार के अनुसार 12 जुलाई को लक्ष्मी नगर निवासी शख्स की शिकायत पर ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने दिल्ली से बिहार तक अपना घरेलू सामान ले जाने के लिए स्पेस लॉजिस्टिक्स पैकर्स एंड मूवर्स की सेवाएं ली थी। कंपनी के प्रतिनिधियों ने 1 जुलाई को घर का कुछ सामान और 8 जुलाई को बाकी सामान ले लिया। सामान पहुंचाने के बजाय आरोपी ने 20 हजार की अतिरिक्त डिमांड की। शिकायतकर्ता ने शुरू में 500 का भुगतान किया और बाद में आरोपी को 19,500 ट्रांसफर कर दिये। भुगतान मिलने के बावजूद आरोपी ने न तो घरेलू सामान पहुंचाया और न ही पैसे वापस किए। जांच के दौरान यह भी पता चला कि आरोपी शकरपुर पुलिस स्टेशन के एक अन्य आपराधिक मामले में वांछित था। कई जगह छापेमारी और तलाशी के बाद गुरुग्राम के रहने वाले आरोपी अजय कुमार सिंह (26) की पहचान की गई और गिरफ्तार किया गया। लगातार पूछताछ के बाद शिकायतकर्ता का घरेलू सामान बरामद कर लिया गया।

■ घर का सारा सामान बरामद

संदिग्ध परिस्थिति में व्यक्ति की मौत के बाद लोगों ने की सड़क जाम

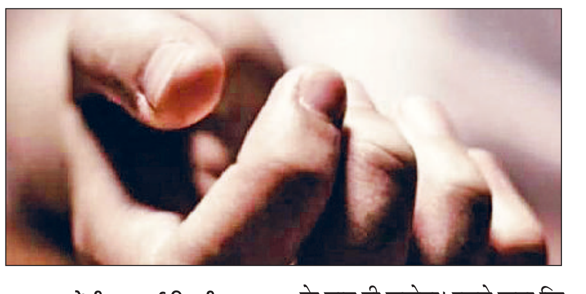

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के रोहिणी में शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति की मौत के बाद उसके परिवार के सदस्यों एवं अन्य लोगों ने सड़क जाम कर दी जिसके बाद इलाके में पुलिस की तैनाती की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिस व्यक्ति की मौत हुई, उसके परिजनों ने आरोप लगाया है कि मकान मालिक ने उसे पीट-पीटकर मार डाला।

पुलिस ने कहा कि मौत की असली वजह का पता पोस्टमॉर्टम के बाद ही चलेगा। इसने कहा कि मृतक की पहचान 30 वर्षीय गणेश के तौर पर हुई है, जो बुध विहार में किराये के मकान में रहता था। गणेश की मौत के बाद उसके परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए बुध विहार फेज-1-कंझावला मार्ग को जाम कर दिया। बाद में, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया और यातायात बहाल किया। एहतियात के तौर पर पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, गणेश शुक्रवार रात कुछ लोगों के साथ कथित रूप से शराब पी रहा था। पुलिस ने बताया कि लोगों ने उसे औंधे मुंह पड़ा देखा और उसके परिवार वालों को सूचना दी। अधिकारियों ने कहा कि उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच में शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं मिला, और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। अधिकारियों ने कहा कि परिवार के आरोपों की जांच की जा रही है और हर पहलू पर पुलिस की नजर है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और कहा कि जांच के नतीजों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अदालत ने जमानत याचिकाओं का विरोध करने के एनसीबी के तरीके पर जतायी निराशा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने जमानत याचिका का विरोध करते समय आरोपी के खिलाफ मामले से जुड़े साक्ष्यों का उल्लेख नहीं कर पाने पर स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के रवैये पर निराशा व्यक्त की है। आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश जितेंद्र प्रताप सिंह ने एनसीबी के क्षेत्रीय निदेशक को निर्देश दिया कि वह जमानत याचिका का प्रभावी ढंग से विरोध न कर पाने के संबंध में एजेंसी की ओर से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। अदालत ने 30 जुलाई के आदेश में कहा कि न तो मूल जांच अधिकारी और न ही मामले की पैरवी कर रहे अधिकारी यह बता सके कि ऐसा कौन-सा साक्ष्य है, जो सीधे तौर पर याचिकाकर्ता या आरोपी को कथित अपराध से जोड़ता है। न्यायाधीश ने कहा कि अत्यंत खेद के साथ यह अदालत जमानत याचिकाओं का विरोध करने के मामले में एजेंसी के कामकाज के तरीके पर अपनी निराशा व्यक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि अदालत में मामलों के बड़ी संख्या में लंबित होने के कारण सामान्यतः जमानत याचिकाओं पर लगभग 45 दिन बाद सुनवाई की तारीख दी जाती है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

खुली ई-निविदा सूचना संख्या :- **NER-BSBOSnT-OT-40-2026.** मण्डल रेल प्रबन्धक/ सिग. एवं दूरसंचार/पूर्वोत्तर रेलवे/ वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली ई" निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रमांक-1, निविदा सूचना सं. एवं कार्य का नाम :** NER-BSBOSnT-OT-40-2026 : कार्य का नाम : स.म. सि.दू.इ.-II/गोरखपुर एवं स.म.सि.दू.इ./ छपरा के सेक्शन में बाकी जगहों पर फायर अलार्म डिटेक्शन सिस्टम के साथ एस्पिरेशन-टाइप फायर अलार्म सिस्टम लगाना एवं छपरा स्टेशन पर फायर सप्रेशन सिस्टम लगाने का कार्य। अनुमानित लागत : रू. 44078599.84, बयाना की राशि : रू. 881600.00, निविदा प्रपत्र की कीमत : रू. 00.00 कार्य पूर्ण करने की अवधि- 12 माह, निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय : 24.08.2026 को 15.00 बजे, 1. ई-निविदा दिनांक 24.08.2026 को 15.00 बजे तक ऑन लाईन जमा किया जा सकेगा। 2. पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. www.ireps.gov.in. देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग. एवं दूर संचार/ मुजाधि/सिगनल- 87 पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **आतिफ, पुत्रः नासिर, निवासीः सी-4ए/353, एलएनजेपी कॉलोनी, रणजीत सिंह मार्ग, गुरु नानक अस्पताल, नई दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 93/2024 U/S 356/379/411 IPC** के तहत एक मामला **थाना दरियागंज, मध्य जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **आतिफ** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **आतिफ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No. 93/2024 U/S 356/379/411 IPC, थाना दरियागंज, मध्य जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **आतिफ**, को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 17.09.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री निधि बाला,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05 (केंद्रीय)
केंद्रीय जिला, कमरा नंबर 241,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली।

DP/10626/CD/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

गेरे रागक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी विवेक अग्रवाल, पुत्रः** उमेश अग्रवाल **पताः** सी-90, महेंद्रू एन्क्लेव, गली नंबर 4, दिल्ली **CC No. 6700/17, U/S: 138 NI Act, थानाः हौज काजी, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विवेक अग्रवाल,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विवेक अग्रवाल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **विवेक अग्रवाल, CC No. 6700/17, U/S: 138 NI Act, थानाः हौज काजी, दिल्ली**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.09.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अरविंद तोमर
एल.डी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी (एन.आई.एक्ट)-07,
केन्द्रीय कमरा नंबर 507, एक्सटेंशन ब्लॉक
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/10479/CD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **निर्मला पत्नी** राजेश कुमार **निवासी** मकान नं0-173, ई-2, ब्लॉक, आदर्श लक्ष्मी विहार, विनय एन्क्लेव लक्ष्मी विहार, प्रेम नगर-3, किरारी, दिल्ली, ने **CT No. 881/20, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन अमन विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निर्मला** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निर्मला** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CT No. 881/20, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन अमन विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **निर्मला** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.09.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शगुन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, उत्तर-पश्चिम,
कोर्ट नं0-109, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10612/RD/2026
(Court Matter)

सफाई कर्मियों और सुरक्षा गार्डों के हक की लड़ाई अब हाईकोर्ट में पहुंचेगी: गहलोत

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत हजारों सफाई कर्मियों एवं सुरक्षा गार्डों की लंबित वेतन एवं श्रमिक अधिकारों की समस्याओं को लेकर अब कानूनी लड़ाई तेज होने जा रही है। दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व चेयरमैन संजय गहलोत ने शनिवार को यह जानकादी देते हुए बताया कि 'प्रबल सफाई सैनिक व गाड्‌र्स यूनियन (रजि.)' ने कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है। यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष पूनम सिंह द्वारा आरोप लगाया गया है कि विभिन्न सरकारी स्कूलों में तैनात आउटसोर्स सफाई कर्मियों एवं गार्डों को कई महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। कर्मियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई कर्मियों ने यह भी शिकायत की है कि उन्हें निर्धारित वेतनमान एवं श्रम कानूनों के अनुसार मिलने वाले लाभों से वंचित रखा जा रहा है।

दिल्ली की अदालत ने सात करोड़ रुपये के यूको बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में तीन को दोषी ठहराया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने वर्ष 2001 में जाली दस्तावेजों के आधार पर यूको बैंक से सात करोड़ रुपये का ऋण लेकर उसका दुरुपयोग करने के मामले में कपड़ा कंपनी के तीन पूर्व निदेशकों को दोषी ठहराया। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपी केवल इस आधार पर अपनी आपराधिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकते कि उन्होंने बैंक के साथ समझौता कर लिया है। विशेष न्यायाधीश सुधांशु कौशिक ने द्वारकाधीश स्पिनर्स लिमिटेड (डीएसएल) के पूर्व निदेशक अमित चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी और परवीन जुनेजा को आपराधिक साजिश रचने, धोखाधड़ी करने तथा जाली दस्तावेजों को असली बताकर इस्तेमाल करने का दोषी ठहराया। वहीं, अदालत ने यूको बैंक के पूर्व अधिकारी बिकाश बसु को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि वह साजिश में शामिल थे। अदालत ने कहा कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह साबित हो कि उन्होंने कोई अवैध लाभ लिया या आपराधिक मंशा से काम किया। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा वर्ष 2009 में दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों ने वर्ष 2001 में यूको बैंक की संसद मार्ग शाखा से सात करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त करने के लिए साजिश रची थी। शुरुआत में उन्होंने दावा किया था कि यह राशि भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई) के ऋण का अग्रिम भुगतान करने के लिए ली जा रही है। सीबीआई के अनुसार, ऋण स्वीकृत होने के बाद कंपनी के निदेशकों ने बैंक से झूठ कहा कि आईएफसीआई ने अग्रिम भुगतान लेने से इनकार कर दिया है। इसके बाद उन्होंने बैंक को यह ऋण सरकार की प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टीयूएफएस) के तहत मशीनरी खरीद के लिए दिए जाने वाले ऋण में बदलने के लिए राजी कर लिया।

प्राथमिकी दर्ज करने की सरकारी विभाग की याचिका खारिज, मजिस्ट्रेट का आदेश बरकरार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने केंद्र शासित प्रदेश सरकार के रोजगार निदेशालय द्वारा दायर उस पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें लगभग 1.94 लाख रुपये के सरकारी धन के गबन और धोखाधड़ी के आरोप में एक निजी कंपनी तथा उसके हस्ताक्षरकर्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। अदालत ने कहा कि चूंकि सरकारी विभाग के पास पहले से ही सभी संबंधित दस्तावेज मौजूद हैं और आरोपी की पहचान हो चुकी है, इसलिए इस मामले में पुलिस जांच की आवश्यकता नहीं है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरेंद्र राणा, अगस्त 2023 के मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ विभाग द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। मजिस्ट्रेट ने धोखाधड़ी कर सरकारी धन के गबन के आरोप में कंपनी और उसके हस्ताक्षरकर्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने संबंधी याचिका को खारिज कर दिया था। शिकायत के अनुसार, विभाग ने वर्ष 2012 में अनुपयोगी वस्तुओं के लिए एक निविदा जारी की थी, जिसके बाद कंपनी ने सामान लिया और लगभग 1.94 लाख रुपये के दो डिमांड ड्राफ्ट जमा कराए थे। शिकायत में कहा गया कि विभाग द्वारा ड्राफ्ट देर से जमा किए जाने के कारण वे भुनाए नहीं जा सके, और बाद में बैंक ने विभाग को सूचित किया कि कंपनी के अनुरोध पर उन्हें रद्द कर दिया गया। दूसरी ओर, आरोपी पक्ष का कहना था कि आपूर्ति किया गया सामान निम्न स्तर का था, इसलिए विभाग को भुगतान रोक दिया गया।

दिल्ली कांग्रेस का प्रदर्शन अन्य प्रदेश कमेटियों से बेहतर : यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली कांग्रेस संगठन का प्रदर्शन देश के सभी राज्यों के संगठनात्मक प्रदर्शन की तुलनात्मक दृष्टि में सबसे बेहतर रहा है। इस बात की जानकारी दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को दी है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव संगठन के.सी. वेणुगोपाल के साथ हुई संगठनात्मक समीक्षा की बैठक में कांग्रेस कनेक्ट पोर्टल पर दिल्ली कांग्रेस की ओवरऑल परफॉर्मेंस रेट 98 प्रतिशत दर्ज की गई है, जिसका श्रेय कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता और प्रतिबद्धता का परिणाम है। दिल्ली कांग्रेस की इस शानदार उपलब्धि के लिए प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कांग्रेस परिवार के प्रत्येक सदस्य को बधाई और शुभकामनाएं दी और आने वाले समय में कार्यकर्ताओं से अपील की कि एकजुटता और प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य करके दिल्ली कांग्रेस को हर क्षेत्र में सर्वोत्तम बनाने का संकल्प लें। यादव ने कहा कि विपरित परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव से पहले संकट के समय 5 मई, 2024 को दिल्ली कांग्रेस का पदभार संभालते वक्त मेरे सामने जहां संगठन को उभारने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं को एकजुट करने की चुनौतियों थीं, वहीं लम्बे समय से चुनाव में हार का मुंह देखने के कारण दिल्ली में खत्म हो रहे कांग्रेस संगठन को पहले की तरह खड़े करने की चुनौती भी थी। यादव ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले 8 नवम्बर, 2024 से 8 दिसम्बर, 2024 तक एक महीने तक दिल्ली न्याय यात्रा सभी 70 विधानसभाओं में निकालकर कांग्रेस संगठन को धरातल से उठाकर खड़ा किया और विधानसभा चुनाव में भाजपा की वोट चोरी के बावजूद कांग्रेस का वोट प्रतिशत बढ़ाने का काम किया।

विहिप ने साधु संतों संग जंतर मंतर पर राहुल और पप्पू यादव की सद्बुद्धि के लिए किया हवन अनुष्ठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

संसद परिसर में शुक्रवार को कुछ विपक्षी सांसदों द्वारा राम मंदिर चोरी प्रकरण को लेकर किए गए नाटकीय मंचन के विरोध में शनिवार को विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) इंद्रप्रस्थ प्रांत, दिल्ली ने जंतर मंतर पर सद्बुद्धि हवन आयोजित किया। साधु संतों के साथ मिलकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व निर्दलीय सांसद पप्पू यादव सहित अन्य सांसदों के लिए सद्बुद्धि हवन किया गया। जंतर मंतर पर मौजूद साधु संतों व विहिप कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों में पोस्टर बैनर पकड़े हुए थे जिन सद्बुद्धि दो प्रभु, संतों का सम्मान-सनातन की पहचान, राजनीति से ऊपर संतों का सम्मान तथा संत समाज का सम्मान आदि लिखा था। विहिप के प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता के अनुसार इस मौके पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी व शंकराचार्य श्री श्री विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी महाराज, संत नारायण गिरी महाराज, महामंडलेश्वर महंत नवल किशोर दास महाराज, भारतीय बौद्ध संघ के अध्यक्ष भंते संघप्रिय राहुल, विहिप, इंद्रप्रस्थ प्रांत के अध्यक्ष कपिल खन्ना, दिल्ली संत महामंडल के प्रतिनिधिगण, विहिप व बजरंग दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस मौके पर मौजूद साधु संतों ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए सनातन का मजाक उड़ाना बंद करें अन्यथा ऐसे राजनीतिक विचारधारा को हिंदू समाज के तीव्र विरोध का सामना करना पड़ेगा। शांतिपूर्ण व वैदिक तरीके से आयोजित हवन के बाद सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि आम जन जीवन में कई ऐसे घटनाक्रम सामने आए, जिनसे अनेक लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक भी है! लेकिन किसी भी संगठन, व्यक्ति विशेष, वर्ग विशेष अथवा सामाजिक व राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत की प्राचीन संत परंपरा, धार्मिक प्रतीकों और सांस्कृतिक मूल्यों की गरिमा का ठेस पहुंचाई जा रही है। गुप्ता ने कहा कि यह बेहद चिंता व दुख का विषय है कि हमारे धर्म व परंपरा को निशाना पर रखा जा रहा है। शंकराचार्य श्री श्री विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी महाराज ने कहा कि यह देश हमेशा से सनातन परंपरा को आगे बढ़ाने वाला रहा है। लेकिन आजकल तुच्छ मानसिकता वाले लोग सनातन को बदनाम करने के लिए ओच्छे हथकंडे अपना रहे है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पोर्टल www.dly.delhi.gov.in का किया शुभारंभ

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' पात्र महिलाओं को मिलेंगी हर माह 2,500 रुपये की सहायता'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' की आधिकारिक शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने पूर्वी दिल्ली स्थित जिलाधिकारी कार्यालय (डीएम ऑफिस) में आयोजित कार्यक्रम में योजना के ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल (www.dly.delhi.gov.in) का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। यह योजना आर्थिक सहायता से आगे बढ़कर महिलाओं को बचत, डिजिटल वित्तीय समावेशन, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता से जोड़ने वाला देश का एक अभिनव मॉडल बनेगी। मुख्यमंत्री ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे एक अगस्त 2026 से www.dly.delhi.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर इस योजना का लाभ उठाएं। पोर्टल पर आवेदन पत्र भरने के साथ आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने की सुविधा उपलब्ध होगी।

आवेदन के दौरान लाभार्थी अपनी पसंद के अनुसार वित्तीय विकल्प का चयन कर सकेंगी और अपना सीबीडीसी वॉलेट अथवा बैंक खाते को योजना से लिंक कर सकेंगी।योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं से भी जोड़ा जाएगा। इनमें अपार आईडी, आभा आईडी, पोषण ट्रैकर, टीकाकरण, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान, स्वच्छ भारत मिशन तथा अन्य सामाजिक विकास कार्यक्रमों से समन्वय स्थापित किया जाएगा।

गलत जानकारी पाए जाने पर वसूली जाएगी सहायता राशि

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना में केवल वास्तविक पात्र लाभार्थियों को ही सहायता मिले, इसके लिए आधार सत्यापन, दिल्ली मतदाता पंजीकरण, वार्षिक आय, परिवार का विवरण, बिजली की खपत, वाहन स्वामित्व, पेंशन, सरकारी सेवा का रिकॉर्ड एवं अन्य निर्धारित मानकों के आधार पर विस्तृत जांच की जाएगी। किसी भी प्रकार की गलत जानकारी या धोखाधड़ी पाए जाने पर सहायता राशि की वसूली तथा आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई का प्रावधान किया गया है।

पात्रता के मुख्य मानदंड

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि योजना के अंतर्गत परिवार की सबसे वरिष्ठ पात्र महिला आवेदन कर सकेगी। लाभार्थी की आयु 21 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए, परिवार की वार्षिक आय ढाई लाख रुपये तक होनी चाहिए, आवेदक अथवा उसके माता-पिता/पति का कम-से-कम 10 वर्षों से दिल्ली का निवासी होना आवश्यक होगा और लाभार्थी का दिल्ली का पंजीकृत मतदाता होना अनिवार्य होगा। केवल निर्धारित पात्रता मानकों को पूरा करने वाली महिलाओं के आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे।

पहले 12 घंटों में 33 हजार से अधिक हुए पंजीकरण

पोर्टल शुरू होने के पहले 12 घंटे (सुबह 6:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक) में 33 हजार 730 से अधिक पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) किए गए। वहीं, 1,940 आवेदन अंतिम रूप से (फाइनल) जमा किए गए। जबकि 9,170 से अधिक आवेदन विधायक (एमएलए) की अनुशंसा/सिफारिश के लिए लंबित हैं।

17 लाख महिलाओं को लाभ का अनुमान : रेखा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रारंभिक चरण में यह योजना तीन वर्षों के लिए लागू की जाएगी और इससे लगभग 17 लाख महिलाओं को लाभ मिलने का अनुमान है। योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रत्येक माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ भविष्य के लिए आर्थिक बचत भी सुनिश्चित कर सकेंगी।

दो विकल्पों से दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना को पारंपरिक नकद सहायता योजनाओं से अलग स्वरूप दिया गया है। लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार दो वित्तीय विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे। पहले विकल्प में प्रत्येक माह 1,000 रुपये सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी वॉलेट में उपलब्ध होंगे, जिनका उपयोग दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जा सकेगा, जबकि शेष 1,500 रुपये आरडी/एफडी में जमा होंगे। दूसरे विकल्प में संपूर्ण 2,500 रुपये प्रतिमाह आरडी/एफडी में जमा किए जाएंगे, जिससे समय के साथ ब्याज सहित पर्याप्त बचत तैयार होगी। इस प्रकार योजना महिलाओं को तत्काल आर्थिक सहायता के साथ-साथ दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करेगी।

इन कामों पर नहीं कर सकेंगे खर्च

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकारी धन का उपयोग केवल परिवार की आवश्यक जरूरतों के लिए सुनिश्चित करने के लिए सीबीडीसी वॉलेट में डिजिटल नेगेटिव लिस्ट लागू की जाएगी। इसके अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थों, लॉटरी टिकट, जुआ, सट्टेबाजी और सरकार द्वारा समय-समय पर प्रतिबंधित अन्य वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के लिए नहीं किया जा सकेगा। इससे सरकारी सहायता का उपयोग परिवार के हित में सुनिश्चित होगा।

चार-स्तरीय जांच और पारदर्शी डिजिटल व्यवस्था

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली लक्ष्मी योजना पूरी तरह से तकनीक आधारित और डिजिटल व्यवस्था पर संचालित होगी। इसके लिए लॉन्च किया गया डीएलवाई पोर्टल आवेदन, दस्तावेज वेरीफीकेशन, पात्रता परीक्षण, अनुमोदन, पीएफएमएस एकीकरण, बैंकिंग सेवाएं, सीबीडीसी ट्रांसफर और एसएमएस जैसी सभी सेवाओं को एकीकृत करेगा। इससे पूरी प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी। प्रत्येक आवेदन को स्वीकृति से पूर्व चार स्तरों की जांच एवं अनुमोदन प्रक्रिया से गुजरना होगा। सबसे पहले डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट आवेदन की जांच करेगा। इसके बाद डिस्ट्रिक्ट विमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट ऑफिसर द्वारा सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद डिस्ट्रिक्ट लेवल अप्रूवल, मॉनिटरिंग और ग्रीवेंस रिड्रेसल कमिटी आवेदन की समीक्षा एवं अनुमोदन करेगी।

बाहरी उत्तरी जिला : 'दिल्ली लक्ष्मी योजना'

पंजीकरण में हुई लाभार्थियों को दिक्कतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ योजना के लिए आय प्रमाण पत्र देने की आवश्यकता नहीं : डीडीसी

बाहरी उत्तरी जिला कार्यालय में 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' (डीएलवाई) के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान इस योजना में पंजीकरण कराने के लिए आई पात्र महिलाओं को पंजीकरण कराते समय इंटरनेट और ओटीपी प्राप्त करने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही भीड़ अधिक होने से छोटे बच्चों के साथ आई महिलाओं को भी दिक्कतें हुईं, जिसके बाद डीएम प्रशासन को कहना पड़ा कि इस योजना से संबंधित पंजीकरण कार्य अपने घर या फिर आसपास में ऑनलाइन कार्य करने वालों से कराया जा सकता है। यहां देखने में आया कि भीड़ अधिक होने से व्यवस्थाएं प्रभावित हुईं। वहीं, दूसरी तरफ शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान बाहरी उत्तरी जिला विकास समिति (डीडीसी) के अध्यक्ष व मुंडका के विधायक गजेंद्र दराल ने कहा कि डीएलवाई के लिए आय प्रमाण पत्र देने की आवश्यकता नहीं है। पात्र महिला लाभार्थी को आय प्रमाणपत्र की जगह स्व-प्रमाणित (सेल्फ अटेस्टेड) आवेदन पत्र भरना होगा, जिसमें दी गई सभी जानकारियां सत्य होनी चाहिए। इसके बाद अपने क्षेत्र के विधायक से आवेदन पर हस्ताक्षर एवं सत्यापन कराना जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चुनाव से पहले दिल्ली की महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का जो वादा किया था, उसे अब दिल्ली लक्ष्मी योजना लागू कर पूरा किया गया है। उन्होंने इसे रक्षाबंधन के अवसर पर दिल्ली की महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री की ओर से एक विशेष उपहार बताया।

खबर संक्षेप

डीडीए ने छह माह में 85 प्रतिशत घटाईं लंबित शिकायतें

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने उपराज्यपाल सरदार तरणजीत सिंह संधू के नागरिक-केंद्रित शासन के निर्देशों के बाद शिकायत निवारण व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार किया है। डीडीए ने इस वर्ष जनवरी से जून के बीच लंबित शिकायतों में 85 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज करते हुए उनकी संख्या 22 हजार 946 से घटाकर 3,167 कर दी है। इस अवधि में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त 19,779 शिकायतों का निस्तारण किया गया। डीडीए के अनुसार शिकायतें सीपीग्राम्स, एलजी लिसनिंग पोस्ट, मुख्यमंत्री जनसुनवाई/पीजीएमएस, डीआरएमएस, मोबाइल 311 और समस्या निवारण सेवा सहित विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्राप्त हुई थीं। बता दें कि उपराज्यपाल ने कार्यभार संभालने के बाद सभी विभागों को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए थे, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। डीडीए ने बताया कि प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को नियमित जनसुनवाई आयोजित की जा रही है।

जेनजी को डराने की सभी कोशिशें हुई बेकार साबित : सौरभ

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को कहा कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन के बाद जेन-जी को डराने की तमाम कोशिश बेकार साबित हो चुकी है। बच्चे डर नहीं रहे, बल्कि प्रधानमंत्री के ओछेपन पर खुब हंस रहे है। भारद्वाज ने आरोप लगाए कि युवा बच्चों को परेशान करने, अकेले मिलने पर मार पीट करते हुए वीडियो बनाने के लिए राइट विंग के गुंडों को छूट दे दी गई है। इनके खिलाफ फर्जी आरोपों में एफआईआर दर्ज कर बच्चों और उनके परिवारजनों को डराने दबाने की कोशिश भी की जा रही है। भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री का संरक्षण होने के कारण शिकायतों के बावजूद बच्चों पर हमला करने वालों पर कोई एफआईआर नहीं हो रही है। भाजपा सरकार एक डरपोक समाज और देश बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन यह देश इनके गुंडों से कभी नहीं डरेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के वीडियो को देखकर मैं एक बात कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस देश का युवा और यहां की जेन-जी कभी माफ नहीं करेगी।

त्वरित समाधान के लिए विभागों को भेजी गई शिकायतें

एनडीएमसी के सुविधा शिविर में आईं 80 जन-शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने शनिवार को जय सिंह रोड स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में मासिक सुविधा शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 80 जन-शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन्हें संबंधित विभागों द्वारा तत्काल संज्ञान में लेकर उनके समाधान की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई।

प्राप्त शिकायतों में अधिकांश मामले कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, उद्यान, जन स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर एवं संपदा विभागों से संबंधित थे। शिकायतों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में नागरिकों ने एनडीएमसी द्वारा संचालित विभिन्न नागरिक सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन एवं आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की। सुविधा शिविर की प्रमुख विशेषता नागरिकों एवं विभागीय अधिकारियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद रही, जिससे नागरिकों की समस्याओं को तुरंत समझने और उनके समाधान की प्रक्रिया में तेजी लाने में सहायता मिली। जिन मामलों में नीतिगत स्तर पर विचार की आवश्यकता थी, उनका भी परीक्षण किया गया तथा संबंधित नागरिकों को निर्धारित प्रक्रिया एवं शिकायतों के समाधान की संभावित समय-सीमा से अवगत कराया गया। सुविधा शिविर में 30 विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और समन्वित एवं समयबद्ध शिकायत निवारण सुनिश्चित किया। सभी सहायता काउंटरों की व्यक्तिगत निगरानी संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा की गई। गौरतलब है कि एनडीएमसी अपने जन सुविधा पोर्टल को और अधिक सशक्त बना रही है। इसके माध्यम से नागरिक एवं सेवा उपभोक्ता अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं और शिकायत के समाधान के उपरांत अपनी प्रतिक्रिया भी दर्ज कर सकते हैं।

निगमायुक्त ने किया सदर बाजार क्षेत्र का निरीक्षण, जलभराव से निपटने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खिरवार ने शनिवार को सदर बाजार व इससे जुड़े अन्य क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया। आयुक्त ने सदर बाजार व कुतुब रोड, तेलीवाड़ा अखाड़ा क्षेत्र में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए मौके पर ही सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। आयुक्त खिरवार ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि यहां भविष्य में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। इस मौके पर स्थानीय पार्षद एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष उषा शर्मा, उपायुक्त कुनिका, निगम के वरिष्ठ अधिकारी,

दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली मेट्रो तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। निगम अनुसार निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने जल निकासी व्यवस्था का गहनता से अवलोकन किया। जबकि उपायुक्त कुनिका ने बताया कि पूर्व में मुख्य मैनहोल में प्लास्टिक एवं पॉलीथिन फंस जाने के कारण जल निकासी बाधित हो जाती थी। इस समस्या के समाधान के लिए मैनहोल को जाली (ग्रिल) से ढकने की व्यवस्था की गई है, जिससे कचरा भीतर न जा सके और पानी का प्रवाह निरंतर बना रहे। आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्राथमिकता इस बात की होनी चाहिए कि जलभराव की स्थिति उत्पन्न ही न होने पाए। यदि किसी कारणवश ऐसी स्थिति बनती भी है तो तत्काल एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए।

सफाई कर्मियों और सुरक्षा गार्डों के हक की लड़ाई अब हाईकोर्ट में पहुंचेगी: गहलोत

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत हजारों सफाई कर्मियों एवं सुरक्षा गार्डों की लंबित वेतन एवं श्रमिक अधिकारों की समस्याओं को लेकर अब कानूनी लड़ाई तेज होने जा रही है। दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व चेयरमैन संजय गहलोत ने शनिवार को यह जानकादी देते हुए बताया कि 'प्रबल सफाई सैनिक व गाड्र्स यूनियन (रजि.)' ने कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है। यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष पूनम सिंह द्वारा आरोप लगाया गया है कि विभिन्न सरकारी स्कूलों में तैनात आउटसोर्स सफाई कर्मियों एवं गार्डों को कई महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। कर्मियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई कर्मियों ने यह भी शिकायत की है कि उन्हें निर्धारित वेतनमान एवं श्रम कानूनों के अनुसार मिलने वाले लाभों से वंचित रखा जा रहा है। दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व चेयरमैन संजय गहलोत ने बताया कि आयोग की तरफ से पिछले 5-6 वर्षों तक लगातार प्रयास करके कर्मियों को वेतन दिलाया जाता रहा और उनकी नियुक्ति सुनिश्चित की गई परन्तु फिर भी हर महीने सम्बंधित ठेकेदार अपनी हठधर्मी के चलते ढाक के तीन पात वाली कहानी चरितार्थ कर रहे है अब यूनियन के पदाधिकारियों के माध्यम से यह संकल्प किया गया है कि यह लड़ाई केवल सफाई कर्मियों और गार्डों के वेतन की नहीं बल्कि हजारों मेहनतकश कर्मियों के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है।

हमारी लंबित मांगों को जल्द पूरा करे दिल्ली सरकार : डीटीसी अस्थाई कर्मचारी

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के अस्थाई कर्मचारियों ने शनिवार को मांग की है कि उनकी लंबित मांगों को दिल्ली सरकार जल्द से जल्द पूरा करे। डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी ने कहा कि उन्होंने 20 जून 2026 को दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने मुलाकात कर अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन उनके सम्मुख रखा था। इस ज्ञापन में उन्होंने मांग की थी कि डीटीसी के सभी अस्थाई कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से स्थायी किया जाए। जब तक अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई नहीं किया जाता तब तक सभी अस्थाई कर्मचारियों के लिए बेसिक डीए ग्रेड पे लागू कर दिया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि विभाग द्वारा बेसिक डीए, ग्रेड पे से संबंधित फाइल पर वित्त विभाग, डीटीसी बोर्ड के चेयरमैन द्वारा अप्रूवल दिया जा चुका है। लेकिन फिर इसे लागू नहीं किया जा रहा है। इसे जल्द लागू किया जाए। वहीं ज्ञापन में मांग की गई कि डीटीसी में लंबे समय से विकलांग कोटे और अनुकंपा के आधार पर भर्ती किए गए कर्मचारियों को अस्थायी नियुक्त पर रखा गया है जो कि अमानवीय और अंसैवाधिक है। ऐसे कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से स्थाई किया जाए। वहीं ललित ने शनिवार को कहा कि अस्थाई कर्मचारियों से जबरदस्ती डबल ड्यूटी कराई जा रही है।

सीवर जाम की समस्या से लोग परेशान

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मीनगर विधानसभा के मंडावली इलाके में सीवर जाम की समस्या से लोग परेशान है। यहां की गलियों में आए दिन सीवर जाम की समस्या रहती है। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद भी सीवर जाम की समस्या हल नहीं हो रही है। ताजा मामले की बात करें तो कृष्णापुरी की गली नंबर 3 में आए दिन सीवर जाम हो जाता है और सड़क पर पानी भर जाता है। इसकी शिकायत जल बोर्ड में की जाती है लेकिन उस पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। स्थानीय निवासी राजेश ने बताया कि उन्होंने खुद कई बार सीवर जाम की शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने मांग की है कि जल्द से जल्द यहां की सीवर की समस्या को दुरुस्त किया जाए।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

15 अक्टूबर तक साफ होगी भलस्वा लैंडफिल साइट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में भलस्वा लैंडफिल साइट जो कभी पहाड़ की तरह दिखती थी, अब लगभग समतल होने के करीब पहुंच चुकी है। इस साइट का नामोनिशान मिटाने में जुटी केंद्र से लेकर दिल्ली सरकार व नगर निगम मिलकर कार्य कर रही है।

इसी कड़ी में शनिवार को एक बार फिर केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने भलस्वा डंप साइट का निरीक्षण किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री के अलावा निगमायुक्त संजीव खिरवार, डीडीए तथा अन्य के आला अधिकारी मौजूद थे। आयुक्त खिरवार ने डंप साइट से संबंधित

पूरी जानकारी केंद्रीय मंत्री को दी। जिस पर मंत्री मनोहर लाल ने आयुक्त को कुछ नए दिशा निर्देश जारी करते हुए बचे हुए कूड़े को 15 अक्टूबर 2026 तक हटाने का लक्ष्य रखा। जबकि आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान मंत्री को बताया की 31 जुलाई 2026 तक भलस्वा डंप साइट से कुल 99.07 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे का निस्तारण सफलतापूर्वक कर दिया गया है। जबकि शेष कचरे के ढेर को 15 अक्टूबर 2026 तक हटाये जाने की पूरी पूरी उम्मीद है। आयुक्त ने बताया कि इसी मार्च 2026 से अब तक जमा कचरे को भी 31 दिसंबर 2026 तक हटाने का लक्ष्य रखा है, जिसे हासिल कर लिया जाएगा। मंत्री मनोहर लाल ने एमसीडी को निर्देश दिया कि लैंडफिल साइट पर आने वाले ताजे कचरे की प्रोसेसिंग के लिए हाल ही में सौंपे गए कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि कचरे के निस्तारण की गति और बढ़ सके। साथ ही, आने वाले कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन बिना किसी देरी के सुनिश्चित किया जा सके। यह निरीक्षण इस तथ्य को रेखांकित करता है कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय पुराने कचरे को निर्धारित समय-सीमा के भीतर हटाने और भलस्वा डंप साइट को पूरी तरह से साफ करने को निरंतर प्राथमिकता दे रहा है। बता दें कि 17 सितंबर 2025 को मनोहर लाल ने पहली बार भलस्वा लैंडफिल साइट को निरीक्षण किया था और इस पुराने कूड़े के पहाड़ के निस्तारण की निगरानी की जिम्मेदारी व्यक्तिगत रूप से ली थी। वहीं 28 मई 2026 को मनोहर लाल ने दूसरी बार यहां का दौरा किया और बायो-माइनिंग कार्यों का जायजा लेते हुए सितंबर-अक्टूबर तक कूड़े के निस्तारण का लक्ष्य रखा। जबकि तीसरी बार मनोहर लाल आज यानी 1 अगस्त 2026 को भलस्वा लैंडफिल साइट का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

डीयू में परास्नातक पाठ्यक्रमों की सीटों में दोगुनी बढ़ोतरी: एबीवीपी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दिल्ली के सतत, संघर्ष और छात्रहित में किए गए आंदोलन का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। एबीवीपी के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि डीयू ने 1 वर्षीय परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीटों की संख्या दोगुनी करने का छात्रहित में सकारात्मक निर्णय लिया है। एबीवीपी के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कि एबीवीपी के आंदोलन के बाद डीयू में एक वर्षीय परास्नातक कोर्स में सीटों को बढ़ाया जाना छात्र समुदाय की बड़ी जीत है। स्थापना काल से ही एबीवीपी ठीक करेंगे तीन काम - प्रवेश, परीक्षा और परिणाम के ध्येय से काम करती है। डीयू के इस फैसले से योग्य छात्रों को उच्च शिक्षा में सहायता मिलेगी। गौरतलब है कि 17 जुलाई को एबीवीपी ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे को लेकर डीयू प्रशासन के समक्ष विशाल प्रदर्शन कर छात्रों की मांग को मजबूती से उठाया था।

खबर संक्षेप

अवैध देसी कट्टा सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त अपराध राजेश कुमार मोहन के नेतृत्व में फरीदाबाद पुलिस की

अपराध शाखाओं द्वारा अवैध हथियारों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। 31 जुलाई को क्राइम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने अवैध हथियार रखने एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अवैध हथियार लेकर नजदीक पल्ला पुल क्षेत्र में मौजूद है।

दोस्त ने सीने में घोंपा पेचकस, फेफड़ा फटा

फरीदाबाद। आठ साल पुरानी दोस्ती एक मामूली बात पर खून-खराबे में बदल गई। होटल से खाना

लाने से इनकार करने पर एक युवक ने अपने दोस्त की छाती में पेचकस घोंप दिया। वार इतना गहरा था कि पेचकस फेफड़े तक पहुंच गया और उसमें छेद हो गया। गंभीर हालत में घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

ठगी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। ऑनलाइन टास्क के नाम पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर 25.80 लाख की साइबर ठगी करने

वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस के साइबर थाना बल्लभगढ़ ने मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिपेंद्र निवासी जिला भरतपुर राजस्थान के रूप में हुई है। जहां उससे गिरोह के अन्य सदस्यों, बैंक खातों तथा ठगी की रकम के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है।

हरनंदीपुरम योजना को लगेंगे पंख: 943.37 करोड़ की अवशेष सीड कैपिटल स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

आधुनिक समेकित टाउनशिप के विकास का मार्ग हुआ और प्रशस्त

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की महत्वाकांक्षी हरनंदीपुरम योजना को उत्तर प्रदेश सरकार से एक महत्वपूर्ण वित्तीय संबल प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तार/नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 943.37 करोड़ की अवशेष सीड कैपिटल स्वीकृत की गई है। जिससे योजना के भूमि अर्जन एवं आधारभूत विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। यह स्वीकृति शासन द्वारा दिनांक 31 जुलाई, 2026 को जारी आदेश के माध्यम से प्रदान की गई है। इसके बाद इस अत्याधुनिक योजना को पूरी तरह से पंख लग जाएंगे। जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने बताया कि हरनंदीपुरम योजना गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की अब तक की सबसे बड़ी और दूरदर्शी आवासीय टाउनशिप परियोजनाओं में से एक है।

यह परियोजना लगभग 501 हेक्टेयर क्षेत्रफल में आठ गांवों मथुरापुर, शमशेर, चम्पतनगर, भनेड़ा खुर्द, नगला फिरोज मोहनपुर, भोवापुर, शाहपुर निज मोर्टा एवं मोर्टा में विकसित की जा रही है। परियोजना का प्रथम चरण लगभग 48 हेक्टेयर भूमि पर प्रारंभ किए जाने की तैयारी है। इस परियोजना का उद्देश्य केवल आवास उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि एक आधुनिक, सुव्यवस्थित, हरित एवं सतत शहरी विकास मॉडल स्थापित करना है। योजना में गुणवत्तापूर्ण सड़क नेटवर्क, जलापूर्ति, सीवरेज, विद्युत, वर्षा जल संचयन, हरित क्षेत्र, सामाजिक एवं सामुदायिक सुविधाओं सहित आधुनिक नगरीय अवसंरचना विकसित की जाएगी। शासनादेश में भी पर्यावरण संरक्षण, भू-जल संवर्धन, तकनीकी स्वीकृतियों, गुणवत्ता नियंत्रण तथा सभी वैधानिक अनुमतियों का पालन सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। शासन द्वारा स्वीकृत धनराशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप ही किया जाएगा तथा परियोजना की प्रत्येक गतिविधि वित्तीय एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप संपादित की जाएगी। इसके साथ ही भूमि अर्जन की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता एवं प्रचलित विधिक प्रावधानों के अनुसार सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरनंदीपुरम योजना दिल्ली-एनसीआर के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में एक विश्वस्तरीय एकीकृत टाउनशिप के रूप में विकसित की जा रही है। राजनगर एक्सटेंशन के समीप स्थित यह परियोजना नमो भारत कॉरिडोर, मेट्रो, प्रमुख एक्सप्रेसवे तथा प्रस्तावित आउटर रिंग रोड जैसी उत्कृष्ट कनेक्टिविटी से लाभान्वित होगी, जिससे यह आवासीय एवं निवेश दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना बन रही है। शासन द्वारा प्रदान की गई यह वित्तीय स्वीकृति हरनंदीपुरम योजना के विकास कार्यों को नई गति प्रदान करेगी तथा भविष्य में यह परियोजना गाजियाबाद की पहचान एक सुनियोजित, आधुनिक और आत्मनिर्भर नगर विस्तार के रूप में स्थापित करेगी।

पुलिस आयुक्त ने गोष्ठी कर अधिकारियों को दिए निर्देश

सावन माह की कांवड़ यात्रा को लेकर फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह अलर्ट

सतेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा- करीब 2000 पुलिसकर्मी सुरक्षा, कानून व्यवस्था और यातायात प्रबंधन में रहेंगे तैनात
श्रद्धालु अपनी व वाहनों की जानकारी संबंधित थानों में उपलब्ध कराएं, ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर 21 सी में पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस आयुक्त ने सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने बताया कि डीसीपी ट्रैफिक जयवीर सिंह को कांवड़ यात्रा ड्यूटी का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं डीसीपी सेंट्रल, डीसीपी बल्लभगढ़ एवं डीसीपी एनआईटी अपने-अपने जोन में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की निगरानी करेंगे तथा सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में यात्रा के लिए निर्धारित तीन प्रमुख मार्गों की विशेष समीक्षा की गई। इनमें आगरा कैनाल मार्ग, बदरपुर बॉर्डर से बाईपास मार्ग तथा बदरपुर बॉर्डर से राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं। इन सभी मार्गों पर प्रभावी नाकाबंदी, नियमित गश्त तथा अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि आगरा कैनाल के साथ लगने वाले मार्ग पर श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रहेगी, इसलिए इस मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बलए ट्रैफिक कर्मचारी एवं आपातकालीन संसाधन उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस तथा क्रेन की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान की जा सके। साथ ही सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गएए जिससे किसी भी अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। पुलिस आयुक्त ने सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र के कांवड़ शिविर संचालकों से लगातार समन्वय बनाए रखें तथा शिविरों की सुरक्षा व्यवस्था का नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कांवड़ शिविर में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं तथा पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात रहे। शिविर मुख्य मार्ग से 50 फीट की दूरी पर स्थापित किए जाएं, ताकि कोई अप्रिय घटना घटित ना हो। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि यात्रा मार्ग पर सड़को की मरम्मत, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, लाइनिंग, रस्सी एवं मिट्टी के कट्टों के माध्यम से सुरक्षित मार्ग तैयार किया जाए। जहां आवश्यकता हो वहां आपातकालीन डायवर्जन की व्यवस्था भी पहले से सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त यात्रा मार्ग पर आने वाले सभी प्रमुख कट एवं चौराहों पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण, अवैध पार्किंग, नीचे लटके बिजली के तार अथवा अन्य अवरोध न रहें। उन्होंने परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रांसपोर्ट यूनियनों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी थाना स्तर पर कांवड़ यात्रियों का आवश्यक विवरण उपलब्ध रखा जाए तथा श्रद्धालुओं को अपने साथ पहचान पत्र रखने के लिए जागरूक किया जाए। इसके साथ ही साथ लगते राज्य व जिला पुलिस से समन्वय में स्थापित किया जाए । पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी तथा अपने वाहनों की जानकारी संबंधित थाना पुलिस को उपलब्ध कराएं। डाक कांवड़, झांकियों एवं वाहनों की ऊंचाई 10 फीट से अधिक न रखें तथा सभी श्रद्धालु यातायात नियमों का पालन करें। उन्होंने नागरिकों से फरीदाबाद पुलिस द्वारा जारी ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करने की भी अपील की। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान करीब 2000 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी विभिन्न स्थानों पर तैनात रहेंगे। इनमें ट्रैफिक पुलिस, क्राइम ब्रांच, स्वाट टीम, महिला पुलिस बल तथा स्थानीय थाना पुलिस शामिल रहेगी।

उद्देश्य रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना

गुरुग्राम विश्वविद्यालय और जीआईए के बीच करार, विद्यार्थियों को मिलेंगे उद्योग जगत से जुड़ने के नए अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

गुरुग्राम विश्वविद्यालय और गुरुग्राम इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (जीआईए) ने शिक्षा और उद्योग जगत के बीच मजबूत समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना, नवाचार को बढ़ावा देना और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

एमओयू के तहत विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, औद्योगिक भ्रमण, लाइव प्रोजेक्ट, उद्योग विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, प्लेसमेंट और कौशल विकास कार्यक्रमों का लाभ मिलेगा। वहीं विश्वविद्यालय के शिक्षकों को भी उद्योग विशेषज्ञों के साथ संयुक्त अनुसंधान, ज्ञान-साझाकरण और संवाद के अवसर प्राप्त होंगे। इस सहयोग से विश्वविद्यालय में स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना तथा एक्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम को उद्योगों के सहयोग से और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। जीआईए की अनुशंसा पर कंपनी प्रायोजित एक्जीक्यूटिव एमबीए में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों को ट्यूशन फीस में 30 प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जाएगी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय कौशिक ने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक है जब वह उद्योग और वास्तविक जीवन से जुड़कर विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करे। उन्होंने विश्वास जताया कि यह साझेदारी विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए अधिक सक्षम बनाएगी। जीआईए के अध्यक्ष सुमित राव ने कहा कि उद्योग और शिक्षा जगत के सहयोग से ही भविष्य की कुशल कार्यशक्ति तैयार की जा सकती है। यह पहल विद्यार्थियों को वास्तविक औद्योगिक वातावरण में सीखने का अवसर देगी और उद्योगों को योग्य प्रतिभाओं से जोड़ने का प्रभावी मंच प्रदान करेगी।

एमओयू पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजय अरोड़ा और जीआईए के अध्यक्ष सुमित राव ने कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय कौशिक की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। समारोह में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, जीआईए पदाधिकारी और शहर के प्रमुख उद्योगपति भी मौजूद रहे।

भारतीय खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ा

कॉमनवेल्थ गेम्स महिला 48 किलो भार वर्ग में अस्मिता डे द्वारा स्वर्ण पदक जीतने पर यूपी डीजी कृष्णा ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिला 48 किलोग्राम भार वर्ग की जूडो स्पर्धा में जनपद गाजियाबाद में नियुक्त, उत्तर प्रदेश पुलिस की उपनिरीक्षक अस्मिता डे द्वारा स्वर्ण पदक अर्जित किए जाने पर उत्तर प्रदेश के डीजी राजीव कृष्णा ने बधाई दी है। डीजी ने कहा है कि स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की महिला 48 किलोग्राम भार वर्ग की जूडो स्पर्धाꠀ में गाजियाबाद में नियुक्त उपनिरीक्षक अस्मिता डे द्वारा स्वर्ण पदक अर्जित करना उत्तर प्रदेश पुलिस, उत्तर प्रदेश तथा समस्त देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

कॉमनवेल्थ खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय जूडो खिलाड़ी बनकर उन्होंने भारतीय खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा है। उनकी यह उपलब्धि अनुशासन, दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम एवं उत्कृष्टता जैसे उन मूल्यों का सशक्त प्रतीक है, जो एक उत्कृष्ट खिलाड़ी और एक समर्पित पुलिस अधिकारी दोनों की पहचान हैं। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस दूरदर्शी विजन को भी साकार करती है, जिसके अंतर्गत खेल प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहन दिया गया है तथा उत्कृष्ट खिलाड़ियों को खेल कोटे के माध्यम से उत्तर प्रदेश पुलिस में सेवा का अवसर प्रदान किया गया है।

सीडीओ ने किया निरीक्षण

गो-आश्रय स्थल तलहेटा को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रशासन की पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

विकासखंड भोजपुर तहसील मोदीनगर स्थित वृहद गो-संरक्षण केंद्र, तलहेटा को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ के निर्देशन में एक संयुक्त टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण किया ।

निरीक्षण के दौरान गो-आश्रय स्थल की वर्तमान व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया तथा गोवंश के लिए हरे चारे के उत्पादन की संभावनाओं के दृष्टिगत ग्राम पंचायत तल्हेटा के खसरा संख्या 175, 669, 377, 481 एवं 489 से संबंधित भूमि अभिलेखों का परीक्षण किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार मोदीनगर, संबंधित लेखपाल, पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, संबंधित एनजीओ के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सभी की उपस्थिति में भूमि की उपलब्धता एवं उसके उपयोग के संबंध में आवश्यक निरीक्षण एवं अभिलेखों का सत्यापन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने निर्देश दिए कि भूमि का चिन्हांकन पूर्ण होते ही गो-आश्रय स्थल के लिए हरे चारे के उत्पादन की कार्यवाही प्रारंभ कराई जाए। साथ ही गोवंश के समुचित रखरखाव एवं गो-आश्रय स्थल को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आवश्यक अतिरिक्त शेडों के निर्माण का कार्य भी शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा।

मनी लॉन्ड्रिंग में ईडी की रहेजा डेवलपर्स पर बड़ी कार्रवाई

782.36 करोड़ रुपए सहित अब तक कुल 2,399.63 करोड़ की अचल संपत्तियां कुर्क

धर्मेंद्र कौशिक ▶▶ गुरुग्राम

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए रियल एस्टेट कंपनी रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड की 782.36 करोड़ रुपए मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थाई रूप से कुर्क कर लिया है।

इस कार्रवाई के बाद मामले में अब तक कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य बढ़कर 2,399.65 करोड़ रुपए पहुंच गया है। इसे देश में होमबायर्स के धन के कथित दुरुपयोग से जुड़े सबसे बड़े मामलों में से एक माना जा रहा है। ईडी की दिल्ली जोनल कार्यालय ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की है। जांच रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड, उसके निदेशक नवीन एम. रहेजा और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ चल रही है। यह जांच आर्थिक अपराध शाखा में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई, जिन्हें विभिन्न आवासीय परियोजनाओं में निवेश करने वाले होमबायर्स ने दर्ज कराया था। जांच एजेंसी के मुताबिक, कंपनी ने अपनी विभिन्न हाउसिंग परियोजनाओं के लिए करीब 4,600 खरीदारों से लगभग 2,425.99 करोड़ रुपए जुटाए थे। आरोप है कि परियोजनाओं के निर्माण और उन्हें समय पर पूरा करने के बजाय इस राशि का बड़ा हिस्सा अन्य कार्यों में इस्तेमाल किया गया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **बलबीर सिंह पुत्रः** विक्रम सिंह **पताः** पुराना नंबर 1002, नया नंबर 896 सेक्टर 9, पुराना विजय नगर, गाजियाबाद सिटी यूपी – 201009 ने **CC No. 1911/24, U/s 138 NI Act थानाः राजिंदर नगर, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बलबीर सिंह** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बलबीर सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 1911/24, U/s 138 NI Act थानाः राजिंदर नगर, दिल्ली**, के उक्त अभियुक्त **बलबीर सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अर्जुन किरार
एल.डी. जेएमएफसी–05 एनआई एक्ट
सेंट्रल, सीबीए–1, कमरा नंबर 02
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/10558/CD/2026
(Court Matter)

घटना से आहत शर्मा की तबीयत बिगड़ गई थी

एक्सईन डालचंद शर्मा के साथ पार्षद द्वारा कथित दुर्व्यवहार के विरोध में 3 अगस्त को नगर निगम का कामकाज रहेगा बंद

दोषी पार्षद की गिरफ्तारी तक नगर निगम में सफाई, सीवर, जलापूर्ति, इंजीनियरिंग व कार्यालय सहित सभी सेवाएं रहेंगी ठप, निगम आयुक्त व मेयर का होगा घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नगर निगम बल्लभगढ़ जोन के एक्सईन डालचंद शर्मा के साथ पार्षद दीपक यादव द्वारा कथित रूप से सरकारी कार्य में बाधा डालने, सरकारी वाहन की चाबी छीनने, अभद्र व्यवहार करने तथा सरकारी कार्यालय पर ताला लगाने की घटना के विरोध में कर्मचारियों का आंदोलन तेज हो गया है।

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा एवं म्युनिसिपल कॉरपोरेशन फेडरेशन फरीदाबाद ने सोमवार 3 अगस्त से नगर निगम की सभी सेवाएं बंद करने का ऐलान किया है। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने बताया कि दोषी पार्षद एवं उसके साथियों की गिरफ्तारी होने तक नगर निगम की सफाई, सीवर, जलापूर्ति, इंजीनियरिंग, कार्यालय तथा अन्य सभी विभागों एवं निजी एजेंसियों के माध्यम से संचालित सेवाएं पूर्ण रूप से बंद रहेंगी। इस दौरान निगम आयुक्त एवं मेयर का घेराव भी किया जाएगा। यह निर्णय नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री की अध्यक्षता में आयोजित संयुक्त बैठक में लिया गया। बैठक में म्युनिसिपल कॉरपोरेशन फेडरेशन के प्रधान रमेश जागलान, कार्यालय प्रधान नरेश बैसला, साबिर खान, नगरपालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान दिलीप सिंह, जिला सचिव अनिल चिंडालिया, सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलबीर सिंह बालगुहेर, सचिव महेंद्र कुड़िया, सेनिटेशन यूनियन के प्रधान राहुल चिंडालिया, इंजीनियरिंग विभाग के प्रधान वीर सिंह तेवतिया, सचिव अजय शास्त्री, एचकेआरएनएल क्लेरिकल यूनियन के प्रधान रंजीत शुक्ला, ड्राइवर यूनियन के प्रधान परशुराम, महेश फोगाट, बेलदार यूनियन के प्रधान देवकीनंदन, वाटर सप्लाई यूनियन के प्रधान देवीचरण शर्मा सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया। उधर नगर निगम मुख्यालय पर दोषी पार्षद की गिरफ्तारी की मांग को लेकर चौथे दिन भी धरना जारी रहा। धरने की अध्यक्षता रिटायर्ड कर्मचारी नेता शब्बीर खान एवं नगरपालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान दिलीप सिंह ने की। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया कि घटना से आहत एक्सइन डालचंद शर्मा की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

जिला तैराकी चैंपियनशिप में प्रतिभाओं ने दिखाया दम

खेल ही बनाते हैं अनुशासित और सफल व्यक्तित्वः आलोक मित्तल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सेक्टर-93 स्थित सेंक्टा मरिया इंटरनेशनल स्कूल में जिला तैराकी संघ फरीदाबाद के तत्वावधान में जिला तैराकी चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों और संस्थानों के प्रतिभाशाली तैराकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईपीएस अधिकारी आलोक मित्तल ने किया। इस अवसर पर जिला तैराकी संघ के प्रधान मनमोहन गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष पराग गुप्ता सहित खेल प्रेमी, अभिभावक और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि आईपीएस आलोक मित्तल ने खिलाड़ियो को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दौर प्रतिस्पर्धा का दौर है और खेल जीवन को सही दिशा देने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। वे केवल पदक ही नहीं जीतते बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और संघर्ष करने का जज़्बा भी सीखते हैं। खेल युवाओं को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी सशक्त बनाते हैं। हर खिलाड़ी को जीत और हार से ऊपर उठकर पूरे समर्पण और ईमानदारी के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत-490001

Great Place To Work. Certified

ईओआई क्रमांक : IOC-DRM/EOI/Wagon Loading/2026-27 दिनांक : 01.08.2026

ईओआई सूचना (EOI NOTICE)

दल्ली एवं राजहरा साइडिंग्स, दल्ली-राजहरा लौह अयस्क खदान, भिलाई इस्पात संयंत्र में रेलवे वैगन लोडिंग कार्य हेतु ठेकेदार की नियुक्ति के लिए अभिरुचि अभिव्यक्ति आमंत्रण।

ईओआई दस्तावेज़ सेल की वेबसाइट www.sailtenders.co.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

1. ईओआई प्रस्तुत करने की समय-सारणी
क) दस्तावेज़ डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : 31.08.2026 (दोपहर 01:00 बजे तक)
ख) भरे हुए दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 31.08.2026 (दोपहर 01:30 बजे तक)
ग) प्री-बिड बैठक : 10.08.2026 (प्रातः 11:00 बजे)
घ) प्री-बिड बैठक का स्थान : मुख्य महाप्रबंधक (खदान-आईओसी) कार्यालय, दल्ली-राजहरा, जिला बालोद, छत्तीसगढ़ – 491228

2. किसी भी प्रकार की जानकारी / स्पष्टीकरण हेतु निम्नलिखित अधिकारियों से संपर्क करें :
(क) उप महाप्रबंधक (टी एंड डी) श्री वी. के. सिंह, दल्ली मैकेनिकल माइंस
(संपर्क नं. : 9407982944, ई-मेल : vksingh6@sail.in)
(ख) सहायक महाप्रबंधक (टी एंड डी) श्री पी. के. रामटेके, राजहरा मैकेनिकल माइंस
(संपर्क नं. : 9407984111, ई-मेल : pramteke@sail.in)

विज्ञापन क्र.-बीएसपी-05 / 26-27 / दिनांक : 01/08/2026

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : 127109DL1973G01006454.Website: www.sail.co.in

हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

खबर संक्षेप

बांकीपुर रिजल्ट से पहले चुनाव आयोग पहुंचे पीके

पटना। बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के नतीजे आने से पहले जन सुराज पार्टी के

संस्थापक एवं प्रत्याशी प्रशांत किशोर एक बार फिर चुनाव आयोग पहुंच गए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से पटना के सीनियर पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा की शिकायत की है। आरोप लगाया कि एसएसपी ने अपने अधीनस्थ पुलिस अफसरों के साथ बांकीपुर में मतदान और चुनाव को प्रभावित किया।

विजिलेंस ने 7.5 लाख की घूस लेते दबोचा

लखनऊ। विजिलेंस ने कार्रवाई करते हुए एलडीए के अवर अभियंता, एक सुपरवाइजर, एक

निजी व्यक्ति को 7.50 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सतर्कता अधिष्ठान के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि एलडीए के अवर अभियंता दिनेश वर्मा निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचे और निर्माण कार्य रुकवाने की चेतावनी दी।

रांची में बनेंगे 5 फ्लाईओवर और एक 6 लेन सड़क

रांची। हेमंत सरकार ने हाल के दिनों में करीब 9 सड़क व फ्लाईओवर परियोजनाओं को

मंजूरी दी है, अगले 6 माह के भीतर काम शुरू होने है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से रांची, बोकारो, गिरिडीह पाकुड़ में यातायात बेहतर होगी। सीएम के निर्देश पर पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव ने काम शुरू करने और तय समय में पूरा करने लक्ष्य तय किया है।

यूपी की देसी गायों के जरिए विदेशों तक फैला कारोबार, मिल रहा रोजगार

अमेरिका, जापान समेत कई देशों के नागरिकों को उपलब्ध कराए जा रहे दूध से बने उत्पाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से बड़े उद्यमी, इंजीनियर, सामाजिक संस्थाएं व अन्य लोग भी गो संरक्षण के क्षेत्र में उतर कर देसी गायों पर आधारित उत्पादों के जरिए नई आर्थिक संभावनाएं तैयार कर रहे हैं...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गो संरक्षण नीति ने उत्तर प्रदेश में गो सेवा को रोजगार और उद्यमिता के नए मॉडल में बदल दिया है। यह व्यवस्था अब स्वरोजगार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और करोड़ों के कारोबार का मजबूत आधार बन रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से बड़े उद्यमी, इंजीनियर, सामाजिक संस्थाएं व अन्य लोग भी गो संरक्षण के क्षेत्र में उतर कर देसी गायों पर आधारित उत्पादों के जरिए नई आर्थिक संभावनाएं तैयार कर रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में गो सेवा के साथ रोजगार का नया रास्ता खुला है। प्रदेश में देसी गायों के पंचगव्य, आयुर्वेदिक औषधियों, जैविक उत्पादों व पारंपरिक खाद्य सामग्री की मांग बढ़ी है। इन उत्पादों का बाजार अब केवल अपने प्रदेश या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, दुबई और यूरोप के कई देशों तक फैल चुका है।

योगी सरकार की गो संरक्षण नीति से निकला गो सेवा के साथ रोजगार का नया रास्ता

योगी सरकार की नीति से बदली तस्वीर

यूपी में गो संरक्षण को लेकर सरकार की नीति ने तस्वीर बदल दी है। गोवंश संरक्षण को जैविक खेती, स्वरोजगार, महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण उद्योग और स्वदेशी उत्पादों से जोड़ने का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। देसी नस्ल की गायों पर आधारित मॉडल में दूध, घी, गोमूत्र अर्क, पंचगव्य औषधियां, जैविक खाद, हर्बल उत्पाद और अन्य वैल्यू एडेड वस्तुओं के उत्पादन को बढ़ावा मिला है। इससे गोशालाएं केवल आश्रय स्थल नहीं रहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधि के केंद्र के रूप में भी उभर रही हैं। बदलती उपभोक्ता पसंद और प्राकृतिक उत्पादों की मांग ने इस क्षेत्र को नई ताकत दी है। ए2 दूध, बिलौना घी और पंचगव्य आधारित उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता ने उद्यमियों को आकर्षित किया है। कई संस्थाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंच बन रही है। इससे उत्तर प्रदेश के गो आधारित उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने लगे हैं।

8 जुलाई को वाराणसी से बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए योजना का शुभारंभ हुआ था

यूपी में शिक्षकों के कैशलेस इलाज की योजना ने पकड़ी रफ्तार, 22 दिन में 42% ई-केवाईसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना तेजी से लागू हो रही है। बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभागों के लाखों शिक्षकों व कर्मचारियों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है, जिससे उन्हें सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार मिलेगा...

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को नई मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के क्रियान्वयन में रिकॉर्ड गति हासिल की है। 8 जुलाई को वाराणसी से बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए योजना के शुभारंभ के मात्र 22 दिनों में लगभग 42 प्रतिशत पात्र शिक्षक-कार्मिकों की ई-केवाईसी पूरी कर ली गई है। इसी क्रम में 26 जुलाई को आगरा से उच्च शिक्षा विभाग के लिए योजना शुरू होने के मात्र चार दिनों में ही लगभग 47 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है। ई-केवाईसी पूर्ण होने के बाद लाभार्थियों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी।

खास बातें

- शासन स्तर पर की जा रही सतत निगरानी
- योजना से जोड़ने की दिशा में तेजी

वाराणसी से सीएम योगी ने की थी शुरुआत

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सीएम योगी ने शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। योजना का प्रारूप, पोर्टल, सूचीबद्ध अस्पतालों की व्यवस्था तथा अन्य विभागीय तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी कीं। घोषणा के मात्र 138 दिनों के भीतर 8 जुलाई को वाराणसी से मुख्यमंत्री ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ कर दिया।

12,89,018 पात्र में से 5,40,878 शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी जुड़े

तीनों शिक्षा विभागों के कुल 12,89,018 पात्र शिक्षक-कार्मिकों में से 5,40,878 शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और उनके आश्रित ई-केवाईसी पूरी कर मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना से जुड़ चुके हैं। योजना का उद्देश्य प्रदेश के शिक्षा परिवार को सुदृढ़ स्वास्थ्य सुरक्षा कवच उपलब्ध कराना है। सरकार इसे मिशन मोड में लागू करते हुए कम समय में अधिकतम पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

मिशन मोड में चल रहा है अभियान

महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभाग व शासन स्तर पर निरंतर समीक्षा की जा रही है। सभी जिलों और शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक पात्र शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा उनके आश्रित की ई-केवाईसी समयबद्ध रूप से पूर्ण कराई जाए। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी पूर्ण होने पर लाभार्थियों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी।

बायोमीट्रिक सुपरवाइजर निकला मास्टरमाइंड

बिहार पुलिस परीक्षा पेपर लीक में 3 युवकों को भेजा जेल

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा आयोजित गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग के अधिनायक अनुदेशक (हवलदार अनुदेशक) परीक्षा के पेपर लीक कांड में तीन आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। इनमें पटना के बिक्रम का रहने वाला राज समदर्शी उर्फ राजा (25 वर्ष), हाजीपुर का अभिषेक कुमार (21 वर्ष) और वैशाली के नगर थाना निवासी 28 वर्षीय नितेश कुमार शामिल है। नितेश बायोमीट्रिक सुपरवाइजर के रूप में तैनात था, उसी ने आंसर मोबाइल पर भेजे थे। तीनों को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया था और फिर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ईओयू के मुताबिक बिहार पुलिस की परीक्षा के पेपर लीक से संबंधित हाजीपुर नगर थाना में कांड संख्या-368/2026 दर्ज है। इस केस में आरोपी राज समदर्शी को हाजीपुर स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परीक्षा केंद्र के पास से 29 जुलाई को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग की बात स्वीकार की।

एईडीओ परीक्षा में भी किया था खेल

राजा ने ईओयू को बताया कि अप्रैल 2026 में आयोजित एईडीओ परीक्षा में भी उसने धांधली की थी। बताया कि बिहार पुलिस की हवलदार अनुदेशक परीक्षा में बायोमीट्रिक सुपरवाइजर नितेश के माध्यम से प्रश्न पत्रों के उत्तर पहुंचाए थे।

पेज एक का शेष

जश्न-ए-आजादी पर ...

गौरवान्वित करेगा। बल्कि उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना को भी बढ़ाएगा। बताते चलें कि भारत वर्तमान समय में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। जिसकी वजह से पहले केंद्र सरकार ने 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस समारोह की थीम के लिए भी इसे ही चुना था।

मिलिट्री बैंड की होगी ...

दिल्ली में 8 से 15 अगस्त के दौरान लालकिला, कुतुब मीनार, कनॉट प्लेस (सीपी), राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) और इंडिया गेट शामिल हैं।

इसलिए नहीं होता था पूर्ण गायनः गौरतलब है कि पूर्व समय में देश के लोगों को वंदे मातरम के केवल 2 शुरुआती छंद गाने का ही कानूनी अधिकार मिला हुआ था। लेकिन अब केंद्र सरकार ने संसद में इस पर एक विधेयक पारित कर राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रगान की तरह ही कानूनी सुरक्षा प्रदान कर दी है। जिसके बाद वंदे मातरम के गाए जाने के दौरान उसमें बाधा डालना या किसी को इसे गाने से रोकना भी अपराध माना जाएगा। जिसके लिए 3 साल तक की जेल, कारावास या दोनों हो सकते हैं। अभी तक राष्ट्रगान के अपमान पर ही इस तरह की सजा होती थी।

1937 से गाए जा रहे सिर्फ 2 छंदः वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1875 में संस्कृत और बांग्ला की मिश्रित भाषा में की थी। इसके कुछ वर्षों के बाद इसे 1882 में चट्टोपाध्याय के प्रसिद्ध आनंदमठ उपन्यास में प्रकाशित किया गया। 1905 में बंगाल विभाजन के वक्त यह गीत अंग्रेजों के खिलाफ जन आंदोलन का बड़ा नारा बना। लेकिन बाद में धार्मिक संदर्भों पर विवाद से बचने के लिए कांग्रेस ने इसके शुरुआती दो छंद गाने की ही आधिकारिक मंजूरी प्रदान की थी। आजादी के बाद 24 जनवरी 1950 को डॉ.राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में इसे राष्ट्रगान यानी जन-गण-मन के समकक्ष सम्मान देते हुए राष्ट्रीय गीत घोषित किया था। भारत पर ब्रिटिश राज के दौरान वंदे मातरम का गायन सबसे पहले कांग्रेस के कोलकाता में हुए राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान रविंद्र नाथ टैगोर ने किया था।

गोल्ड से भरी झोली...

प्रवीण चित्रवेल सहित इन खिलाड़ियों ने जीता सिल्वर मेडल

सिल्वर मेडल की बात करें तो 1 जुलाई को प्रवीण चित्रवेल ने पुरुषों के ट्रिपल जंप में भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता। उसके बाद जादूमणि सिंह ने बॉक्सिंग में पुरुषों के 55 किग्रा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। शुभम जुयाल ने पैरा एथलेटिक्स में शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीता। वहीं लवलीना ने बॉक्सिंग में 75 किग्रा में सिल्वर मेडल जीत लिया है। बॉक्सिंग के आखिरी फाइनल में नरेंदर बेरवाल को सिल्वर मेडल मिला। वहीं उन्नति शर्मा ने जूडो में ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

अंकुश पांघल ने जीता गोल्ड मेडल

भारत के लिए बॉक्सिंग में दिन का आखिरी गोल्ड मेडल अंकुश पांघल ने जीता। अंकुश ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष 80 किग्रा के फाइनल में इंग्लैंड के डिमेजी शिट्टू को खंडित फैसले में 4-1 से हराया। यह भारत के लिए बॉक्सिंग में सातवां गोल्ड मेडल है। अंकुश से पहले सचिन ने पुरुष 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में नामीबिया के ट्राईगेन मॉर्निंग नदेवेलो को खंडित फैसले में 3-2 से हराया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

लवलीना बोरगोहेन ने महिला 75 किग्रा वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। लवलीना का फाइनल में सामना ऑस्ट्रेलिया की एम्मा सुई ग्रीनट्री से हुआ। एम्मा ने खंडित फैसले में लवलीना को 4-1 से हराया। यह मुकाबला बेहद ही रोमांचक रहा। वहीं उनसे पहले अरुंधति ने महिला 70 किग्रा वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड की चेंटेले रीड को एकतरफा अंदाज में सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता।

13 गोल्ड मेडल जीत चुका है भारत

बॉक्सिंग की शुरुआत प्रीति पवार ने महिला 54 किग्रा में गोल्ड मेडल जीता था। उसके बाद जैस्मिन लंबोरिया ने मुक्केबाजी की महिला 57 किग्रा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को आज के दिन का दूसरा गोल्ड मेडल दिलाया। वहीं दिन के अंत में भी भारतीय बॉक्सर्स ने कमाल करते हुए गोल्ड मेडल जीता है। भारत इस कॉमनवेल्थ में अब तक 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज मेडल सहित 38 मेडल जीत चुका है। भारत अंकतालिका में चौथे नंबर पर है।

प्रेरक कहानी : बिहार के गया से सोमन

धमाके से उड़ गए थे पैर के चीथड़े, जीत लिया मेडल

सोमन राणा ने अपने बेहतरीन थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। वे बिहार के गया के रहने वाले हैं। सोमन राणा की यह जीत उनके कभी न हार मानने वाले जज्बे की कहानी है। 2000 के दशक की शुरुआत में पांच साल तक नेशनल लेवल पर बॉक्सर रहे सोमन 2/8 गोरखा राइफल्स में सिपाही थे। साल 2006 में पुंछ इलाके में एक लैंडमाइन ब्लास्ट के धमाके में उन्होंने अपना दायां पैर गंवा दिया था। इसके बाद 2017 में जब वे नकली पैर लगवाने गए, तब से उन्होंने पैरा एथलेटिक्स की शुरुआत की और आज कॉमनवेल्थ गेम्स में देश का नाम रोशन कर दिया।

हरियाणा की दो...

और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड जीता है। जैस्मिन 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत के लिए खेल चुकी हैं और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।

भाजपा सांसद ...

की अनुमति नहीं है। विपक्ष ने सनातन संस्कृति का मजाक बनाया है जिसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन के नाम पर हिंदुओं की आस्था और सनातन संस्कृति का उपहास उड़ाया गया, संत समाज का परिहास किया गया। सांसद पप्पू यादव व अवधेश प्रसाद के साथ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूरी घटना की संरचना की थी। उन्होंने कहा कि शिकायत किसी सुनी-सुनाई बात पर नहीं बल्कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आडियो-वीडियो साक्ष्यों पर आधारित है, इसलिए पुलिस के पास प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू करने के पर्याप्त आधार मौजूद हैं। घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकार्डिंग, मीडिया कवरेज और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को तत्काल सुरक्षित करने की मांग की है। भाजपा विधायक अनिल शर्मा ने जोर देकर कहा कि ऐसी नौटंकी की कोई आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने इसे जानबूझकर किया गया कृत्य बताया। भाजपा विधायक करनैल सिंह ने भी इस मामले पर बयान दिया। उन्होंने मांग की कि विपक्षी सांसदों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। करनैल सिंह ने कहा कि उन्होंने सनातन धर्म को बदनाम करने का प्रयास किया है। भाजपा नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उनका मानना है कि यह केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी साजिश थी। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को आहत करना अस्वीकार्य है। बीजेपी इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है और दोषियों पर कार्रवाई चाहती है।

कमर्शियल एलपीजी ...

की गई नई कीमतों के मुताबिक देश की राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 202 रुपये की कटौती की गई है, वहीं कोलकाता में इसके दाम 209 रुपये तक कम हुए हैं। देश के अन्य महानगरों और राज्यों में भी कमर्शियल सिलेंडर के दाम इसी अनुपात में घटाए गए हैं। कमर्शियल सिलेंडर सस्ते होने के बाद आम लोगों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में भी कोई बदलाव हुआ है? आपको बता दें कि आम उपभोक्ताओं को फिलहाल ऐसी कोई राहत नहीं मिली है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की दरों को स्थिर रखा है, यानी घरेलू सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओं को पुरानी कीमतें ही चुकानी होंगी।

इंपैक्टः तो घटे जाएंगे दामः अब एक बड़ा सवाल यह भी उठता है कि क्या एलपीजी के दाम घटने से होटलों में खाद्य पदार्थों के दाम घट जाएंगे? कमर्शियल एलपीजी सस्ती होने से होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों के खर्च में कमी जरूर आएगी, लेकिन खाद्य पदार्थों के दाम तुरंत कम होने की उम्मीद काफी कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि खाने-पीने की चीजों की कीमतें केवल ईंधन पर निर्भर नहीं करतीं, बल्कि कच्चा माल जैसे सब्जियां, मसाले, तेल और लेबर कॉस्ट भी अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि, गैस के दाम घटने से खाने-पीने की चीजों में आगे होने वाली संभावित महंगाई पर ब्रेक जरूर लगेगा। और होटल मालिकों का मार्जिन बेहतर होगा।

संभल हिंसा पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट गलत

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क बोले- खटखटाएंगे हाई कोर्ट का दरवाजा

संभल। सपा के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि संभल हिंसा की जांच के लिए जो न्यायिक जांच आयोग गठित किया गया था। उसने एक साल पहले सरकार को वह रिपोर्ट सौंप दी थी।अब विधानसभा के मानसूत्र सत्र में उसकी रिपोर्ट पेश करने का मतलब है कि सरकार उस प्रकरण को भड़काकर चुनावी माहौल बनाना चाहती है। बोले, पता चला है कि जो रिपोर्ट पेश की जाएगी। वो, गलत है। इसलिए इस रिपोर्ट के खिलाफ हम हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। क्योंकि इस रिपोर्ट में हमारे ऊपर हुए जुल्म को नहीं दिखाया गया है।

- प्रकरण को भड़काकर चुनावी माहौल बनाना चाहती है सरकार

शनिवार को पीडब्लूडी के गेस्ट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद ने वंदे मातरम का विरोध करने के सवाल पर कहा कि इस राष्ट्रीय गीत में हमारे यानी मुस्लिम धर्म को तोड़ने वाले शब्द शामिल हैं। इसलिए इस गीत का विरोध है और रहेगा। उन्होंने कहा कि जन-गण-मन राष्ट्रगान है, उसे हमारे सहित सभी धर्मों के लोग गुनगुनाते हैं। सांसद ने रामपुर में जौहर विवि पर हो रही कार्रवाई को भी गलत ठहराया है।

फर्जी सत्यापन कराकर फर्जी पासपोर्ट जारी करने का मामला

22 खुलासों के बाद सिपाही गिरफ्तार, जांच आगे बढ़ाई

30 से अधिक संदिग्ध पासपोर्ट की भी जांच कर रहे हैं। आशंका है कि जांच आगे बढ़ने पर फर्जीवाड़े का दायरा और बढ़ सकता है

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

जिले के गोरखनाथ थाने से फर्जी सत्यापन कराकर पासपोर्ट जारी कराने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निलंबित सिपाही को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को शनिवार को जेल भेज दिया गया। जांच में सामने आया है कि उसकी दो साल की तैनाती के दौरान 22 लोगों के पासपोर्ट फर्जी पते और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर सत्यापित कर जारी कराए गए। अब पुलिस और पासपोर्ट विभाग 30 से अधिक संदिग्ध पासपोर्ट की भी जांच कर रहे हैं। आशंका है कि जांच आगे बढ़ने पर फर्जीवाड़े का दायरा और बढ़ सकता है।

आरोपी सिपाही शशिकांत यादव मूलरूप से नुनहरा थाना क्षेत्र के नसिरपुरसिंह कुसुम का निवासी है। वर्तमान में आरोपी की जीआरपी में तैनाती थी। जांच अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी सिपाही शशिकांत यादव ने पद का दुरुपयोग करते हुए बिना वास्तविक निवास

सत्यापन किए कई आवेदनों को सही बताकर रिपोर्ट भेज दी। इन्हीं रिपोर्टों के आधार पर पासपोर्ट जारी हुए। कई मामलों में आवेदकों का दिए गए पते से कोई संबंध नहीं मिला, जबकि कुछ पते पूरी तरह फर्जी पाए गए। इस मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू पंजाब के कुख्यात गैंगस्टर बिल्ला का पासपोर्ट है। उसका भी गोरखनाथ क्षेत्र के एक पते पर पासपोर्ट बन गया था। प्रकरण की गहन जांच शुरू हुई और कई अन्य संदिग्ध पासपोर्ट भी जांच के घेरे में आ गए। इस फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद पहले तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

54 फीट के कावड़ निर्माण में 7 लाख का खर्च

पटना की प्रसिद्ध कांवड़ परंपरा के अनुसार 3 अगस्त को होगी रवाना, 500 से अधिक शिवभक्त लेंगे भाग

एजेंसी ▶▶ पटना

ऐतिहासिक व पौराणिक शहर पटना सिटी में प्रतिवर्ष कांवड़ यात्रा के तरह-तरह के रंग देखने को मिलते हैं। सावन माह में निकलने वाली कांवड़ यात्रा में सुल्तानगंज से कलश में जल भरकर शिवभक्त देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में जलाभिषेक करते हैं।

भक्ति गीतों के धुनों पर थिरकते कांवड़ ये मार्ग में आकर्षण के केंद्र बनते हैं। यात्रा के दौरान भगवान शिव की भक्ति में पूरा वातावरण शिवमय हो जाता है। सूरज ढलने के साथ रंग-बिरंगी झांकियों वाली कांवड़ जहां से गुजरता है, वहां देखनेवाले लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है। कांवड़ की झांकियों को श्रद्धालु अपने अपने मोबाइल में कैद करते दिखते हैं।

एक सपने से हुई कांवड़ यात्रा की शुरुआत

श्री श्री विशाल शिवधारी कांवड़ संघ 54 फीट मारूफगंज के संस्थापक अध्यक्ष विनोद कुमार बताते हैं कि वर्ष 1994 से 31 डाकबम 24 घंटे में सुल्तानगंज से बाबाधाम जाते थे। वर्ष 2007 के सावन माह में रात में एक सपना देखा कि उन्होंने 54 फीट के कांवड़ के साथ पटना सिटी के दर्जनों शिवभक्तों को लेकर बाबाधाम में जलाभिषेक किए हैं। उन्होंने जब यह बात मोहल्ले के मित्रों से बताई। सुनकर दर्जनों मित्रों ने साथ जाने की जिद किए। तब 2008 व 2009 में डाकबम के तौर पर 100 लोग गए। धीरे-धीरे शिवभक्तों की टोली जुटती गई और अबतक 500 से अधिक शिवभक्त 54 फीट के कांवड़ के साथ बाबाधाम जा रहे हैं।

2008-09 में डाकबम के तौर पर 100 सौ गए थे

विनोद बताते हैं कि इस वर्ष भी तीन अगस्त को किला रोड देवी स्थान से 54 फीट कांवड़ के साथ 500 से अधिक शिवभक्त बाबाधाम के लिए निकलेंगे। 54 फीट के कांवड़ निर्माण में लगभग पांच से सात लाख खर्च आता है।

मित्रता दिवस विशेष

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

सफलता-सुकून-समृद्धि खुशहाल जीवन का आधार दोस्ती

दुनिया भर के वैज्ञानिक शोधों और व्यावहारिक अध्ययनों से यह स्पष्ट है कि दोस्ती केवल मौज-मस्ती करने के लिए नहीं या केवल समय बिताने का माध्यम नहीं है। यह इंसानी जीवन की एक बुनियादी जैविक के साथ ही मनोवैज्ञानिक आवश्यकता भी है। यह हमें सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, मानसिक सुकून प्रदान करती है। यही नहीं खुशहाल जीवन का आधार भी होती है दोस्ती। तो आइए, आज मित्रता दिवस पर हम खुद से वादा करें कि अपने दोस्तों का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे।

इस दुनिया में हमारी पहचान विभिन्न प्रकार के आपसी संबंधों के ताने-बाने से बुनी होती है। इन संबंधों में दोस्ती यानी मित्रता को सबसे पवित्र, निःस्वार्थ और सहज माना जाता है। आधुनिक भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के इस दौर में दोस्ती केवल एक सामाजिक रिश्ता भर नहीं है, बल्कि हमारे ओवरऑल डेवलपमेंट और वेलबीइंग का एक जरिया भी है। अतीत गवाह है कि श्रीकृष्ण-सुदामा की सहज मित्रता से लेकर आधुनिक कॉर्पोरेट जगत के सह-संस्थापकों की पार्टनरशिप तक, दोस्ती ने हर युग में जीवन को एक नई दिशा दी है। वैश्विक स्तर पर हुए विभिन्न शोधों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और न्यूरोसाइंस के निष्कर्षों से भी यह सिद्ध हुआ है कि एक सच्चा दोस्त हमारे जीवन में सफलता का वाहक, मानसिक सुकून का ढाल, समृद्धि का मार्गदर्शक और जीवन को सरल बनाने वाला सबसे बड़ा कारक होता है।

तनाव में होती है कमी: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक दीर्घकालिक अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति अच्छे सामाजिक संबंधों और गहरे दोस्तों के बीच रहते हैं, वे अधिक खुश और तनावमुक्त रहते हैं। जब हम किसी विश्वसनीय मित्र से अपनी बातें साझा करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में 'ऑक्सीटोसिन' और 'डोपामाइन' जैसे हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है। यह प्रक्रिया कोर्टिसोल नामक तनाव उत्पन्न करने वाले हार्मोन के स्तर को तेजी से कम करती है, जिससे मानसिक सुकून मिलता है।

करियर सक्सेस में सहायक: अमेरिकी समाजशास्त्री मार्क ग्रेनोवेटर के 'द स्ट्रेंथ ऑफ वीक टाइज' सिद्धांत और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए शोध बताते हैं कि प्रोफेशनल लाइफ में सफलता का सीधा संबंध आपके मित्रों के दायरे और नेटवर्किंग से है। दोस्त न केवल आपको नए अवसरों की जानकारी देते हैं, बल्कि आपके कौशल को निखारने में रचनात्मक आलोचना भी करते हैं। कार्यस्थल पर एक अच्छा मित्र होने से कर्मचारी की उत्पादकता में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार: 'प्लॉस मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित 148 अध्ययनों के एक मेटा एनालाइसिस के अनुसार, जिन लोगों का सामाजिक जीवन और मित्रों का दायरा मजबूत होता है, उनके समय से पूर्व डेथ की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अकेलेपन का स्वास्थ्य पर डेली 15 सिगरेट पीने जैसा असर होता है। दोस्त हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से लड़ने की इच्छाशक्ति देते हैं।

खुले आर्थिक समृद्धि का मार्ग: दुनिया के कई बड़े व्यापारिक साम्राज्य जैसे गूगल (लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन) या एप्पल (स्टीव जॉब्स और स्टीव वोज्नियाक) गहरी दोस्ती की नींव पर बने हैं। बर्कले यूनिवर्सिटी के एक आर्थिक अध्ययन के अनुसार, मित्रों के बीच आपसी विश्वास के कारण जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है। जब मित्र मिलकर किसी विचार पर काम करते हैं, तो वित्तीय समृद्धि के रास्ते अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाते हैं।

संघर्ष करने की क्षमता में इजाफा: मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब व्यक्ति किसी कठिन समस्या का सामना अकेले करता है, तो उसे वह समस्या बहुत बड़ी लगती है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध प्रयोग (हिल विजुअलाइजेशन स्टडी) में पाया गया कि दोस्तों की उपस्थिति जीवन की मुश्किलों को सरल बना देती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन और किशोरावस्था में बने गहरे दोस्त व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं। दोस्तों के साथ रहकर हम सहानुभूति, साझा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना सीखते हैं।

अवसाद-अकेलेपन से सुरक्षा: शिकागो विश्वविद्यालय के कॉग्निटिव एंड सोशल न्यूरोसाइंस केंद्र के अध्ययनों के अनुसार, अकेलापन मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो शारीरिक दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके विपरीत, मजबूत दोस्ती एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। अवसाद या किसी बड़े व्यक्तिगत नुकसान (जैसे नौकरी जाना या प्रियजन की मृत्यु) के समय दोस्तों का भावनात्मक समर्थन मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

बढ़े निर्णय लेने की क्षमता: येल यूनिवर्सिटी के एक न्यूरोइकोनॉमिक्स अध्ययन के अनुसार, संकट के समय मित्र हमारे लिए एक 'बाहरी पर्यवेक्षक' की भूमिका निभाते हैं। जब हमारा मस्तिष्क तनाव के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता, तब सच्चे दोस्त हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर सोचने में मदद करते हैं। उनकी सलाह से हमारी निर्णय प्रक्रिया सरल और सटीक हो जाती है, जो अंततः हमारी समृद्धि का प्रमुख कारण बनती है।

रचनात्मकता-नवाचार को बढ़ावा: मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, मित्रों के समूह में होने वाली ब्रेन स्टॉर्मिंग से मस्तिष्क में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। दोस्तों के साथ बिना किसी डर या झिझक के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार हैं। *

वृद्धावस्था में संज्ञानात्मक स्वास्थ्य की रक्षा

ओल्ड एज में होने वाली डिमेंशिया की समस्या पर द लैंसेट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती उम्र में मानसिक सक्रियता और याददाश्त बनाए रखने के लिए दोस्तों के साथ सामाजिक रूप से जुड़े रहना बेहद जरूरी है। जो बुजुर्ग नियमित रूप से अपने दोस्तों से मिलते हैं और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, उनमें अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा भी 60 प्रतिशत तक कम पाया गया है।

तकनीक ने हमारी जीवनशैली को ही नहीं, दोस्त बनाने के तरीके को भी बदल दिया है। आज सोशल मीडिया के जरिए हम एक क्लिक पर दुनिया में किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं। सबसे खूबसूरत इंसानी रिश्तों में से एक दोस्ती को तकनीक कैसे नए ढंग से परिभाषित कर रही है, इस बारे में आप भी जानिए।

फ्रेंड रिक्वेस्ट ने बदल दी दोस्त बनाने की परिभाषा

{ न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह }

इस बात में संदेह नहीं कि सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद दोस्ती करना आसान हो गया है। इसके पहले दुनिया में कहीं भी किसी से दोस्ती करना इतना आसान न था कि किसी को दो लाइन की एक लिखित रिक्वेस्ट भेजो और अमूमन 90 फीसदी से ज्यादा मौकों पर दोस्ती हो जाती है। ये है दोस्ती का नया तरीका यानी फ्रेंड रिक्वेस्ट। यह तरीका सोशल मीडिया के पहले दुनिया के पास नहीं था।

बन सकते हैं हजारों दोस्त: आज अपने देश में कम से कम 60 फीसदी ऐसे वयस्क हैं, जिनके सोशल मीडिया पर एक हजार या इससे ज्यादा दोस्त हैं। 10 फीसदी तो ऐसे लोग हैं, जिनके दोस्तों की इस अभासी दुनिया में संख्या पांच हजार के आस-पास है और एक से डेढ़ फीसदी ऐसे लोग भी हैं, जिनके दोस्तों की संख्या हजारों नहीं दसियों हजार से ऊपर है। दरअसल, ये दोस्त नहीं फॉलोवर्स कहलाते हैं।

दुनिया भर में कर सकते हैं दोस्ती: दुनिया में एक और बड़ा धमाका सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद हुआ। चाहे आप देश या दुनिया के कितने ही पिछड़े इलाके में रह रहे हों, लेकिन सोशल मीडिया के चलते आप देश-विदेश कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। ऐसे लोगों के साथ जिन्हें न कभी देखा हो, न कभी उनसे मुलाकात हुई हो, न उनके बारे में कुछ ज्यादा जानते हों और न ही उनके आपके विचार, रुचियां और सपने एक जैसे हों। इसके बाद भी चाहें तो आप सोशल मीडिया के जरिए ऐसे विपरीत रुचियों के लोगों के साथ भी सहजता से देश-विदेश में दोस्ती कर सकते हैं। अब दोस्ती के लिए न बहुत हैसियत की जरूरत है, न बहुत पैसे की, न सामाजिक प्रभुत्व या न ही किसी क्षेत्र विशेष में उल्लेखनीय होने की जरूरत है। दोस्ती के लिए अब सिर्फ एक ही चीज की जरूरत है- आपके पास मोबाइल या कंप्यूटर हो, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन हो। बस इतने भर से आप देश-विदेश में कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। दोस्ती की दुनिया में ये असाधारण परिवर्तन है, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के पहले कभी नहीं हुआ था।

हर सीमा, सरहद से परे: दोस्ती हमेशा से इंसानी रिश्तों की सबसे खूबसूरत कड़ी रही है। कभी ये स्कूल, कॉलेज, पड़ोस या कार्यस्थल तक सीमित रहती थी, लेकिन जब से संपर्क करने का सबसे तीव्र माध्यम इंटरनेट अस्तित्व में आया और फिर सोशल मीडिया जैसे आभासी प्लेटफॉर्म बने। उसके बाद से दोस्ती की परिभाषा, उसकी अवधारणा हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई। अब दोस्ती का दायरा स्थानीय नहीं है बल्कि वैश्विक हो चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंक्डइन, एक्स, डिस्कॉर्ड, रेडिट और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दोस्ती के एक ऐसे साझा मंच से जोड़ा है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

अपनी रुचि के लोगों से दोस्ती: सोशल मीडिया की सुविधा ने तरह-तरह के समूहों को जन्म दिया है। मान लीजिए, आप लेखक हैं और आपको दूसरे लेखकों के साथ बातचीत करना, उठना-बैठना अच्छा लगता है, तो चाहें तो आप देश-विदेश के हजारों लेखकों से ही अपनी दोस्ती बना लें और दिन-रात उनके साथ ही मस्त रहें। मतलब यह कि सोशल मीडिया ने दोस्ती को एक ऐसा उपभोक्ता उत्पाद बना दिया है, जिसे आप अपनी चाहत और सुविधा के हिसाब से किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर वर्ग को हो रहा फायदा: इंटरनेट और सोशल मीडिया ने इस दूरस्थ दोस्ती में कुछ इस तरह का रंग भरा है कि आज युवा ही नहीं तमाम वरिष्ठ नागरिक भी इस ऑनलाइन दोस्ती का खूब आनंद ले रहे हैं। यह ऑनलाइन दोस्ती सिर्फ मनोरंजन या जिज्ञासा तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसने कारोबार की दुनिया में भी बड़ी जबर्दस्त भूमिका निभाई है। यानी ऑनलाइन दोस्ती हर वर्ग को फायदा पहुंचा रही है। *

{ गजल
ओम निश्चल }

दोस्त के हंसते ही...

मुस्कराने से अमलतास भी खिल उठता था
दोस्त के हंसते ही आकाश भी खिल उठता था
उसके आने से आ जाती थी घर में रौनक
उसके होने से मधुमास भी खिल उठता था
ऐसे मिलता था वो जन्मों से हो रिश्ता जैसे
पास बैठा हुआ उल्लास भी खिल उठता था
उसकी यादों में मुकम्मल-सा जहां है अपना
उसके होने का अहसास भी खिल उठता था
छेनी से उसकी तराशी थी कुछ ऐसी मूरत
उसकी जुंबिश से नक्काश भी खिल उठता था
हाथ रखता था वो यूं कांधे पे करीने से
उसके छूने से विश्वास भी खिल उठता था

{ लघुकथाएं }

पुरानी बेंच

एआई इमेज

एक लंबे समय बाद अरुण का गांव लौटना हुआ। गांव में बहुत कुछ बदल गया था। पगडंडियों ने सड़क का रूप धारण कर लिया था। उसका अपना स्कूल नए भवन में शिफ्ट हो चुका था, नए फर्नीचर से सजा नया विद्यालय भवन देख मन कुछ प्रसन्न था तो कहीं मन में अवसाद भी था। स्कूल का पुराना सामान नीलाम किया जा रहा था। भारी कदमों से अरुण भी इस नीलामी में जा पहुंचा। कबाड़ के ढेर में पड़ी एक टूटी-फूटी लकड़ी की बेंच देखकर अरुण ठिठक कर रुक गया। 'इसे भी बेचेंगे?' उसने प्रधानाचार्य से पूछा। 'हां, अब इसका कोई उपयोग नहीं।' अरुण ने उस बेंच पर बड़े प्यार से हाथ फेरा। उस पर परकार (कंपास) से उकेरे गए दो अक्षर अब भी सुस्पष्ट रूप से अंकित थे। 'अ' और 'स'। उसके चेहरे पर एकाएक कई भाव, कई रंग आए और चले गए। वह और समीर हमेशा इसी बेंच पर बैठा करते थे। अंगूठे के साथ पूरा हाथ घुमाते हुए दोनों ने एकदम पक्की दोस्ती का दम भरते हुए कहा था, 'चाहे जहां रहें, अपनी यह दोस्ती कभी नहीं टूटेगी।' समय के साथ, अपनी-अपनी नौकरी के चलते, दोनों दूर तो हुए पर उनकी दोस्ती का धागा पूरी मजबूती से बंधा रहा। अरुण बेंच पर बैठ गया और अपने पास की खाली जगह पर प्यार से हाथ फेरते हुए भर्राए स्वर में बोला, 'समीर! तू चल न मेरे साथ, आज भी मैं अकेला नहीं बैठूंगा।' अरुण ने वह बेंच खरीद ली। लोग हैरानी से उसे देख रहे थे। बेंच को सीने से लगाते हुए वह बोला, 'समीर दोस्त था मेरा। युद्ध में दुश्मन से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। पर हमारी दोस्ती आज भी इसी बेंच पर बैठी मेरा इंतजार कर रही है।' *

– डॉ. यशोधरा भटनागर

अपनों से दोस्ती

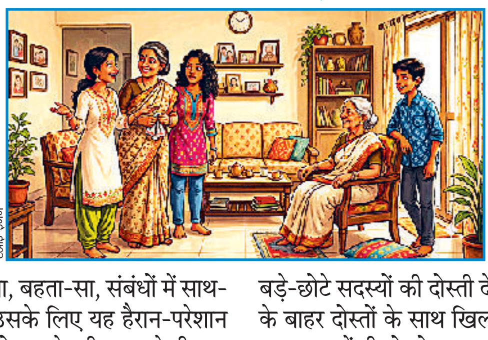

एआई इमेज

हंसती-खिलखिलाती उसकी फ्रेंड ठीक उसी अल्हड़ अंदाज में अपने घर के भीतर दाखिल हुई, जैसे कॉलेज कैंपस, बाजार या सिनेमा हॉल में सहेलियों के साथ रहती है। अपनों के साथ भी खुलकर बातें, सीधे-सच्चे सवाल और खुशनुमा व्यवहार का खुलापन। मां, दादी और छोटे भाई से दिनभर की बातें और शिकायतें। न कुछ पूछने में उलझन ना ही कुछ कहने में अटकाव। सब कुछ तरल-सा, बहता-सा, संबंधों में साथ-स्नेह के सही मायने समझाता-सा। उसके लिए यह हैरान-परेशान करने वाले दृश्य थे। वे दोनों बहनें तो घर के भीतर आते ही एक ठहरा ठिठका-सा रंग-ढंग ओढ़ लेती हैं। चाहे कहीं से भी लौटें घर के आंगन में पांव धरते ही कुछ अलग-सी ही हो जाती हैं। हर बात में बड़ों की प्रतिक्रिया के प्रति सजग। आज सहेली के साथ उसके घर आकर अपनों का यह मैत्री भाव देखा तो लगा जैसे बहुत कुछ छूट रहा है, उनके जीवन से, मन से, रिश्तों से। मित्रता जो नहीं है, उनकी एक-दूसरे से। रिश्तों की औपचारिक सजगता और कभी सम्मान तो कभी सधापन रखने के नाम पर, सखा भाव को पनपने का अवसर ही ना मिला। उस घर के बड़े-छोटे सदस्यों की दोस्ती देख यही सोचते हुए विदा हुई कि 'घर के बाहर दोस्तों के साथ खिलखिलाने, मन की कहने का परिवेश अगर घर में ही हो तो, यह दुनिया की सबसे प्यारी दोस्ती होगी।' उसने मन ही मन तय कर लिया कि अपने घर में भी मित्रता का माहौल बनाने की कोशिश करेगी। *

– डॉ. मोनिका शर्मा

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

संगीत के अनछुए सुर

पत्रकार, लेखक और चित्रकार देव प्रकाश चौधरी की हालिया प्रकाशित किताब 'शब्द उठान सुर तिहाई' ऐसी संगीतमय किताब है, जिसके हर पन्ने पर सुर हैं, संगीत की राग-रागिनियां हैं। इन रागिनियों से निकले हैं संगीत साधकों के जीवन साधना से जुड़े अनेक किस्से। पुस्तक उस्ताद फैयाज खान की संगीत साधना के एक किस्से से शुरू होती है। एक बार जब फैयाज खान, ट्रेन के डिब्बे में बैठे सुरों की साधना में लीन होते हैं। अंग्रेज गार्ड खिड़की के बाहर खड़ा होकर सुरों के सागर में गोते लगाने लगता है। गाड़ी के चलने का वक्त निकलने लगता है और स्टेशन मास्टर बेचैन हो उठता है, मगर गार्ड हरी झंडी नहीं दिखाता। वह कहता है, 'भीतर फरिश्ता गा रहा है।' यह पुस्तक भारतीय संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत दस्तावेज है। इसमें पंडित बिरजू महाराज के नृत्य में समाहित अभिनय, कथा और संगीत का अद्भुत समन्वय है। बनारस के घाटों पर मंदिरों की गूंजती घंटियों के बीच बिस्मिल्लाह खां की शहनाई की सुर-लहरियां हैं। उस्ताद अमीर खां की रूहानी गायिकी की गहराई है, तो मेवाती घराने के दैदीप्यमान सितारे पंडित जसराज का वह प्रेरक प्रसंग भी है, जिसमें वे तबला वादन से गायन की ओर अग्रसर होते हैं। ये किस्से सुर और संगीत की जादुई शक्ति से हमारा परिचय कराते हैं। लेखक की संवेदना से भरी भाषा ने इसे और आत्मीय, और कलात्मक बना दिया है। *

पुस्तक: शब्द उठान सुर तिहाई, **लेखक:** देव प्रकाश चौधरी
मूल्य: 225 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

स्मृति शेष
विजयदत्त श्रीधर

हिन्दी-जीवनव्रती पद्मश्री कैलाशचन्द्र पंत

हिंदी-जीवनव्रती कैलाशचन्द्र पंत अब हमारे बीच नहीं हैं। 31 जुलाई, 2026 को वे ब्रह्मलीन हुए। दादा के संबोधन से देशभर में लोकप्रिय पंत जी मध्यप्रदेश के सार्वजनिक जीवन की ऐसी विभूति थे जिन्हें हर वर्ग और हर आयु के लोगों का आदर और विश्वास मिला। अनन्य हिन्दी सेवा के लिए कैलाशचन्द्र पंत को वर्ष 2026 के पद्मश्री अलंकरण से विभूषित किया गया । सबको एहसास हुआ कि सर्वथा सुपात्र समाजसेवी की सुदीर्घ साधना को सम्मानित किया गया है। कैलाशचन्द्र पंत ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के ध्वज तले सेवा और सरोकार का जो समीकरण रचा, उसका सबसे उल्लेखनीय तथ्य है कि हिन्दी-सेवा के लिए दादा कैलाशचन्द्र पंत ने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व में अंतर्निहित तीन बड़ी संभावनाओं का लगभग परित्याग कर दिया। साठ के दशक में मेधावी छात्र के रूप में स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले पंत जी, किसी भी विश्वविद्यालय में सफल प्राध्यापक हो सकते थे। उनकी भाषा और शैली, तथ्य-निरूपण और कथ्य-कला पंत जी को पत्रकार जगत में प्रतिष्ठित करने में समर्थ होती। उनका लिखा हुआ गद्य जिन्होंने पढ़ा है वे निस्संकोच स्वीकार करेंगे कि कैलाशचन्द्र पंत हिन्दी के समर्थ निबंधकार होते। किंतु यह उनकी वैयक्तिक उपलब्धि होती। पंत जी ने अपने व्यष्टि के स्थान पर समष्टि को वरीयता दी। उन्होंने आजीवन हिन्दी सेवा का व्रत लिया। इस व्रत का परिपालन करने में दादा का जो गुण आधारभूत सिद्ध हुआ, वह है लोकसंग्रह की उनकी उदात्त प्रकृति। इसी गुण के कारण वे अपने चहुंओर और दूर-दूर तक एक वृहद परिवार रच सके। जब शिक्षा आधुनिक नहीं हुई थी, तब स्कूल में पढ़ा था- तरुवर फल नहिं खात हैं, सरुवर पियहिं न पान अर्थात वृक्ष अपने फल खुद नहीं खाते (दूसरों को खाने के लिए फल देते हैं), सरोवर (जल स्रोत) स्वयं अपना पानी नहीं पीते अर्थात उनमें प्रवहमान और संचित जल दूसरों की प्यास बुझाने के लिए होता है। मानव जीवन में भी कतिपय ऐसे सज्जन होते हैं जो अपने आचार-विचार और व्यवहार से समस्त समाज के हो जाते हैं। उनके सोच के दायरे में सबका कल्याण समाहित होता है। भोपाल के सांस्कृतिक परिदृश्य में ऐसा ही एक नाम दादा कैलाशचन्द्र पंत का है। वे अजातशत्रु थे । इसीलिए सब उनके थे और वे सबके थे। दादा के परिवार में घुले-मिले इन 50 सालों में उनके बहुविध स्वरूपों का साक्षात्कार हुआ। सन-1977 में दादा कैलाशचन्द्र पंत ने साप्ताहिक' जनधर्म' का सम्पादन-प्रकाशन आरम्भ किया। 'जनधर्म' के कई विशेषांक उन्होंने निकाले, जो सन्दर्भ की दृष्टि से स्थाई महत्त्व के हैं। 'जनधर्म' ने मध्यप्रदेश के किसी श्रेष्ठ साहित्यकार को प्रतिवर्ष 'सारस्वत सम्मान' से अलंकृत करने की परम्परा आरम्भ की थी। अपने गुरु श्री बैजनाथप्रसाद दुबे के सुयोग्य उत्तराधिकारी के रूप में दादा कैलाशचन्द्र पंत ने मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, हिन्दी भवन न्यास, भोपाल के मंत्री- संचालक का दायित्व जिस लगन, कल्पनाशीलता और समर्पण के साथ निभाया, उसने हिन्दी भवन को हिन्दी और संस्कृति विषयक गतिविधियों में देश की अग्रणी संस्थाओं में प्रतिष्ठित किया है। जनसंपर्क मध्यप्रदेश ने कैलाशचन्द्र पंत को 'गणेशशंकर विद्यार्थी ' सम्मान से पुरस्कृत किया। विश्व हिन्दी सम्मेलन में दादा को 'हिन्दी सेवी सम्मान' प्रदान किया गया। केन्द्रीय हिन्दी संस्थान का 'सुब्रमण्यम् भारतीय सम्मान' उन्हें मिला। सप्रे संग्रहालय के 'लाल बलदेव सिंह सम्मान' और शताब्दी समारोह में 'कर्मवीर सम्मान' से उन्हें सम्मानित किया गया। निश्चय ही दादा कैलाशचन्द्र पंत जैसा विशाल स्नेही परिवार मध्यप्रदेश में कोई और नहीं रच पाया। इसी का प्रतिफल है कि समाज ने पंत जी को मान-सम्मान और अपनापन देने में कोई कसर बाकी नहीं रखी।

पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अधिनियम

युवाओं की मेहनत, पारदर्शिता व विश्वास की सुरक्षा का सशक्त कानूनी आधार

योग्यता का सम्मान, अनुचित साधनों पर कठोर प्रहार

मेरे सभी प्रिय युवा साथियों।

जब कोई प्रश्नपत्र लीक होता है, फर्जी अभ्यर्थी परीक्षा में बैठते हैं, साइबर माध्यमों से परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित की जाती है या संगठित गिरोह पूरी व्यवस्था से छेड़छाड़ करते हैं, तब नुकसान केवल एक परीक्षा का नहीं होता, बल्कि युवाओं के विश्वास, प्रशासनिक व्यवस्था की साख और समान अवसर की भावना को भी गहरी चोट पहुंचती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 में पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अधिनियम, 2024 लागू किया। यह देश का पहला समर्पित कानून है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं की पवित्रता की रक्षा करना तथा परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

कानून का व्यापक दायरा

यह अधिनियम उन सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होता है जिनके माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न सेवाओं, संस्थानों और उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए चयन किया जाता है। इनमें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), राष्ट्रीय परीक्षा

एजेंसी (एनटीए), रेलवे भर्ती बोर्ड , बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान तथा केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य परीक्षा संस्थान शामिल हैं। इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पहली बार परीक्षा अपराधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया। अब प्रश्नपत्र लीक करना, प्रश्नपत्र या उत्तर कुंजी उपलब्ध कराना, फर्जी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाना, कंप्यूटर नेटवर्क याडिजिटल प्रणाली से छेड़छाड़ करना, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से नकल कराना, गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग करना तथा आर्थिक लाभ के उद्देश्य से परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करना स्पष्ट रूप से दंडनीय अपराध हैं। परीक्षा अपराधों पर व्यापक नियंत्रण की दिशा में 2026 के संशोधन किसी भी प्रभावी कानून की वास्तविक शक्ति केवल उसके निर्माण में नहीं, बल्कि समय के साथ बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को सशक्त बनाने में निहित होती है।

युवा सशक्तीकरण : विकसित भारत की आधारशिला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों के दौरान युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला वर्ग नहीं, बल्कि भारत के विकास का सबसे बड़ा भागीदार माना गया है। इसी दृष्टि से शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखकर अनेक नीतिगत निर्णय लिए गए। नई शिक्षा नीति-2020 ने शिक्षा को अधिक व्यावहारिक और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने का मार्ग प्रशस्त किया।

हरियाणा में पारदर्शी एवं मेरिट आधारित भर्ती व्यवस्था

राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक परीक्षाओं की सुरक्षा के लिए सशक्त कानूनी व्यवस्था लागू होने के साथ-साथ हरियाणा ने भी भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और मेरिट को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की दिशा में अनेक सुधार किए हैं। राज्य सरकार का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि सरकारी सेवा का अवसर केवल प्रतिभा, योग्यता और परिश्रम के आधार पर मिलना चाहिए। इसी सोच के अनुरूप भर्ती प्रक्रियाओं में तकनीक का व्यापक उपयोग, डिजिटल प्रणाली, समयबद्ध चयन प्रक्रिया और पारदर्शी व्यवस्थाओं को निरंतर मजबूत किया गया है। आज प्रदेश में बिना खर्ची-बिना पर्ची के सिद्धांत पर पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर 1.80 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। यही विश्वास सक्षम और पारदर्शी शासन की पहचान है, यही विकसित हरियाणा की शक्ति है और यही विकसित भारत की मजबूत नींव भी। ऐसी निष्पक्ष और विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था न केवल युवाओं के सपनों की रक्षा करेगी, बल्कि आने वाले भारत को अधिक सक्षम, अधिक प्रतिस्पर्धी और अधिक न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

-नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा

भारतीय रेलवे ने ग्रुप "ए" के पांच अधिकारियों की समयपूर्व सेवानिवृत्ति की सिफारिश की

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय की समीक्षा समितियों ने भारतीय रेलवे स्थापना संहिता, खंड II के नियम 1802 (ए) के अंतर्गत सार्वजनिक हित में पांच समूह "ए" अधिकारियों की समय से पहले सेवानिवृत्ति की सिफारिश की है, जो मौलिक नियमों के नियम 56 (जे) के बराबर है। समीक्षा समितियों ने आईआरएचएस के दो एसएजी अधिकारियों, उत्तर रेलवे में आईआरएसई के एक जेएजी अधिकारी, उत्तर रेलवे में आईआरएसई के एक अधिकारी और पश्चिम रेलवे में आईआरटीएस के एक जेएजी अधिकारी की समय से पहले सेवानिवृत्ति की सिफारिश की है। समीक्षा समितियों ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अधिकारियों के सेवा रिकॉर्ड का विस्तृत मूल्यांकन किया।

जेयूआईटी में एचपीपीडब्ल्यूडी अभियंताओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

वाकनाघाट। जयपी यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (**JUIT**), वाकनाघाट के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग (**HPPWD**) के अभियंताओं के लिए "**Design Optimization of RCC Structures and Shear Walls using STAAD.Pro** " विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 28 से 30 जुलाई 2026 तक आयोजित हुआ, जिसमें 23 **HPPWD** अभियंताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन 28 जुलाई 2026 को किया गया। उद्घाटन समारोह में **JUIT** के कुलपति प्रो. (डॉ.) आर. के. शर्मा, रजिस्ट्रार ब्रिगेडियर (डॉ.) आर. के. शर्मा, डीन (रिसर्च एंड इनोवेशन) तथा डीन (एक्रेडिटेशन) सहित सिविल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्य, विद्यार्थी एवं **HPPWD** के प्रतिभागी अभियंता उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. तनमय गुप्ता ने हिमाचल प्रदेश की विशिष्ट भौगोलिक एवं भूकंपीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

150 नए अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्कूल भवन बनेंगे, 719 उत्कृष्ट विद्यालय होंगे हाईटेक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार राजकीय विद्यालयों में शिक्षा का स्तर सुधारने और बेहतर आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में राज्य के 150 राजकीय विद्यालयों के नए भवन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किए जाएंगे। इन विद्यालयों के डिजाइन और निर्माण में देश के अग्रणी राज्यों तथा प्रतिष्ठित संस्थानों के श्रेष्ठ मॉडलों एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन का सहयोग लिया जाएगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार देर शाम चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास 'संत कबीर कुटीर' में स्कूल शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा भी उपस्थित रहे। बैठक में राज्य में गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की वि स्त त समीक्षा की गई।

विशेष रूप से प्रदेश के 719 उत्कृष्ट विद्यालयों जिनमें संस्कृति मॉडल स्कूल, मुख्यमंत्री अर्ली इंग्लिश एंड एक्सीलेंस स्कूल तथा पीएम श्री विद्यालय शामिल हैं के समग्र विकास और सुदृढ़ीकरण पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी विद्यालयों में आवश्यक आधारभूत ढांचा और सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं।

मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती कर रही उन्नतशील कृषि सखियों से किया संवाद... जाना अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि झाबुआ जिले में प्राकृतिक खेती के पर्याप्त अवसर हैं। प्राकृतिक खेती न सिर्फ सेहत के लिए, बल्कि अच्छी आमदनी का भी अवसर प्रदान कर रही है। प्रदेश में नए अवसर पैदा हुए हैं। इसके लिए प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष के तहत सभी आवश्यक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को झाबुआ जिले के थांदला में प्रदेश स्तरीय स्व-सहायता समूहों का क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई प्राकृतिक खेती कर रहीं उन्नतशील कृषि सखियों और किसानों से संवाद किया। उन्होंने किसानों के अनुभव जाने तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं प्रयासों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने उन्नत कृषि सखियों के कार्यों की सराहना की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम देवीगढ़, विकासखंड मेघनगर की उन्नतशील कृषि सखी संगीता डामोर से संवाद कर प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उनके अनुभवों एवं प्रयासों की सराहना की। संवाद के दौरान डामोर ने बताया कि उन्होंने कृषि सखी के रूप में प्राकृतिक खेती का पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्तमान में वे अपने गांव एवं आसपास के 125 किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दे रही हैं। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से बीजामृत, जीवामृत और नीमास्त्र जैसे प्राकृतिक आदान बनाने की विधियां बता रही हैं।

खबर संक्षेप

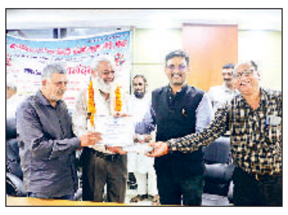

नगर निगम के छह कर्मचारी सेवानिवृत्त अटल भवन में दी विदाई

भोपाल। नगर निगम में अपनी सेवा अवधि पूर्ण करने वाले छह कर्मचारियों को शुक्रवार को अटल भवन स्थित सभाकक्ष में आयोजित समारोह में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। उपायुक्त हीरेन्द्र सिंह कुशवाह ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल और मिष्ठान भेंट कर उनके दीर्घ एवं सुखमय जीवन की कामना की। समारोह में सहायक यंत्री शिशु बिंदु सिंह, सहायक ग्रेड-2 जैकब वर्गिस, निम्न श्रेणी लिपिक अब्दुल हसीब उस्मानी, सफाई मित्र पार्वती बाई, विनियमित अकुशल कर्मचारी कैलाश चौखे तथा विनियमित अर्द्धकुशल कर्मचारी एनएल सिंह को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नगर निगम भोपाल सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ. शमीम कुरैशी, सचिव रामसिंह राठौर, विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना पदोन्नति के ही रिटायर्ड हो गए रेंजर बनने वाले डिप्टी रेंजर

भोपाल। वन विभाग के दर्जनों डिप्टी रेंजर बिना पदोन्नति के ही 31 जुलाई को सेवानिवृत हो गए हैं। यदि समय रहते डिप्टी रेंजर से रेंजर के पद पर पदोन्नति करने वाली सूची मंत्रालय से जारी हो जाती तो डिप्टी रेंजरों को सम्मानित पद एवं पेंशन में आर्थिक लाभ हो जाता। मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मंत्रालय में लंबित डिप्टी रेंजर से रेंजर की पदोन्नति सूची को शीघ्र जारी करने की मांग की है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि एक माह का समय निकल जाने के बावजूद भी वन विभाग ने डिप्टी रेंजर से रेंजर पद पर पदोन्नति करने वाली सूची जारी नहीं की है।

एक युवक का अस्पताल में चल रहा उपचार

सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। जहरीले सांप के

डंसने से एक 14 वर्षीय किशोर और 5 माह के मासूम की मौत हो गई, जबकि एक युवक का अस्पताल में उपचार जारी है।

पहली घटना कुडुमकेला गांव की है। जानकारी के अनुसार, धीरज दास महंत (14 वर्ष) रात करीब 10 बजे खाना खाने के बाद घर में पलंग पर सो गया था। कुछ देर बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसके मुंह से झाग निकलने लगा। परिजन उसे तुरंत घरघोड़ा सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। आशंका है कि सोते समय उसे जहरीले सांप ने डंस लिया था। दूसरी घटना ग्राम चारमार में हुई। यहां जहरीले सांप ने संजय

धनवार (25 वर्ष) और उनके 5 माह के बेटे नयांश धनवार को डंस लिया। दोनों को गंभीर हालत में तत्काल घरघोड़ा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान मासूम नयांश ने दम तोड़ दिया, जबकि संजय धनवार का इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत अब पहले से बेहतर बताई जा रही है। मासूम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल है। दोनों घटनाओं की सूचना मिलने के बाद घरघोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अचानक पटरी से उतरा मालगाड़ी का डिब्बा, बड़ी दुर्घटना टली

कोरबा। जिले के एसईसीएल की मानिकपुर रेलवे साइडिंग पर शनिवार को कोयला परिवहन के दौरान एक बड़ा रेल हादसा टल गया। रेलवे की सेकेंड एंट्री लाइन पर कोयले से भरी मालगाड़ी का एक डिब्बा अचानक पटरी से उतर गया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कोयला लोडिंग और डिस्पैच का कार्य लगभग तीन घंटे तक प्रभावित रहा। मानिकपुर साइडिंग में कोयला लोड होने के बाद मालगाड़ी को पीछे की ओर शंटिंग की जा रही थी। इसी दौरान सेकेंड एंट्री पॉइंट पर एक वैगन का पहिया ट्रैक से उतर गया। राहत की बात यह रही कि डिब्बा पलटा नहीं, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रेलवे ट्रैक के रखरखाव में कमी और पटरियों की लेवलिंग सही नहीं होने के कारण यह घटना हुई।

करतला वन परिक्षेत्र अंतर्गत बड़मार गांव का

लोनर हाथी के हमले में खेत में काम करने गए किसान की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

वनमंडल के करतला वन परिक्षेत्र अंतर्गत बड़मार गांव में लोनर हाथी के हमले से एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान बड़मार निवासी 53 वर्षीय जगेश्वर राठिया के रूप में हुई है। घटना शनिवार सुबह बड़मार गांव से लगभग 2 किलोमीटर अंदर जंगल में हुई। जानकारी के अनुसार 53 वर्षीय जगेश्वर राठिया रोज की तरह सुबह खेत में काम करने गया था। काम निपटाकर जब वह वापस गांव लौट रहा था, तभी जंगल में अचानक हाथी ने उसे सूंड से पटक कर पैरों से कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।करतला रेंजर अक्ष ऋषि ने बताया कि पिछले तीन दिनों से एक लोनर हाथी बड़मार जंगल और आसपास के गांवों में विचरण कर रहा है। इसके चलते पहले भी मुनादी कराई गई थी और अभी भी आसपास के गांवों में लोगों को सतर्क रहने के लिए मुनादी कराई जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि जंगल की ओर अकेले न जाएं और शाम होते ही खेतों से वापस लौट आएं। वन विभाग ने मृतक के परिजनों का बयान दर्ज कर लिया है। नियमानुसार उन्हें तत्कालीन आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाएगी। विभाग ने कहा है कि हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने दी परिजनों और वन विभाग को सूचना

खेत में काम कर रहे अन्य ग्रामीणों की नजर जब शव पर पड़ी तो उन्होंने तुरंत परिजनों और वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही घटनास्थल का पंचनामा कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वन विभाग के कर्मचारियों ने जंगल और खेतों के आसपास डेरा जमा लिया है और हाथी पर लगातार नजर रखी जा रही है। खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों को मुनादी कर हाथी के आने की सूचना पर तुरंत घर लौटने की हिदायत दी गई है।

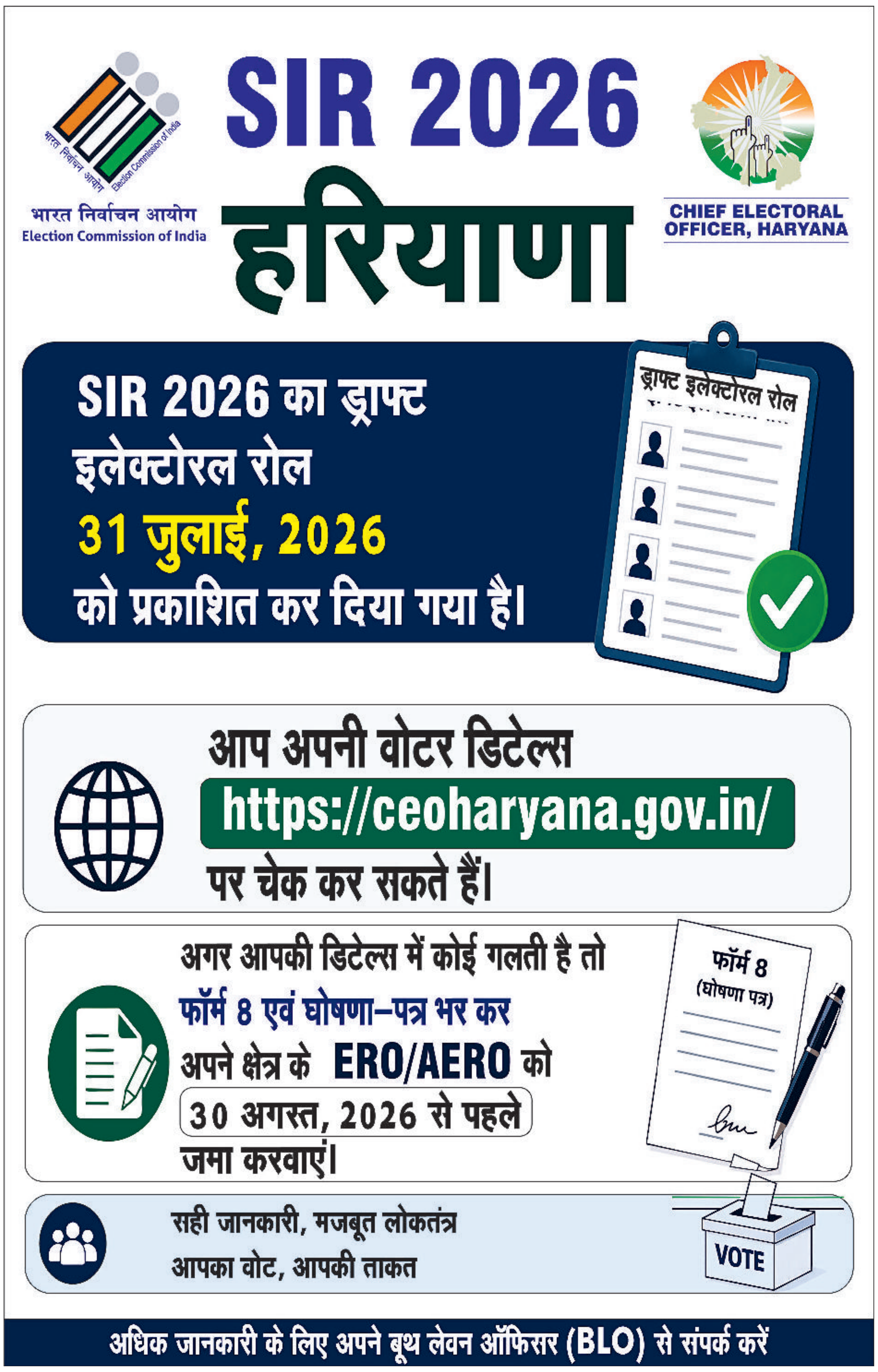

हाल ही में राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए युवा आंदोलन ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा। दूसरी ओर, इस आंदोलन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकता। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है, इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

पुरानी पीढ़ी से अलग है जेन-जी और अल्फा

विश्लेषण
डा. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

'सीजेपी' के बैनर तले यह अवश्य पहला ऐसा आंदोलन था जिसने युवा-संकल्प शक्ति के सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन अब नए सवाल एवं नई चुनौतियां इस आंदोलन के प्रणेताओं के भी समक्ष उठने लगी हैं। ऐसी ढेरों अन्य चुनौतियां हैं जिन पर इस युवा संगठन को अन्य ऐसे ही मंचों से अपने अस्तित्व के बारे में सोचना होगा। समय का पहिया जब अपनी धुरी पर घूमता है तो वह केवल कैलेंडर के पन्ने नहीं पलटता बल्कि इंसानी सोच, समाज की संरचना और जीवन जीने के नजरिए को भी पूरी तरह से बदल देता है। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वह एक ऐसा ऐतिहासिक मुकाम है, जहां तीन अलग-अलग पीढ़ियां एक साथ, लेकिन बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में जी रही हैं।

यह स्वातंत्र्योत्तर भारत के इतिहास का पहला युवा-आंदोलन नहीं था। अतीत में भी जेन-जी हमारे देश के राजनीतिक पटल पर अनूठी इबारतें दर्ज करती रही है। 'सीजेपी' के बैनर तले यह अवश्य पहला ऐसा आंदोलन था जिसने युवा-संकल्प शक्ति के सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन अब नए सवाल एवं नई चुनौतियां इस आंदोलन के प्रणेताओं के भी समक्ष उठने लगी हैं। पहली चुनौती इसके नाम की है। क्या 'सीजेपी' इसी नाम के साथ सक्रिय राजनीति में प्रवेश करेगी? दूसरी चुनौती, उन राजनीतिक शक्तियों की है जो आने वाली किसी भी चुनावी कवायद में 'सीजेपी' को भुनाने का प्रयास करेंगी। ऐसी शक्तियों में भी कहीं किसी भी स्तर पर मतैक्य नहीं है। ऐसी ढेरों अन्य चुनौतियां हैं जिन पर इस युवा संगठन को अन्य ऐसे ही मंचों से अपने अस्तित्व के बारे में सोचना होगा। समय का पहिया जब अपनी धुरी पर घूमता है तो वह केवल कैलेंडर के पन्ने नहीं पलटता बल्कि इंसानी सोच, समाज की संरचना और जीवन जीने के नजरिए को भी पूरी तरह से बदल देता है। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वह एक ऐसा ऐतिहासिक मुकाम है, जहां तीन अलग-अलग पीढ़ियां एक साथ, लेकिन बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में जी रही हैं। एक तरफ हमारी पुरानी पीढ़ी है जिसने अभावों से शुरुआत करके स्थिरता को अपना लक्ष्य बनाया। दूसरी तरफ जेन-जी है जिसने तकनीक को अपने हाथों में खिलौने की तरह पलता हुआ देखा है। अब, सबसे नई पीढ़ी यानी जेन-अल्फा दस्तक दे चुकी है, जिसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आभासी दुनिया कोई अजूबा नहीं बल्कि उनकी सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है। इन पीढ़ियों के बीच का अंतर केवल उम्र का नहीं है बल्कि यह अंतर उस पूरे परिवेश का है जिसने इनके दिमाग, इनकी भावनाओं और इनके जीवन मूल्यों को गढ़ा है। यह समझना बेहद दिलचस्प है कि पुरानी पीढ़ी से यह नई जेन-जी और जेन-अल्फा की पीढ़ी किन मायनों में और कितनी अलग है। तकनीक के साथ रिश्ते को ही लें तो पुरानी पीढ़ी के लिए तकनीक एक सुविधा थी जिसे उन्होंने अपनी आधी उम्र गुजारने के बाद बहुत हिचकिचाहट के साथ सीखा।

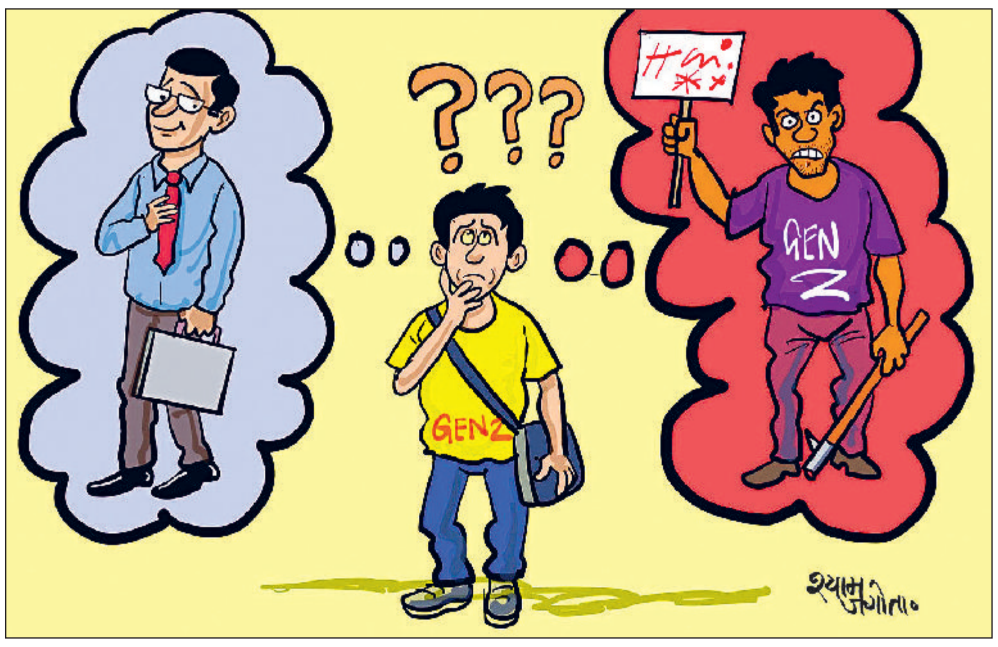

तीनों पीढ़ियां एक-दूसरे का सम्मान करें

अगर हम एक व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है। पुरानी पीढ़ी के पास अनुभव, स्थिरता, धैर्य और रिश्तों की वह गहरी समझ है जिसकी आज के इस अत्यधिक तेज और आभासी दौर को सख्त जरूरत है। जेन-जी के पास रूढ़ियों से लड़ने का अदम्य साहस, वैश्विक मुद्दों के प्रति गहरी चिंता और दुनिया को एक समान नजरिए से देखने की प्रगतिशील दृष्टि है। वहीं, जेन-अल्फा भविष्य की वह असीम और अज्ञात संभावना है जो तकनीक की चरम सीमा और मानवता के मूल स्वभाव के बीच एक नया संतुलन स्थापित करने की जिम्मेदारी उठाएगी। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। पुरानी पीढ़ी को यह खुले मन से स्वीकार करना होगा कि दुनिया अब उनके बनाए गए पुराने नियमों से नहीं चल सकती और नई पीढ़ियों को भी यह समझना ही होगा कि कोई भी उन्नत तकनीकी जीवन के उस जमीनी अनुभव की जगह नहीं ले सकती जो पुरानी पीढ़ी ने दशकों के संघर्ष में कमाया है। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा।

तकनीकी बदलाव व आपसी संवाद

पुरानी पीढ़ी ने चिट्ठियों के दौर से लेकर लैंडलाइन और फिर बहुत बाद में स्मार्टफोन का सफर तय किया। इसके ठीक विपरीत, जेन-जी वह पीढ़ी है जिसे डिजिटल नेटिव कहा जाता है। उन्होंने इंटरनेट के साथ ही आंखें खोली हैं। उनके लिए दुनिया की हर जानकारी उनकी उंगलियों पर रही है। जेन-अल्फा इन सबसे भी एक कदम आगे है। यह वह पीढ़ी है जो साल दो हजार दस के बाद पैदा हुई है और जिसे एआई नेटिव कहा जा सकता है। जेन-अल्फा के बच्चे जब बोलना भी नहीं सीखे थे, तब वे स्मार्टफोन और टैबलेट की स्क्रीन को स्वाइप करना जानते थे। उनके लिए एलेक्सा, सिरी और चैटजीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले टूल किसी इंसान की तरह ही उनके दोस्त और शिक्षक बन चुके हैं। तकनीक ने पुरानी पीढ़ी को दुनिया से जोड़ा था, जेन-जी ने तकनीक के जरिए अपनी एक अलग दुनिया बनाई, लेकिन जेन-अल्फा तकनीक के भीतर ही सांस ले रही है। इस तकनीकी बदलाव ने आपसी संवाद और भाषा के स्वरूप को भी पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पुरानी पीढ़ी के लिए संवाद का अर्थ आमने-सामने बैठकर लंबी बातचीत करना था।

इंटरनेट स्लैंग और इमोजी

जेन-जी की भाषा इंटरनेट की गति से चलती है। उनके लिए एक लंबी फोन कॉल भी कई बार असुविधाजनक होती है क्योंकि वे टेक्स्ट मैसेज, वॉयस नोट्स और मीम्स के जरिए अपनी बात कहना ज्यादा पसंद करते हैं। उनकी भाषा में इंटरनेट स्लैंग और इमोजी का गहरा प्रभाव है, जहां एक छोटा सा चित्र पूरी भावना को व्यक्त कर देता है। जेन-अल्फा की संवाद शैली इससे भी अधिक दृश्य और त्वरित होने वाली है। वे ऐसी पीढ़ी हैं जो टेक्स्ट से ज्यादा वीडियो और इंटरैक्टिव माध्यमों पर निर्भर है। उनके लिए स्क्रीन पर चल रहे विजुअल्स ही उनके संवाद की प्राथमिक भाषा बन चुके हैं। इन पीढ़ियों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों में भी जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। पुरानी पीढ़ी के लिए समाज का मतलब उनका पड़ोस, उनका गांव या उनका शहर होता था। वे एक ऐसे ढांचे में पले-बढ़े जहां व्यक्ति से ज्यादा परिवार और समाज का महत्व था। लेकिन जेन-जी ने इस ढांचे को चुनौती दी है। उनके लिए समाज की कोई भौगोलिक सीमा नहीं है। वे दक्षिण कोरिया के पॉप संगीत को सुनते हैं, अमेरिकी मीम्स पर हंसते हैं और यूरोप के जलवायु अभियानों का हिस्सा बनते हैं।

एक-दूसरे से विपरीत रवैया

भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इन पीढ़ियों का रवैया एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत है। पुरानी पीढ़ी ने कई युद्ध, अकाल और आर्थिक मंदी के दौर देखे हैं जिसने उन्हें भीतर से बेहद कठोर और सहनशील बनाया। दुख या तनाव को चुपचाप सह लेना ही उनके लिए जीवन जीने का एकमात्र तरीका था। इसके विपरीत, जेन-जी शायद इतिहास की पहली ऐसी पीढ़ी है जो अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सबसे ज्यादा मुखर है। वे थेरेपी पर खुलकर बात करते हैं, अपनी कमजोरियों को छिपाने के बजाय दुनिया के साथ साझा करते हैं और अपने लिए भावनात्मक सीमाएं तय करते हैं। हालांकि, हर समय स्क्रीन से चिपके रहने और सोशल मीडिया पर एक परफेक्ट जीवन दिखाने के भारी दबाव ने जेन-जी को एंग्जायटी का शिकार भी बनाया है। जेन-अल्फा की स्थिति इस मामले में और भी जटिल है। यह वह पीढ़ी है जिसने अपने जीवन के शुरुआती और सबसे महत्वपूर्ण साल महामारी के कारण घर की चारदीवारी में बिताए हैं। उनका स्क्रीन टाइम बहुत अधिक है और असली इंसानी रिश्तों से उनका जुड़ाव कम होता जा रहा है जो उनके मनोवैज्ञानिक विकास के लिए भविष्य की बड़ी चुनौती बनने वाला है।

प्रेशर ग्रुप की भांति कार्य करे कॉकरोच जनता पार्टी

उम्मीद
चरण जीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू होने के बाद देश के लोगों को यह अधिकार मिला कि वे अपना प्रतिनिधि चुन सकें। इस व्यवस्था को साधने के लिए एक तरफ जहाँ कुछ सामाजिक कार्यकर्ता देश सेवा की भावना से राजनीति में आए तो वहीं कुछ सत्ता लोलुप भी इस प्रक्रिया का फायदा उठाने के लिए राजनीति में आए। कुछ पहले से बने हुए दलों में शामिल हुए, जबकि कुछ ने जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा,और विचार के आधार पर राजनीतिक पार्टियां बना लीं। उस वक्त चूंकि देश गुलामी के दलदल से निकला था इसलिए भारतीय मतदाता इतना परिपक्व नहीं था कि राष्ट्र के मुद्दों को सर्वोपरि रखकर अपना मत व्यक्त कर सके। भारतीय मतदाता की इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए भारत में हजारों की संख्या में राजनीतिक दलों का उदय हुआ। इनमें से अधिकतर विचारधारा के अभाव में नष्ट हो गए। कुछ ने क्षेत्रीय पार्टी का रूप ले लिया। कुछ ने राज्यों की सत्ता हथिया ली। कुछ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे। पिछले दो दशकों में जबसे सोशल मीडिया का प्रादुर्भाव हुआ है, तब से ही कई दल बने और नष्ट हुए हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी का उदय

कॉकरोच जनता पार्टी सोशल मीडिया की सीलन भरी उस आभासी दुनिया की उपज है, जहां मात्र कुछ सेकंड की एक रील वायरल होने पर किसी व्यक्ति को रातों-रात स्टार बना सकती है। किसी को रातों-रात बदनाम करके उसकी जिंदगी तबाह कर सकती है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश की एक साधारण टिप्पणी में निहित एक शब्द को लेकर बनाया गया एक सोशल मीडिया अकाउंट इतना वायरल हुआ कि उस पर फ़ॉलोअर्स की बाढ़ आ गई और रातों-रात मिलियन्स लोग एक इंस्टाग्राम अकाउंट से जुड़ गए। इस तरह से एक ऐसे प्लेटफॉर्म का जन्म हो गया, जहां देश के जेन-जी को अपनी बात रखने का मौका मिला। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। जेन-जी के नाम पर देश की युवा पीढ़ी को हथियार बनाकर पहले से स्थापित राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेक रहे हैं। फिलहाल सरकार से एक मुद्दे पर अपनी मांगें मनवाने में सफल हो जाने वाली सीजेपी के सामने अब सबसे बड़ा संकट अपने अस्तित्व को बचाना और अपने उद्देश्य को स्थापित करना है

कॉकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है, लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।

सीजेपी की विचारधारा

भारतीय राजनीति में केवल दो ही पार्टियां ऐसी हैं जो एक निश्चित विचारधारा से जुडी हुई हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद को अपना प्रमुख एजेंडा मानती है। कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता को अपनी प्रमुख विचारधारा मानती है। बाकी सभी पार्टियां जाति, धर्म, क्षेत्र, या भाषा के नाम पर अपना पोषण करती हैं। कॉकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। इनमें शिक्षा में सुधार, पेपर लीक, रोजगार के बेहतर विकल्प जैसे मुद्दे शामिल है। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।

क्या है पार्टी का भविष्य एवं विकल्प

कॉकरोच जनता पार्टी का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह आने वाले समय में किन मुद्दों पर राजनीति करती हैं। अगर कॉकरोच जनता पार्टी भी अन्य दलों की भांति चुनावी राजनीति में कदम रखती है तो उसे अपने मुद्दे,उद्देश्य और विचार देश की जनता के सामने स्पष्ट करने होंगे। वर्ना बहुत सारे अन्य दलों की तरह वह भी चुनाव चिन्हों की भीड़ में एक सिम्बल मात्र बनकर रह जाएगी। सीजेपी के पास सबसे बेहतर विकल्प तो यही है कि वह एक प्रेशर ग्रुप की भांति कार्य करे। देश में समस्याओं और मुद्दों की कमी नहीं है। जिस तरह से पेपर लीक के मामले को राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर मंत्री का इस्तीफ़ा कराना और एक बेहतर कानून बनाने के लिए सरकार को मजबूर करना ये किसी अन्य राजनीतिक दल के बस का काम नहीं था। देश की युवा शक्ति ने यह कर दिखाया है। एक और बड़ी चुनौती सीजेपी के सामने किसी भी राजनीतिक दल के द्वारा इस्तेमाल होने की है। आज जो पार्टियां अपनी प्रासंगिकता खोती जा रही हैं, वे किसी भी तरह के समझौते के लिए तैयार हो जाती हैं, उनसे बचने की ज़रूरत है। कॉकरोच की सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह सबसे विपरीत परिस्थितियों में सर्वाइव कर सकता है। वहीं, उसका सबसे बड़ा दुर्गुण ये है कि वह खाता कम है खराब अधिक करता है। पहला गुण अच्छा है, लेकिन दूसरे से बचना होगा। मतलब सीधा सा है कि युवा पीढ़ी के वास्तविक मुद्दों को उठाना, उनके लिए संघर्ष करना, सरकारों को बेहतर विकल्प देने के लिए मजबूर करना, देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कार्य करना। इस सोच के साथ जब तक कॉकरोच जनता पार्टी आगे बढ़ती रहेगी उसे जनता और युवाओं का समर्थन मिलता रहेगा, वर्ना एक बार विश्वास उठने के बाद फिर से खड़ा होना बहुत मुश्किल है।

असहमति की भाषा संवाद के रास्ते खुले रखे

मंथन
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली का जंतर-मंतर लंबे समय से लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहां समय-समय पर विभिन्न वर्गों ने अपनी मांगों, असहमतियों और अपेक्षाओं को सामने रखा है। हाल के एक आंदोलन के दौरान भी जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति देखने को मिली। इस आंदोलन की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इसमें शामिल जेन जी ने अपने व्यक्तित्व के अनेक रंग प्रस्तुत किए। एक ओर ऐसे युवा थे जो अपने तर्कों और मांगों को पूरी गंभीरता के साथ रख रहे थे, वहीं दूसरी ओर कुछ युवाओं की भाषा, नारे और प्रस्तुति शैली ने अलग कारणों से ध्यान आकर्षित किया। उनकी भाषा कई लोगों को अटपटी, अनगढ़ या असामान्य लगी।

यह स्थिति केवल किसी एक आंदोलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बदलते सामाजिक और डिजिटल परिवेश का भी संकेत देती है। आज की पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया और रील्स के बीच बड़ा हुआ है। उसकी भाषा में मीम, इंटरनेट स्लैंग, व्यंग्य और लोकप्रिय सांस्कृतिक संदर्भ सहज रूप से शामिल हो गए हैं। इसलिए जब यह पीढ़ी सड़कों पर उतरती है, तो उसकी अभिव्यक्ति भी पारंपरिक आंदोलनों से अलग दिखाई देती है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि जेन जी को केवल उसकी भाषा से नहीं समझा जा सकता। हाल के आंदोलन में अनेक युवा ऐसे भी थे जो तथ्यों के साथ अपने अधिकारों, भविष्य और नीतिगत प्रश्नों पर गंभीर चर्चा कर रहे थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस पीढ़ी के भीतर संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना का भी एक मजबूत पक्ष मौजूद है। इसके विपरीत, कुछ सोशल मीडिया क्लिप्स में ऐसे नारे, टिप्पणियां और संवाद भी सामने आए जिनमें अत्यधिक अनौपचारिक भाषा, कटाक्ष या वायरल होने की प्रवृत्ति दिखाई दी। कई बार ऐसा लगा कि कुछ प्रतिभागी आंदोलन के मूल उद्देश्य से अधिक कैमरे की उपस्थिति के प्रति सजग हैं। यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। किसी पोस्टर की रचनात्मकता, किसी नारे की चुटीली पंक्ति या किसी छोटे वीडियो का वायरल होना कई बार आंदोलन के मूल मुद्दे से भी अधिक चर्चा का विषय बन जाता है। उदाहरण के लिए 2019 के हांगकांग आंदोलन में युवाओं ने डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन मंचों और रचनात्मक पोस्टरों का व्यापक उपयोग किया।

वहीं, अमेरिका के ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन में जेन जी ने सोशल मीडिया द्वारा जनसमर्थन जुटाने में बड़ी भूमिका निभाई। हर बार हो जाए, तो आंदोलन के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट सकते हैं और चर्चा केवल शैली तक सीमित रह जाती है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अभिव्यक्ति का अभूतपूर्व मंच दिया है। इसके सकारात्मक परिणाम भी हैं।

आज कोई भी युवा अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है, तथ्यों को साझा कर सकता है और जनसमर्थन जुटा सकता है। इसी माध्यम ने त्वरित लोकप्रियता की चाह भी बढ़ाई है। कई बार कुछ लोग गंभीर विषयों को भी मनोरंजन या वायरल सामग्री में बदल देते हैं। आंदोलन जैसे

जंतर-मंतर पर हाल के आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि जेन-जी एकरूप नहीं है। इस पीढ़ी में गंभीर चिंतन करने वाले युवा भी हैं, तकनीक का रचनात्मक उपयोग करने वाले भी हैं और ऐसे लोग भी हैं जो अपनी अभिव्यक्ति में अत्यधिक अनौपचारिक या सनसनीखेज शैली अपनाते हैं।

यह सवाल भी उठा कि क्या आंदोलन का संदेश अधिक महत्वपूर्ण है या उसकी सोशल मीडिया प्रस्तुति? जेन जी की भाषा को समझने के लिए यह भी ध्यान रखना होगा कि भाषा हमेशा समाज के साथ बदलती है। जिस भाषा को एक पीढ़ी सहज मानती है, दूसरी पीढ़ी उसे असामान्य या असभ्य समझ सकती है। यह पीढ़ियों के बीच का स्वाभाविक अंतर है। लेकिन लोकतांत्रिक आंदोलनों में भाषा का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि वही आंदोलन की नैतिक शक्ति और विश्वसनीयता का आधार बनती है। यदि भाषा अत्यधिक आक्रामक, अपमानजनक या असंगत गंभीर लोकतांत्रिक माध्यम में यह प्रवृत्ति सावधानी की मांग करती है। लोकतंत्र में विरोध और असहमति दोनों आवश्यक हैं, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि असहमति की भाषा ऐसी हो जो संवाद के रास्ते खुले रखे।

प्रभावशाली आंदोलन केवल भीड़ से नहीं, बल्कि विचार, अनुशासन और विश्वसनीय संवाद से मजबूत बनते हैं। हर पीढ़ी अपनी भाषा लेकर आती है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा अंततः वही होती है जिसमें मतभेद के साथ मर्यादा, विरोध के साथ विवेक और उत्साह के साथ उत्तरदायित्व भी शामिल हो।

सह-भागीदारी का मार्ग अपनाए सरकार

व्यवस्था
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

डिजिटल युग में पले-बढ़े युवाओं की पीढ़ी 'जेन-जी' आज केवल सोशल मीडिया की प्रवृत्ति तय नहीं कर रही बल्कि वैश्विक स्तर पर सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विमर्श को भी आकार दे रही है। भारत से लेकर नेपाल, बांग्लादेश और कई अन्य देशों तक, जेन-जी के नेतृत्व में हो रहे जन-आंदोलन और उनकी मांगों ने सत्ता संरचनाओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सवाल यह उठता है कि आखिर यह पीढ़ी सरकार और उसकी व्यवस्था से असहज या नाराज क्यों है? और ऐसा क्या किया जाना चाहिए जिससे युवा स्वयं को शासन प्रक्रिया का हिस्सा महसूस कर सकें?

जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं; उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है। कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं नीट, यूपीएसी, एसएससी, सीयूईटी की तैयारी में जीवन के कई वर्ष बिताने के बावजूद पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और अदालती मुकदमों के कारण भर्तियों में देरी युवाओं के धैर्य को तोड़ रही है। पारंपरिक राजनीति और संवादहीनता भी इस नाराजगी का बड़ा कारण है। जब सरकारें युवाओं के मुद्दों पर सीधे संवाद करने के बजाय सोशल मीडिया ट्रोलिंग और प्रतिबंधों का सहारा लेती हैं तो युवाओं को लगता है कि उनकी आवाज को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की अनिश्चितता भी एक बड़ी वजह है। कोचिंग संस्कृति के बढ़ते दबाव, आर्थिक असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों को लेकर इस पीढ़ी में चिंता और अनिश्चितता का माहौल है। नीतियां बनाते समय युवाओं के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी वास्तविक चिंताओं की अनदेखी हो रही है। प्रशासनिक पारदर्शिता का अभाव भी जेन-जी की नाराजगी बढ़ाता है। यह पीढ़ी 'इंस्टेंट फीडबैक' और 'रीयल-टाइम ट्रांसपेरेंसी' के दौर में बढ़ी हुई है। जब उन्हें सरकारी दफ्तरों में लालफीताशाही, भ्रष्टाचार और अपारदर्शी निर्णय प्रक्रिया दिखती है तो उनका तंत्र से भरोसा उठने लगता है। आज के युवा का भरोसा जीतने के लिए सरकारों को नीति व कामकाज में आवश्यक बदलाव लाना होगा और सह-भागीदारी का मार्ग अपनाना होगा। यदि सरकारें युवाओं को केवल 'वोट बैंक' या नीतिगत निर्णयों का 'लाभार्थी' मानने के बजाय 'सह-निर्माता' के रूप में देखना चाहती है तो उसे ढांचागत बदलाव करने होंगे। परीक्षा और रोजगार प्रणाली में आमूलचूल सुधार लाना होगा। एक पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती ढांचे की सख्त जरूरत है। भर्ती प्रक्रियाओं के लिए एक राष्ट्रीय कैलेंडर और भ्रष्टाचार-मुक्त डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली अनिवार्य की जानी चाहिए। पेपर लीक जैसे अपराधों पर कठोर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई दिखती नजर आनी चाहिए। भविष्य-उन्मुख कौशल और नौकरियों के लिए युवाओं को सक्षम बनाने की जरूरत है। केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे रहने की बजाय एआई, डेटा साइंस, ग्रीन एनर्जी और क्रिएटर इकोनॉमी जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जाए और गिग-वर्कर्स के लिए न्यूनतम वेतन व सामाजिक सुरक्षा कानून बनाए जाएं। जेन-जी की विचारशैली को डिकोड करने के लिए 'डिजिटल लोकतंत्र' और प्रत्यक्ष संवाद की जरूरत है। युवा संसद और ओपन डेटा पोर्टल इस दिशा में कारगर उपाय हैं। सरकार को नीति निर्माण से पहले युवाओं से सीधे सुझाव लेने के लिए आधुनिक प्लेटफॉर्म युवा-समीक्षा पोर्टल एवं एप्स बनाए

जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं; उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है।

जाएं। युवाओं के साथ सीधा और सच्चा संवाद जरूरी है। सरकार के नीति-निर्माताओं, और नौकरशाहों को विश्वविद्यालयों और स्टार्ट-अप हब्स में जाकर युवाओं के सवालों का जवाब देना चाहिए। नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत हैं। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल और छात्र आत्महत्याओं जैसी त्रासदियों से निपटने के लिए काउंसलिंग के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाना आवश्यक है और कोचिंग संस्थानों के अनियंत्रित व्यावसायीकरण पर नकेल कसना जरूरी है।

आप संयोजक केजरीवाल ने नई दिल्ली में आयोजित 'नेशनल टाउन हॉल' में ई20 के खिलाफ आवाज उठाई

राष्ट्रपति ट्रंप को खुश करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी देश पर जबरन इथेनॉल थोप रहे, अमेरिका बड़ा निर्यातकः केजरीवाल

कहा, अगर हमारी मांगें नहीं मानी जाती हैं तो 4 अगस्त को प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकाला जाएगा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को शुद्ध पेट्रोल और ई 20 के बीच चुनने का विकल्प दिया जाए। अगर ये मांग नहीं मानी जाती है तो 4 अगस्त को पीएम आवास तक मार्च निकाला जाएगा। केजरीवाल ने यह बात ई20 फ्यूल के मुद्दे पर नई दिल्ली में आयोजित 'नेशनल टाउन हॉल' में कही।

केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को खुश करने के लिए हमारे देश पर जबरदस्ती इथेनॉल थोप रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका इथेनाल का प्रोडक्शन करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश है। पिछले साल भारत ने अमेरिका से 1 बिलियन लीटर इथेनाल आयात किया था। इस साल ई20 लागू होने के बाद, भारत पिछले साल की तुलना में अमेरिका से 5 गुना अधिक इथेनाल आयात करेगा। ट्रम्प को खुश करने के लिए पीएम मोदी देश की जनता को बर्बाद कर रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि इथेनॉल बनाने वाले प्लांट के आस-पास के इलाकों में जमीन के नीचे का पानी प्रदूषित हो जाता है। मेरी सरकार से अपील है कि वह उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करे, जिसका हवाला देकर सरकार ने दावा किया था कि ई20 से वाहनों को कोई नुकसान नहीं होता है। नेशनल टाउन हॉल' में कई राज्यों के लोग शामिल हुए। उन्होंने ई20 के इस्तेमाल को लेकर अपने अनुभव और समस्याओं के बारे में बताया जिनका सामना उन्हें अपने वाहनों के साथ करना पड़ रहा है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सरकार से उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का भी आग्रह किया जिसका हवाला देकर दावा किया जा रहा है कि ई20 से वाहनों को नुकसान नहीं पहुंचता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का कहना है कि अध्ययन किए जा चुके हैं और ई20 से वाहनों को कोई नुकसान नहीं होता है। मैं चाहता हूं कि वे उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करें।

केजरीवाल ने कहा कि वे 3 अगस्त की दोपहर तक याचिकाएं इकट्ठा करेंगे। इसके बाद करीब 100 लोगों के साथ पीएम आवास तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इथेनॉल फायदेमंद नहीं है, तो इसे बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है। सरकार नागरिकों पर इसे क्यों थोप रही है। 'कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया' में ई-20 फ्यूल पर आयोजित एक 'टाउन हॉल' बैठक को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि वह मंगलवार दोपहर को हस्ताक्षर अभियान के तहत ज्ञापन एकत्र करेंगे और लगभग 100 लोगों के साथ लोक कल्याण मार्ग स्थित नरेन्द्र मोदी के आवास की ओर मार्च का नेतृत्व करेंगे। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि पेट्रोल और डीजल की गाड़ियां खरीदना बंद कर दें। इस बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से फायदा हुआ है। अगर ऐसा नहीं करते तो ईरान संकट के दौरान पेट्रोल की कीमत 125 रुपए प्रति लीटर से भी ज्यादा हो सकती थी।

खबर संक्षेप

दिल्ली में लक्ष्मी योजना पोर्टल लॉन्च किया

नई दिल्ली। दिल्ली की भाजपा सरकार ने अपना एक और चुनावी वादा पूरा कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली लक्ष्मी योजना का पोर्टल लॉन्च किया है।योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। सीएम ने 4 महिलाओं को प्रमाणपत्र भी सौंपे। 500 महिलाओं ने फॉर्म भरे।

सुवेंदु के पीए की हत्या में 2 लोग गिरफ्तार

कोलकाता। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पूर्व निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में सीबीआई ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो सगे भाइयों सागर सोनकर और साहिब सोनकर को गिरफ्तार किया है। दोनों हत्या की साजिश के अहम किरदार थे। सागर पर शूटरों को सुपारी दिलाने और धन उपलब्ध कराने का आरोप है।

पीड़ितों से मिलने पहुंचीं सायोनी, गद्दार के नारे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 12 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप और हत्या का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। इस मामले में पीड़ित परिवार से टीएमसी की बागी सांसद सायोनी घोष भी पहुंचीं। घोष जब बारुईपुर पहुंचीं, तब भीड़ में शामिल लोग गद्दार और बेईमान के नारे लगाते नजर आए।

चढ़ावा में हेराफेरी नौटियाल को जेल

गोपेश्वर। कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद एसआईटी ने बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी मामले के मुख्य आरोपित वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल को जेल भेज दिया। ठिकानों पर ले जाकर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। पूछताछ व तलाशी में आरोपित से ठोस सबूत हाथ लगे हैं।

पुणे में तिलक के राष्ट्रसेवा के विचारों को एक बार फिर स्मरण कराया

शाह ने डोभाल को लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से किया सम्मानित

देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को मिला सम्मान, मौजूद अतिथियों ने भी की सराहना

एजेंसी ▶▶| पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में शनिवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अजीत को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की। समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, लोकमान्य तिलक ट्रस्ट के ट्रस्टी रोहित तिलक सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक व्यक्ति और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस समारोह ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के राष्ट्रसेवा के विचारों को एक बार फिर स्मरण कराया।

सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले एनएसए बने

81 वर्षीय डोभाल भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं और अभी इस पद पर बने हुए हैं। अपने लंबे करियर में उन्होंने मिजोरम, सिक्किम, पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाकों में काम किया है। इस्लामाबाद और लंदन में भारतीय मिशनों में भी उनकी अहम भूमिका रही। डोभाल भारत-चीन सीमा वार्ता के लिए भारत के विशेष प्रतिनिधि भी रह चुके हैं। 2017 में डोकलाम गतिरोध को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने में उनकी भूमिका को विशेष रूप से सराहा गया था। उनके रणनीतिक फैसलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए उन्हें यह सम्मान दिया जा रहा है।

1983 में हुई पुरस्कार की शुरुआत

लोकमान्य तिलक पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1983 में महाराष्ट्र मंडल, पुणे द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार हर साल 1 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति, विकास और सामाजिक उत्थान में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। सबसे पहले यह पुरस्कार समाजवादी नेता एसएम जोशी को प्रदान किया गया था। यह पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और इंदिरा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और शरद पवार सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों को मिल चुका है।

तिलक से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए

उन्होंने यह भी कहा कि देश का सौभाग्य है कि हमारे पास पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जैसे नेता हैं। उन्होंने कहा कि तिलक से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। वह न सिर्फ स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारी थे बल्कि एक समाज सुधारक और दार्शनिक के तौर पर भी उनका योगदान देश को मिला।

राष्ट्र निर्माण पहली प्राथमिकता होनी चाहिए

डोभाल ने कहा कि भारत अपने इतिहास के महत्वपूर्ण पड़ाव से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के इतिहास में यह अहम मौका आया है, इसे हमें फिसलने नहीं देना चाहिए। हमारी प्राथमिकता फिलहाल यही है कि राष्ट्र निर्माण किया जाए। भारत के उज्ज्वल भविष्य पर भरोसा जताते हुए डोभाल ने कहा कि अपने मिशन में देश सफल होगा और दुनिया के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा।

एनएसए डोभाल का युवाओं को संदेश

सिर्फ अपने मन की करना ही आजादी नहीं, निजी हित को त्यागें

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने युवाओं को संदेश दिया है कि सिर्फ अपने मन की करना ही आजादी का उद्देश्य नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें अपने व्यक्तिगत हितों की बजाय देश के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। अवॉर्ड लेने के बाद डोभाल ने कहा कि आज युवा यह सोच सकते हैं कि वह जो चाहें वैसा करने की आजादी है, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि आज युवाओ को खुद को राष्ट्रहित के लिए पूरी तरह समर्पित कर देना चाहिए। उन्हें अपने छोटे निजी हितों का त्याग करना चाहिए। ऐसी महत्वाकांक्षा कभी उभरे भी तो उसे नजरअंदाज करना चाहिए।

कानून में संशोधन को राष्ट्रपति की मंजूरी

पेपर लीक कानून पर लगी मुहर, बनेंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक मामलों में आरोपियों के खिलाफ त्वरित सुनवाई के लिए राज्यों को फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने का अधिकार देने तथा सजा को और कड़ा करने वाले संशोधित कानून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, विधि मंत्रालय ने बताया कि संसद के दोनों सदनों से इस सप्ताह पारित लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी मंजूरी दे दी है।

संशोधित कानून के तहत अब प्रश्नपत्र लीक से जुड़े मामलों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी। कानून के अनुसार, प्रश्नपत्र लीक कराने या परीक्षाओं में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने के दोषियों को कम से कम पांच वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष के कारावास तथा 50 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। संगठित अपराध के मामलों में संशोधित कानून में न्यूनतम सात वर्ष के कारावास और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) -2026 प्रश्नपत्र लीक को लेकर दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में छात्रों के व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के बीच इस विधेयक को जल्द पारित कराने पर जोर दिया था।

2024 में लाया गया था मूल कानून

2024 का मूल कानून उस समय लाया गया था, जब सरकार प्रश्नपत्र लीक के कई विवादों का सामना कर रही थी। 2024 के कानून से पहले केंद्र और उसकी एजेंसियों द्वारा लोक परीक्षाओं में अपनाए जाने वाले अनुचित साधनों तथा संबंधित अपराधों से निपटने के लिए कोई विशेष व्यापक कानून नहीं था।

दो वर्ष पुराने अधिनियम में संशोधन

यह नया कानून दो वर्ष पुराने अधिनियम में संशोधन करते हुए जुर्माने की राशि बढ़ाता है और प्रश्नपत्र लीक के दोषियों के लिए अधिक कठोर दंड का प्रावधान करता है। हालिया छात्र आंदोलनों के दौरान प्रधानमंत्री ने इस कानून और त्वरित सुनवाई अदालतों के गठन का आश्वासन दिया था। कानून में 15 तरह के अवैध कृत्यों का उल्लेख किया गया है, जिनमें प्रश्नपत्र लीक करना, ओएमआर शीट से छेड़छाड़, फर्जी वेबसाइट तैयार करना,फर्जी प्रवेश पत्र जारी करना शामिल हैं।

पहले इसलिए लाया गया था कानून

पूर्व अधिनियम का उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) तथा अन्य द्वारा आयोजित लोक परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर रोक लगाना था। संशोधित कानून के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को त्वरित सुनवायी अदालतें गठित करने का निर्देश दिया जाएगा।

राजनीतिक प्रदर्शन को लेकर संत समाज में नाराजगी बढ़ी

राहुल, पप्पू यादव व अवधेश प्रसाद पर वाराणसी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

हिंदू संत परंपरा और भगवान को बदनाम कर आस्था को चोट पहुंचाई

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

पातालपुरी मठ, नरहरिपुरा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु बालक देवाचार्य ने संसद परिसर में हुए एक राजनीतिक प्रदर्शन को लेकर थाना कोतवाली में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। मामले में पुलिस ने शनिवार को मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस को दिए गए प्रार्थना-पत्र में आरोप लगाया गया है कि 31 जुलाई को संसद परिसर में हुए सार्वजनिक राजनीतिक प्रदर्शन के दौरान हिंदू संत परंपरा, भगवान श्रीराम मंदिर तथा श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित पवित्र दान का प्रतीकात्मक एवं नाटकीय प्रदर्शन कर करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत किया गया।

हिंदू संतों के स्वरूप का दुरुपयोग किया गया

तहरीर में राहुल, यादव तथा अवधेश का नाम लेते हुए आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान भगवा वस्त्र और हिंदू संतों के स्वरूप का राजनीतिक उद्देश्य से उपयोग किया गया और श्रीराम के मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित दान को प्रदर्शन का विषय बनाया। इससे हिंदू आस्था, संत परंपरा और धार्मिक प्रतीकों का उपहास हुआ समाज में धार्मिक तनाव फैलने की आशंका है।

यादव के खिलाफ नई दिल्ली में शिकायत, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन में यादव के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत सूर्य मैथिल ने दर्ज कराई है। जंतर-मंतर पर वीएचपी प्रदर्शन कर रही है। संत समाज के सम्मान में 'सद्बुद्धि हवन' आयोजित हुए।

कांग्रेस ने किया प्रधानमंत्री मोदी पर हमला, बोले- माफी मांगें

'विक्टिम कार्ड' खेलने का लगाया आरोप, 'इंस्टाग्राम सभाओं' को उनकी 'अत्यधिक आत्ममुग्धता' बताया

विरोधियों के खिलाफ आपत्तिजनक और कटु भाषा का इस्तेमाल कर रहे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन युवाओं को माफ करने की बात कहकर 'विक्टिम कार्ड' खेल रहे हैं, जिन्होंने उन्हें अपशब्द कहे थे। कांग्रेस ने मांग की कि प्रधानमंत्री छात्रों पर हुई 'बर्बर कार्रवाई' और पेपर लीक के कारण युवाओं को हुई परेशानी के लिए माफी मांगें। प्रधानमंत्री की 'इंस्टाग्राम सभाएं' अब किसी को प्रभावित नहीं कर रही हैं। उन्होंने इसे 'अत्यधिक आत्ममुग्धता' का उदाहरण बताया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर माफी का बात कही।

जयराम बोले-बार-बार झूठ फैला रहे

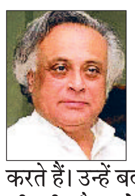

जयराम रमेश ने पोस्ट में कहा, खुद को गैर-जैविक बताने वाले प्रधानमंत्री को विक्टिम कार्ड (खुद को पीड़ित दिखाना) खेलना पसंद है। यह भी आरोप लगाया कि वे अपने पूर्ववर्तियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और कटु भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें बदनाम करने बार-बार झूठ फैलाते हैं। अपशब्द कहने वालों की पूरी फौज को खुली छूट देते हैं। देश चाहता है कि प्रधानमंत्री पेपर लीक के मामलों और प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कार्रवाई पर माफी मांगें।

पीएम मोदी को गालियां देने वाली ने मांगी माफी

सीजेपी के प्रदर्शन में प्रधानमंत्री को गाली देने वाली लड़की ने सार्वजनिक माफी मांग ली है। रुचिका सिंह ने गंदी गालियां दी थीं। रुचिका ने कहा- इसके लिए मैं शर्मिंदा हूं।

चुनाव आयोग का मतदाता सूची को सही बनाने का संकल्प

ओडिशा में एसआईआर की समयसीमा बढ़ी 19 अगस्त तक करा सकेंगे दावे-आपत्तियां

19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 'एसआईआर' शुरू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने ओडिशा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की समयसीमा बढ़ा दी है। मतदाता अब 19 अगस्त तक दावे और आपत्तियां दाखिल कर सकेंगे। 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 'विशेष गहन संशोधन' की घोषणा की थी। ओडिशा में दावे व आपत्तियां दाखिल करने की मूल अवधि 5 जुलाई से 4 अगस्त तक तय की गई थी। हालांकि, आयोग ने दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा 19 अगस्त तक बढ़ा दी है।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव

ईवीएम में नजर आएगी नेताजी की रंगीन तस्वीर

इस बार उत्तराखंड में नेताओं की रंगीन तस्वीर ईवीएम पर दिखेंगी। राजनीतिक दलों का बस्ता अब मतदान केंद्र से केवल 100 मीटर दूर नजर आएगा। आयोग के ये बदलाव आगामी विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में नजर आएंगे।अभी तक ईवीएम में प्रत्याशियों की छोटी और ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर होती थी। इनमें कई तस्वीरें तो ऐसी होती थीं कि मतदाता को अपने प्रत्याशी को पहचानना मुश्किल होता था। इस बार चुनाव आयोग ने इसमें बड़ा बदलाव लागू कर दिया है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर उठे सवालों के बीच हरियाणा की घटनाएं भी चिंताजनक

एचटेट में मिस प्रिंट और प्रश्नों की त्रुटियां गंभीर, परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करे सरकार, जवाबदेही होः सैलजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2026 के प्रश्नपत्रों में मिस प्रिंट, गलत विकल्प और अन्य तकनीकी त्रुटियों के कारण हजारों परीक्षार्थियों को हुई परेशानी पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार सामने आने वाली ऐसी खामियां न केवल परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि वर्षों से तैयारी कर रहे युवाओं के मनोबल को भी प्रभावित करती हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में नीट सहित कई भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं को लेकर विवाद तथा युवाओं के आंदोलन देखने को मिले हैं। ऐसे माहौल में सरकारों और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा और परिणाम घोषित करने तक प्रत्येक स्तर पर पूरी सावधानी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि एचटेट-2026 में करीब 2.33 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए और अब प्रश्नपत्रों में मिस प्रिंट, गलत विकल्प तथा अन्य त्रुटियों को लेकर 18 हजार से अधिक आपत्तियां दर्ज होने की बात सामने आई है। यह संख्या अपने आप में गंभीर है। यदि विषय विशेषज्ञों की जांच में प्रश्न या विकल्प गलत पाए जाते हैं तो उससे प्रभावित किसी भी परीक्षार्थी का नुकसान नहीं होना चाहिए। बोर्ड को निष्पक्ष तरीके से उचित ग्रेस अंक देने और आपत्तियों का समयबद्ध निपटारा करने की व्यवस्था करनी चाहिए।

सांसद सैलजा ने कहा कि हरियाणा में प्रतियोगी और भर्ती परीक्षाओं को लेकर विवाद पहली बार सामने नहीं आए हैं। पूर्व में भी विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक, प्रश्नपत्र संबंधी त्रुटियों अथवा अन्य प्रशासनिक कारणों से परीक्षाएं रद्द या प्रभावित होने के मामले सामने आते रहे हैं। हिंदी लेक्चरर की परीक्षा से जुड़ा विवाद भी इसका उदाहरण रहा है। कारण चाहे पेपर लीक हो, गलत प्रश्न हों, मिस प्रिंट हो या प्रशासनिक चूक, अंततः सबसे अधिक परेशानी उस युवा को उठानी पड़ती है जो महीनों और वर्षों तक मेहनत करके परीक्षा देने पहुंचता है।

बदल रही सोने-चांदी की चाल, क्या करें निवेशक

घबराएं नहीं, समझदारी से लें निवेश का फैसला ▸▸ अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बढ़ी सतर्कता ▸▸ मजबूत डॉलर और वैश्विक दबाव से बुलियन बाजार में गिरावट

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गई। इस गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता, डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में आई कमजोरी मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे लंबी अवधि के नजरिए से बड़ी चिंता का विषय नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद, गोल्ड ईटीएफ में बढ़ते निवेश और एशियाई देशों से मजबूत मांग जैसे कारक अब भी सोने को सहारा दे रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए खतरे की घंटी है या फिर लंबे समय के निवेशकों के लिए बेहतर खरीदारी का अवसर। आने वाले दिनों में फेड के फैसले पर बाजार की अगली दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय है या फिर खरीदारी का अवसर?

गिरावट की सबसे बड़ी वजह

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता है। निवेशकों को उम्मीद है कि फेड के ब्याज दरों पर आने वाले फैसले से आने वाले महीनों में सोने और चांदी की दिशा तय होगी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में मजबूती भी बुलियन बाजार पर दबाव बना रही है। डॉलर इंडेक्स एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। चूंकि वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के खरीदारों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं।

फेड का फैसला क्यों होता है इतना अहम?

सोना और चांदी ब्याज नहीं देते। इसलिए जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रखते हैं तो निवेशक अधिक रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं। इससे बुलियन की मांग घटती है। इसके विपरीत यदि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है या फेड नरम रुख अपनाता है, तो सोना निवेशकों के लिए फिर आकर्षक बन जाता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया के निवेशकों की नजर फेडरल रिजर्व की हर बैठक पर रहती है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि फेड भविष्य में दरों में कटौती के संकेत देता है तो सोने और चांदी में फिर से तेजी लौट सकती है। वहीं अपेक्षा से अधिक सख्त रुख अपनाने पर कीमतों में कुछ और दबाव देखने को मिल सकता है।

विशेषज्ञ क्या कह रहे

एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी एवं करेंसी रिसर्च विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बुलियन बाजार में कमजोरी और भारतीय रुपये की मजबूती ने एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को प्रभावित किया है। उनका मानना है कि फिलहाल निवेशक फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और उसी के आधार पर बाजार अगली दिशा तय करेगा। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार डॉलर इंडेक्स में मजबूती के कारण सोने और चांदी दोनों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि उनका कहना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव फिलहाल वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर रहेगा।

क्या सोने की तेजी खत्म हुई

विश्लेषकों की राय इससे अलग है। उनका मानना है कि अल्पकालिक गिरावट के बावजूद सोने की लंबी अवधि की तस्वीर अभी भी सकारात्मक बनी हुई है। इसके पीछे कई मजबूत कारण हैं।

- वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता।
- केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद।
- गोल्ड ईटीएफ में निवेश का बढ़ना।
- चीन और अन्य एशियाई देशों में मजबूत भौतिक मांग।
- भू-राजनीतिक तनाव की संभावना।
- इन सभी कारणों से सोने को लंबे समय में समर्थन मिलता रह सकता है।

चांदी में उतार-चढ़ाव ज्यादा क्यों

चांदी केवल निवेश धातु नहीं बल्कि औद्योगिक धातु भी है। इसका उपयोग सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और विभिन्न औद्योगिक उत्पादों में तेजी से बढ़ रहा है। इस कारण चांदी की कीमतें सोने की तुलना में अधिक तेजी से ऊपर और नीचे जाती हैं। यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था मजबूत रहती है तो औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी में फिर अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। मौजूदा गिरावट में घबराकर निवेश बेचने की जरूरत नहीं है। यदि आपका निवेश लंबी अवधि का है तो ऐसे उतार-चढ़ाव सामान्य माने जाते हैं।

निवेशकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

- ▸▸ एकमुश्त बड़ी खरीदारी करने के बजाय चरणबद्ध निवेश करें।
- ▸▸ पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही सोने और चांदी में रखें।
- ▸▸ यदि कीमतों में और गिरावट आती है तो उसे खरीदारी के अवसर के रूप में देखा जा सकता है।
- ▸▸ फेडरल रिजर्व के फैसले और डॉलर की चाल पर नजर बनाए रखें।
- ▸▸ अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राथमिकता दें।

केवल कमजोरी के रूप में नहीं

सोने और चांदी में आई मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और निवेशकों की सतर्कता का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना अभी भी पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। ऐसे में घबराहट में फैसले लेने के बजाय बाजार की दिशा, वैश्विक संकेतों और अपने निवेश लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाना अधिक समझदारी होगी। फिलहाल फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद ही बुलियन बाजार की अगली बड़ी चाल स्पष्ट होने की संभावना है।

आने वाले दिनों में अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला, डॉलर इंडेक्स की चाल, अमेरिका के महंगाई और रोजगार के आंकड़े, वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम तथा केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बुलियन बाजार की दिशा तय करेंगे। यदि फेड नरम रुख अपनाता है तो सोना और चांदी दोबारा मजबूती दिखा सकते हैं। वहीं मजबूत डॉलर और ऊंची ब्याज दरें बनी रहीं तो कीमतों में कुछ समय तक दबाव जारी रह सकता है।

एफडी तोड़ें या उसी पर लोन लें? जरूरत के समय लें सही फैसला

अचानक पैसों की जरूरत में जल्दबाजी न करें

बिजनेस डेस्क

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। सुरक्षित रिटर्न, निश्चित ब्याज और पूंजी की सुरक्षा के कारण लाखों लोग अपनी बचत एफडी में निवेश करते हैं। लेकिन जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या एफडी को समय से पहले तोड़ दिया जाए या फिर उसी एफडी के बदले बैंक से लोन लिया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इसका कोई एक जवाब सभी पर लागू नहीं होता। सही विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कितने समय के लिए पैसे चाहिए, कितनी राशि की जरूरत है और आपकी लोन चुकाने की क्षमता कैसी है। यदि सही निर्णय लिया जाए तो ब्याज के नुकसान से बचा जा सकता है और निवेश भी सुरक्षित रह सकता है।

एफडी तोड़ने पर क्या होता है?

एफडी एक निश्चित अवधि के लिए किया गया निवेश होता है। यदि इसे मैच्योरिटी से पहले बंद कराया जाता है तो बैंक आमतौर पर तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं देता। कई बैंक प्री-मैच्योर विदड्रॉल पर ब्याज दर कम कर देते हैं और साथ ही पेनाल्टी भी वसूलते हैं। इसका सीधा असर आपके कुल रिटर्न पर पड़ता है। मान लीजिए आपने पांच साल की एफडी कराई है और उसे दो साल बाद ही तोड़ना पड़ जाए। ऐसी स्थिति में बैंक आपको उसी अवधि के हिसाब से ब्याज देगा और उस पर भी जुर्माना काट सकता है। इससे आपकी अनुमानित कमाई कम हो जाती है। हालांकि यदि आपको लंबे समय तक पैसों की जरूरत है और लोन पर चुकाया जाने वाला ब्याज, एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से अधिक है, तो एफडी बंद कराना बेहतर निर्णय हो सकता है। इससे भविष्य में ब्याज का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

एफडी पर कैसे काम करता है लोन

अधिकांश बैंक अपनी एफडी के बदले लोन या ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। आमतौर पर बैंक एफडी राशि का 75 से 90 प्रतिशत तक लोन उपलब्ध कराते हैं। इस दौरान आपकी एफडी जारी रहती है और उस पर पहले की तरह ब्याज मिलता रहता है। लोन पर ब्याज दर सामान्यतः एफडी की ब्याज दर से 1 से 2 प्रतिशत अधिक होती है। उदाहरण के लिए यदि एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है तो बैंक लगभग 8 से 9 प्रतिशत की दर पर लोन दे सकता है। इसलिए यह पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता विकल्प माना जाता है।

कब लेना चाहिए एफडी पर लोन?

यदि पैसों की जरूरत कुछ महीनों या कम अवधि के लिए है और आपको भरोसा है कि समय पर राशि वापस कर देंगे, तो एफडी पर लोन लेना अधिक समझदारी भरा फैसला हो सकता है। इससे आपकी एफडी सुरक्षित रहती है, ब्याज मिलता रहता है और जरूरत के समय तुरंत नकदी भी उपलब्ध हो जाती है। इसके अलावा एफडी पर लोन लेने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत आसान होती है। चूंकि बैंक के पास आपकी एफडी पहले से सुरक्षा के रूप में होती है, इसलिए दस्तावेज कम लगते हैं और लोन जल्दी स्वीकृत हो जाता है।

कब तोड़नी बेहतर रहेगी एफडी

यदि आपको लंबे समय के लिए बड़ी राशि की आवश्यकता है और निकट भविष्य में लोन चुकाने की संभावना नहीं है, तो केवल ब्याज का बोझ बढ़ाने के बजाय एफडी तोड़ना बेहतर हो सकता है। ऐसी स्थिति में हर महीने ईएमआई या ब्याज चुकाने का दबाव नहीं रहेगा। हालांकि एफडी तोड़ने से पहले यह जरूर पता कर लें कि बैंक कितना ब्याज काटेगा और प्री-मैच्योर पेनाल्टी कितनी होगी। कई बार नुकसान अपेक्षा से कम होता है और एफडी बंद करना ज्यादा लाभदायक साबित होता है।

दोनों विकल्पों की तुलना

एफडी तोड़ने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज में कमी और पेनाल्टी है, लेकिन इसके बाद किसी प्रकार की देनदारी नहीं रहती। दूसरी ओर एफडी पर लोन लेने से निवेश सुरक्षित रहता है और एफडी पर ब्याज भी मिलता रहता है, लेकिन लोन की राशि पर अतिरिक्त ब्याज देना पड़ता है।यानी यदि जरूरत अस्थायी है तो एफडी पर लोन बेहतर विकल्प हो सकता है, जबकि लंबी अवधि की जरूरत में एफडी तोड़ना अधिक व्यावहारिक साबित हो सकता है।

इन बातों पर करें विचार

■ पैसों की जरूरत कितने समय के लिए है? ■ एफडी तोड़ने पर कितना ब्याज और कितना जुर्माना कटेगा? ■ एफडी पर लोन लेने पर कुल कितना ब्याज देना होगा? ■ क्या आपकी आय इतनी है कि समय पर लोन चुका सकें? ■ क्या आपके पास कोई अन्य बचत या आपातकालीन फंड उपलब्ध है?

पहले बनाएं इमरजेंसी फंड

वित्तीय योजनाकारों का मानना है कि हर व्यक्ति के पास कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। यदि ऐसा फंड पहले से तैयार है तो अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी तोड़ने या लोन लेने की नौबत कम आएगी।

40 की उम्र में कैसे बनाएं मजबूत म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो

सही एसेट एलोकेशन और गलतियों से बचना है जरूरी

बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि 40 वर्ष की उम्र के बाद निवेश में जोखिम कम कर देना चाहिए, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह सही सोच नहीं है। यदि रिटायरमेंट में अभी 15 से 20 वर्ष का समय बाकी है, तो यह लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अच्छा अवसर है। इस उम्र में सबसे जरूरी है कि निवेश को उम्र के बजाय वित्तीय लक्ष्यों और उनकी समयसीमा के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 वर्ष की उम्र तक अधिकांश लोगों के सामने बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे कई लक्ष्य एक साथ होते हैं। ऐसे में हर लक्ष्य के लिए अलग निवेश रणनीति बनानी चाहिए। अल्पकालिक जरूरतों के लिए सुरक्षित निवेश और लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

रिटायरमेंट को दें अलग पहचान

बाजार के जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट को सामान्य निवेश का हिस्सा नहीं, बल्कि एक अलग दीर्घकालिक लक्ष्य मानना चाहिए। जिन लक्ष्यों की अवधि पांच वर्ष या उससे अधिक है, उनमें लगभग 80% निवेश इक्विटी और 20% डेट में रखा जा सकता है। वहीं, दो वर्ष से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए पूरी राशि डेट फंड में रखना अधिक सुरक्षित माना जाता है। उनका कहना है कि सोना भी पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। लंबी अवधि के पोर्टफोलियो में डेट हिस्से का एक भाग गोल्ड से बदला जा सकता है।

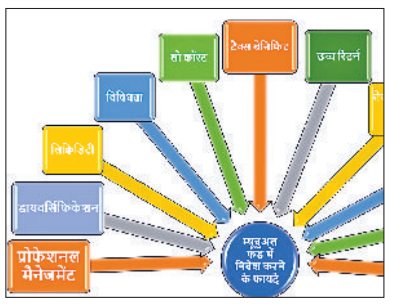

कितनी हो डेट की हिस्सेदारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के सीनियर इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट गिबिन जॉन के अनुसार, यदि निवेशक की जोखिम उठाने की क्षमता अच्छी है और रिटायरमेंट में अभी लंबा समय है, तो 60 से 80 प्रतिशत तक निवेश इक्विटी आधारित योजनाओं में किया जा सकता है। हालांकि यदि निकट भविष्य में किसी बड़े खर्च की योजना है, तो इक्विटी का अनुपात कम रखना चाहिए।

किन श्रेणियों को दें प्राथमिकता

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए पोर्टफोलियो में विभिन्न श्रेणियों के फंड शामिल होने चाहिए। इनमें प्रमुख हैं।

- फ्लेक्सी कैप फंड
- मल्टी कैप फंड
- लार्ज कैप फंड
- मिड कैप फंड
- स्मॉल कैप फंड
- डिविडेंड यील्ड फंड
- फोकस्ड फंड
- बाजार पूंजीकरण के आधार पर लगभग 50–55% लार्ज कैप, 20–25% मिड कैप और शेष स्मॉल कैप में निवेश रखने की सलाह दी गई है। इससे बाजार के विभिन्न चक्रों में संतुलित रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

हर साल बढ़ाएं एसआईपी

विशेषज्ञों का सुझाव है कि जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी भी बढ़ानी चाहिए। यदि हर वर्ष 10 से 15 प्रतिशत की स्टेप-अप एसआईपी की जाए तो रिटायरमेंट के समय बनने वाला फंड काफी बड़ा हो सकता है।

हर वर्ष करें पोर्टफोलियो की समीक्षा

निवेशकों को वर्ष में कम से कम एक बार अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि एसेट एलोकेशन तय लक्ष्य के अनुसार है या नहीं, वित्तीय लक्ष्य बदले हैं या नहीं और जोखिम उठाने की क्षमता में कोई बदलाव आया है या नहीं। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का अनुपात बदल गया है, तो रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

विशेषज्ञों के अनुसार 40 की उम्र में सबसे बड़ी गलती यह है कि लोग आय बढ़ने के बावजूद निवेश नहीं बढ़ाते। दूसरी बड़ी भूल रिटायरमेंट के लिए अलग रणनीति न बनाना है। कई लोग अपनी अधिकांश बचत अभी भी केवल फिक्स्ड डिपॉजिट जैसे पारंपरिक साधनों में रखते हैं, जो लंबे समय में महंगाई को मात देने में अक्सर सक्षम नहीं होते। इसके अलावा कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और टर्म इंश्योरेंस भी होना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में लंबी अवधि के निवेश को बीच में न तोड़ना पड़े।

यह रखें ध्यान

40 वर्ष की उम्र निवेश की दौड़ में देर नहीं है। यदि सही एसेट एलोकेशन, नियमित एसआईपी, वार्षिक पोर्टफोलियो समीक्षा और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश रणनीति अपनाई जाए, तो अगले 15-20 वर्षों में मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। उम्र से अधिक महत्वपूर्ण है अनुशासित निवेश और समय पर सही निर्णय।

10 साल में 1 लाख को 5 लाख से ज्यादा बनाने वाले टॉप म्यूचुअल फंड

लंबी अवधि के निवेश में स्मॉल और मिडकैप फंडों ने किया शानदार प्रदर्शन, रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मददगार

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद यदि निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि के लिए निवेश करें, तो अच्छे फंड बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। पिछले 10 वर्षों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो कई ऐसी म्यूचुअल फंड योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने निवेशकों के 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 लाख रुपये से अधिक में बदल दिया। खास बात यह है कि इन सभी योजनाओं का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम रहा, जिससे निवेशकों पर फंड प्रबंधन की लागत भी कम पड़ी। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी फंड का चयन केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, बल्कि निवेशक को अपने वित्तीय लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि को भी ध्यान में रखना चाहिए।

किस फंड का कैसा रिटर्न

- पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट फंड ने करीब 21.27 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया। इस प्रदर्शन के आधार पर 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 6.87 लाख रुपये हो गया। यह फंड लंबे समय से स्मॉल कैप श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंडों में गिना जाता है।
- इनवेस्को इंडिया मिड कैप डायरेक्ट फंड दूसरे स्थान पर रहा। इसने लगभग 20.03 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया और 1 लाख का निवेश करीब 6.20 लाख तक पहुंच गया।
- एक्सिस स्मॉल कैप फंड ने 19.51 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न के साथ निवेश को लगभग 5.94 लाख, जबकि एडेलवाइस मिड कैप फंड ने 19.47 प्रतिशत रिटर्न देकर इसे 5.92 लाख रुपये तक पहुंचाया।

एसआईपी निवेशकों को लाभ

सिर्फ एकमुश्त निवेश ही नहीं, बल्कि नियमित निवेश यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करने वाले निवेशकों को भी इन योजनाओं से अच्छा लाभ मिला। यदि किसी निवेशक ने पिछले 10 वर्षों तक हर माह 10,000 की एसआईपी की होती, तो कई योजनाओं में उसका निवेश 35 लाख से 38 लाख रुपये के बीच पहुंच जाता।

- एसआईपी प्रदर्शन में क्वांट मल्टी एसेट एलोकेशन फंड सबसे आगे रहा। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया मैन्युफैक्चरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड, एडेलवाइस मिड कैप फंड, डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड, एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड और एक्सिस स्मॉल कैप फंड का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।

स्माल और मिडकैप फंडों का रहा दबदबा

टॉप 10 की सूची में सबसे अधिक फंड स्मॉल कैप और मिड कैप श्रेणी के हैं। इसका कारण यह है कि पिछले एक दशक में इन श्रेणियों की कई कंपनियों ने तेज विकास दर्ज किया, जिसका लाभ इन फंडों को मिला। हालांकि स्मॉल और मिडकैप फंडों में जोखिम भी अधिक होता है। बाजार में गिरावट आने पर इनमें उतार-चढ़ाव बड़े कैप फंडों की तुलना में ज्यादा देखा जाता है। इसलिए इनमें निवेश करने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले केवल पिछले रिटर्न पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निवेशकों को फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर का अनुभव, जोखिम स्तर, एक्सपेंस रेशियो और अपने वित्तीय लक्ष्य का आकलन करना चाहिए। इसके अलावा, निवेश को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर जोखिम कम किया जा सकता है। नियमित अंतराल पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करना भी जरूरी है ताकि बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार निवेश रणनीति में आवश्यक बदलाव किए जा सकें।

एक्सपेंस रेशियो क्यों है महत्वपूर्ण

म्यूचुअल फंड में एक्सपेंस रेशियो वह शुल्क होता है, जो फंड हाउस निवेशकों के पैसे के प्रबंधन के लिए वसूलता है। यदि यह शुल्क कम होता है, तो निवेश का बड़ा हिस्सा बाजार में लगा रहता है और लंबे समय में निवेशक को बेहतर नेट रिटर्न मिल सकता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ निवेशकों को रिटर्न के साथ-साथ एक्सपेंस रेशियो पर भी ध्यान देने की सलाह देते हैं। इस सूची में शामिल सभी फंडों का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों का शानदार प्रदर्शन भविष्य में भी उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। बाजार की स्थिति, ब्याज दरों, आर्थिक विकास और वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। इसलिए निवेशकों को किसी एक फंड या एक ही श्रेणी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाना चाहिए। लंबी अवधि, अनुशासित निवेश और नियमित एसआईपी जैसी रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मदद कर सकती हैं।

पैरा स्पोर्ट्स: भारत का शानदार प्रदर्शन 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल

एजेंसी ▶▶| ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में अब तक के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन के साथ भारत का 'पैरा इवेंट्स' में अभियान समाप्त हुआ, जिसमें देश ने कुल 7 मेडल जीते। इनमें 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। झंडू कुमार देश के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल का खाता खोलने वाले भारतीय रहे। दो ग्रुप वाले मुकाबले में झंडू ने 130.9 के बेस्ट रिजल्ट के साथ 'ग्रुप-बी' में टॉप किया। उन्होंने युगांडा के डेनिस म्बाजीरा (114.1) और ऑस्ट्रेलिया के बेन राइट (110.9) को आसानी से पीछे छोड़ते हुए मेडल की दौड़ में जगह बनाई।

तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय की मौजूदगी

इसके अलावा, तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी रही। इसमें महिलाओं का शॉट पुट एफ57, पुरुषों का शॉट पुट एफ57 और पुरुषों की 100 मीटर एफ47 रेस शामिल रही। 'विमेंस शॉट पुट एफ57' प्रतियोगिता में देश को एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल हाथ लगा। पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने फाइनल में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए पहला स्थान हासिल किया। वहीं, शिल्पा कंचुगरकोप्पालु शायला ने 7.26 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ब्रॉन्ज जीता।

पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़ में भारत को गोल्ड के साथ सिल्वर

इसके बाद 'पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़' में भारत ने गोल्ड के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। दिलीप महादु गावित ने 10.71 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकथ ने 10.83 सेकंड के साथ सिल्वर अपने नाम किया। इस स्पर्धा का ब्रॉन्ज इंग्लैंड के केविन सैंटोस (10.85 सेकंड) ने हासिल किया।

सिर्फ 30 मिनट में 2 गोल्ड रिंग में प्रीति के बाद जैस्मिन ने दिखाया दम

भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया और प्रीति पवार ने राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के क्रमशः 57 किग्रा और 54 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबलों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए लेकिन पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में जादूमणि सिंह को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद मौजूदा विश्व चैंपियन जैसमीन ने भी उत्तरी आयरलैंड की गत चैंपियन माइकेला वॉल्श को 5-0 के समान अंतर से मात देकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। प्रीति के बाद जैसमीन ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया, दोनों मुकाबले में 30 मिनट का अंतर रहा।

कड़े संघर्ष के बाद हारे जादूमणि

दिन के तीसरे भारतीय मुक्केबाजी मुकाबले में जादूमणि सिंह को ऑस्ट्रेलिया के जाई डिक्सन के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 0-5 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक मिला। लंबे कद के ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शुरुआत में संघर्ष करने के बाद जादूमणि ने शानदार वापसी करते हुए पहला राउंड 3-2 से अपने नाम किया। डिक्सन ने हालांकि दूसरे राउंड में जोरदार वापसी की और सभी जज के सर्वसम्मत फैसले से 5-0 से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाज ने इस बढ़त को बरकरार रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया और भारत की स्वर्णिम लय को रोक दिया।

शॉट पुट एफ57: भारत ने गोल्ड के साथ जीता सिल्वर

कॉमनवेल्थ गेम्स में शनिवार को पैरा एथलेटिक्स में भारत ने इतिहास रच दिया। सोमन राणा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। वहीं, शुभम जुयाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल था और साथ ही इस इवेंट में देश की पहली 'डबल पोडियम' फिनिश भी थी। सोमन राणा ने अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का विनिंग थ्रो किया, जिसे प्रतियोगिता के बाकी समय में कोई भी प्रतिद्वंद्वी पार नहीं कर सका। वहीं, शुभम ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 13.28 मीटर का थ्रो करते हुए सिल्वर मेडल की स्थिति हासिल की। सेड्रिक इड्रिस लेकेजो अजमदजी ने 12.57 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कैमरून के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता।

त्रिकूद : चित्रावेल ने रजत और प्रभु ने जीता कांस्य

भारत के त्रिकूद खिलाड़ियों प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु तिरुमरन ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण चित्रावेल ने इस बार अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 16.58 मीटर की कूद लगाकर रजत पदक जीता। उनके हमवतन सेल्वा प्रभु तिरुमरन ने 16.52 मीटर की छलांग से कांस्य पदक हासिल किया। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनका पहला बड़ा पदक है। जमैका के जॉर्डन स्कॉट ने 16.72 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले पैरा एथलेटिक्स के पुरुषों की टी54 1500 मीटर फाइनल स्पर्धा में भारत के रमेश शनमुगम तीन मिनट 23.59 सेकेंड का समय लेकर सातवें स्थान पर रहे।

पाक का खुला खाता, मुक्केबाजी में फातिमा ने जीता कांस्य पदक

भारत की दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम की प्रेरणा अब सरहदों के पार भी पहुंच चुकी है क्योंकि पाकिस्तान की पहली महिला राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता मुक्केबाज फातिमा जहरा ने अपनी सफलता का श्रेय छह बार की इस विश्व चैंपियन से मिली प्रेरणा को दिया है। बाइस वर्षीय फातिमा ने महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में पदक जीतने वाली पाकिस्तान की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा शहर में पली-बढ़ीं फातिमा के पास अपने देश में महिला मुक्केबाजी का कोई बड़ा आदर्श नहीं था। ऐसे में उन्होंने भारत की महान मुक्केबाज मैरी कॉम को अपना प्रेरणास्रोत बनाया। फातिमा ने कहा, 'मैं भारत की मैरी कॉम से प्रेरित हूं।'

खबर संक्षेप

विश्व जूनियर स्क्वाश : पांचवें नंबर पर रही महिला टीम

ओंटारियो। भारतीय महिला टीम ने 5-6वें स्थान के प्लेऑफ में इंग्लैंड को 2-0 से हराकर विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया। रुद्र सिंह ने रेखा केमेसी को 11-5, 8-11, 11-5, 11-6 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद सान्वी कलांकी ने ईव पार्किंस पर 11-6, 11-9, 11-9 से जीत हासिल की। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर प्ले-ऑफ में जगह बनाई थी। इस मुकाबले में सान्वी ने टीना मा को 11-6, 11-9, 11-4 से और रुद्र ने सर्बनी मैत्रा को 10-12, 11-5, 11-1, 11-2 से हराया। भारतीय पुरुष टीम ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

विरोध के बाद इन्फेंटिनो ने रद्द की योजना

जेनेवा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने दुनिया के हर कोने से भारी विरोध के बाद विश्व कप के मुनाफे को निजी इक्विटी कंपनियों को बेचने की अपनी विवादास्पद योजना को रद्द कर दिया है। इन्फेंटिनो ने यह फैसला तब किया जब एशिया की फुटबॉल संस्था ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका के साथ मिलकर इसका विरोध किया तथा व्हाइट हाउस की एक समिति में शामिल रहे उनके वरिष्ठ सलाहकार ने खुलकर इसका विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया था।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

श्रीलंका दौरा : वॉर्मअप मैच का शेड्यूल बदला, अब 3 दिन का होगा मुकाबला

कोलंबो में अभ्यास मैच 7 से 9 अगस्त तक चलेगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टीम इंडिया अगस्त में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले दोनों टीमों के बीच एक वॉर्मअप मैच खेला जाएगा। इस इकलौते वार्म-अप मैच के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है।

पहले यह मुकाबला 4 दिन का तय हुआ था, लेकिन अब इसे घटाकर 3 दिन का कर दिया गया है। यह अभ्यास मैच कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड में 7 अगस्त से शुरू होगा और 9 अगस्त तक चलेगा। इस टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी ने टीम इंडिया के स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है।

4 को कोलंबो के लिए रवाना होगी टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और टीम मैनेजमेंट को इस बदलाव की जानकारी दे दी गई है। हालांकि, मैच का समय कम करने की कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है। भारतीय टीम 4 अगस्त को कोलंबो के लिए रवाना होगी। 3 दिन का यह अभ्यास मैच खत्म होने के बाद टीम गॉल के लिए रवाना होगी, जहां 15 अगस्त से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में होगा। फैंस के लिए अच्छी बात यह है कि इस वॉर्म-अप मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

साई सुदर्शन हो रहे तेजी से रिकवर

टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम के लिए खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर कुछ अच्छी खबर आई है। चोट की समस्या से जूझ रहे साई सुदर्शन तेजी से रिकवर हो रहे हैं। पैर के अंगूठे में चोट के कारण सुदर्शन का टीम में चयन उनकी फिटनेस पर निर्भर था, लेकिन अब उन्होंने बेंगलुरु में अपना रीहैब पूरा कर लिया है और दोबारा बल्लेबाजी का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। वहीं जसप्रीत गुमराह अब घुटने की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

दलीप ट्रॉफी : सेंट्रल जोन के कप्तान बने पाटीदार, रिंकू सिंह संभालेंगे उपकप्तानी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार 2 बार आईपीएल का खिताब जिताने वाले रजत पादीटार को दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन का कप्तान बनाया गया है।

वहीं, बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को उपकप्तान बनाया गया है। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत 23 अगस्त से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होगी।

स्टैंड-बाय में छह खिलाड़ी

सेंट्रल जोन चयन समिति ने टूर्नामेंट के दौरान किसी भी मेन स्क्वाड सदस्य को होने वाली किसी भी संभावित चोट को कवर करने के लिए अमनदीप खरे, मयंक मिश्रा, सौरभ रावत, भार्गव मेराई, कुणाल यादव और कुमार कार्तिकेय की छह सदस्यीय खिलाड़ियों की स्टैंड-बाय सूची भी बनाई है।

गत चैंपियन हैं सेंट्रल जोन

सेंट्रल जोन गत चैंपियन है। टीम ने पिछला संस्करण फाइनल में साउथ जोन को हराकर जीता था। यह टीम का सातवां खिताब है। दिलीप ट्रॉफी के लिए सेंट्रल जोन की 15 सदस्यीय मजबूत दल का ऐलान किया गया है। बल्लेबाजी में पाटीदार, रिंकू सिंह, अमन मोखाड़े, कुणाल चंदेला, आयुष पांडे, आर्यन जुयाल और यश राठौड़ जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं, गेंदबाजी में तेज और स्पिन गेंदबाजों का बेहतरीन मिश्रण है। तेज गेंदबाजी में यश ठाकुर, अरशद खान, आर्यन पांडे और नचिकेत भूटे को मौका दिया गया है। वहीं, स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी सारांश जैन, हर्ष दुबे और जीशान अंसारी को सौंपी गई है।

एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स टीम की कप्तानी, बास डी लीडे संभालेंगे कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्कॉट एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने 56 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। एडवर्ड्स की जगह पर ऑलराउंडर बास डी लीडे आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कैंपेन के बाकी मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे।

यूट्रेक्ट में लीग 2 के मैच खत्म होने के बाद, एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया। एडवर्ड्स ने कहा कि अब लीडरशिप की भूमिका छोड़ने और एक खिलाड़ी के तौर पर बड़ी भूमिका निभाने पर ध्यान देने का सही समय है। एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों से कहा, मुझे खेद है कि मैं आप लोगों के सामने यह बात अचानक रख रहा हूं, लेकिन मैं अब से कप्तान का पद छोड़ रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर रयान कुक और मैंने बात की है और मैंने कई अन्य लोगों से भी इस बारे में चर्चा की है, और अब मुझे यह सही समय लग रहा है। एडवर्ड्स ने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरा योगदान अभी बहुत बाकी है और भविष्य के लिए निश्चित रूप से मेरा यही लक्ष्य है, दोस्तों।

आशुतोष ने खोला पंजा

लंदन में चला कुलदीप का जादू स्टोक्स को भेजा पवेलियन

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को आउट किया और यॉर्कशर की वनडे कप में डरहम पर जीत में अहम भूमिका निभाई।

■ कुलदीप ने यॉर्कशर की वनडे कप में जीत में निभाई अहम भूमिका

कुलदीप ने स्टोक्स (12) को जॉर्ज हिल के हाथों कैच आउट कराने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट के विशेषज्ञ कॉलिन एकरमैन (26) को भी आउट किया। कुलदीप ने 10 ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए, जिससे यॉर्कशर ने डरहम को 48.1 ओवरों में केवल 165 रन पर ढेर कर दिया। जेम्स व्हार्टन (नाबाद 68) और सैम व्हाइटमैन (नाबाद 52) ने अर्धशतक बनाए और यॉर्कशर ने 41 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

आशुतोष ने 51 रन देकर चटकाए 5 विकेट

एक अन्य मैच में भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा (51 रन देकर 5 विकेट) ने लिस्ट ए क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया, जिससे हैम्पशर ने एसेक्स को तीन विकेट से हरा दिया। आशुतोष की शानदार गेंदबाजी से हैम्पशर ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर रही एसेक्स को 49 ओवर में 317 रन पर रोक दिया। इसके जवाब में जेम्स फुलर (नाबाद 58), कप्तान निक गुबिन्स (53) और टॉम प्रेस्ट (51) के अर्धशतकों की बदौलत हैम्पशर ने 47.4 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया।

ताइपे ओपनः हुआंग यु सुन को सीधे गेम में हराकर फाइनल में तन्वी

17 साल की तन्वी ने सिर्फ 33 मिनट में जीता मुकाबला

एजेंसी ▶▶| ताइपे सिटी

भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने चीनी ताइपे की हुआंग यु सुन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

17 वर्षीय खिलाड़ी तन्वी ने सेमीफाइनल में यु सुन को केवल 33 मिनट में 21-17, 21-11 से पराजित किया। यहां फाइनल मुकाबला दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच होने की संभावना थी लेकिन महिला एकल के दूसरे सेमीफाइनल में उन्नति हुडा को वियतनाम की विश्व में नंबर 21 थूई लिन्ह गुयेन से 15-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी रविवार को होने वाले फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से भिड़ेंगी।

तन्वी ने की दो वर्षों में काफी प्रगति

तन्वी 2024 में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारत की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा थीं। उन्होंने पिछले दो वर्षों में काफी प्रगति की है। तन्वी ने 2025 में ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 और गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रहने के अलावा 2024 में बॉन इंटरनेशनल और 2025 में डेनमार्क चैलेंज जीता था।

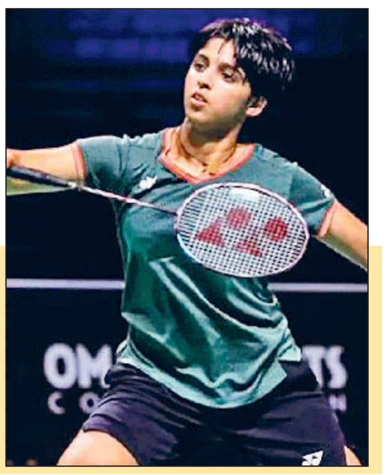

पुश शॉट्स से हुआंग को किया परेशान

तन्वी ने शुरू से आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया तथा अपने तेज क्रॉस-कोर्ट स्मैश और पुश शॉट्स से हुआंग को बार-बार परेशान किया। पहले गेम में स्कोर 3-3 से बढ़कर 7-6 हो गया। तन्वी ने इसके बाद पूरे गेम में मामूली बढ़त बनाए रखी और 14-10 से 17-11 तक पहुंच गई। स्थानीय खिलाड़ी ने स्कोर को 15-17 तक कम कर दिया, जिसके बाद तन्वी ने आक्रामक खेल दिखाया और पहला गेम अपने नाम कर दिया।

दूसरे गेम में हावी रही तन्वी

दूसरे गेम में हुआंग ने स्कोर 9-9 से बराबर कर दिया, लेकिन तन्वी इसके बाद हावी हो गई। उन्होंने बैक कोर्ट से सटीक शॉट लगाते हुए नेट पर चतुराई से ड्रॉप शॉट भी मारे। भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी 14 में से 12 अंक अपने नाम किए और लगातार गेम में जीत दर्ज करके फाइनल में प्रवेश किया।

वर्क परमिट की शर्तों पर काम करो, नहीं तो देश से निकालेंगे: कनाडा

ओटावा। कनाडा में इमिग्रेशन से जुड़े नियम लगातार सख्त किए जा रहे हैं। इसका असर सीधे तौर पर यहां काम कर रहे भारतीय कामगारों पर भी पड़ रहा है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) की तरफ से कहा गया है कि अगर कोई देश में बिना ऑथराइजेशन के जॉब करता है, तो इसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। उसे देश से बाहर निकाला जा सकता है और कनाडा में एंट्री से 5 साल के लिए बैन किया जा सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि आईआरसीसी के पास उनका एक फ्रॉड रिकॉर्ड भी बन सकता है। बिना इजाजत के काम करने से भविष्य में वीजा और परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) के आवेदनों पर भी असर डालता है और साथ ही, इससे काम करने वालों के शोषण का खतरा भी बढ़ जाता है।

कुल मिलाकर अगर आप कनाडा में जॉब करना चाहते हैं, तो फिर आपको वर्क परमिट की शर्तों के तहत ही काम करना होगा। आईआरसीसी ने कहा कि कनाडा में काम करने से पहले ज्यादातर विदेशी नागरिकों को एक वैलिड वर्क परमिट की जरूरत होती है। विजिटर वीजा या इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन (इटीए) होने से विजिटर्स को काम करने का अधिकार नहीं मिलता है और ज्यादातर विजिटर्स कनाडा के अंदर से वर्क परमिट के लिए अप्लाई करने के योग्य नहीं होते हैं।

पहलगाम जैसा कुलगाम आतंकी हमला, धर्म पूछकर मारी थी गोली

दूसरे श्रमिक ने भी तोड़ा दम, पेट में लगी थी गोली, एलजी ने कड़ी सुरक्षा के दिए निर्देश

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

> जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को आतंकियों के खिलाफ सटीक और प्रभावी आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने के निर्देश दिए

कुलगाम जिले में शुक्रवार शाम हुए आतंकी हमले में गंभीर रूप से घायल गैर-स्थानीय श्रमिक ने शनिवार तड़के श्रीनगर के अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसके साथ ही इस हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक, कुलगाम जिले के दक्षिण कश्मीर स्थित केलम इलाके में शुक्रवार देर शाम ईंट भट्ठे पर हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के रहने वाले दीपक रात्रे और भूपेंद्र, दोनों की उम्र करीब 20 वर्ष, को निशाना बनाया गया था। हमले में दीपक रात्रे ने अस्पताल ले जाने से पहले ही दम तोड़ दिया, जबकि भूपेंद्र को पहले जीएमसी अनंतनाग ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के एसकेआईएमएस सौरा रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान शनिवार तड़के उनकी मौत हो गई। दीपक के सीने में गोली लगी थी।

छग सीएम साय ने 20-20 लाख की सहायता का किया ऐलान

निर्दोषों की हत्या अमानवीय

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए सीएम राहत कोष (सीएमआरएफ) से 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। यह सहायता जिला प्रशासन की ओर से दी जा रही 6-6 लाख रुपए की तत्काल राहत के अतिरिक्त होगी। सीएम ने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या अत्यंत निंदनीय और अमानवीय है। उन्होंने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

सरकार पीड़ित परिवार के साथ: साय

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने दोनों मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। सीएम ने कहा कि इस तरह आतंकियों द्वारा हत्या बेहद दुखद और अमानवीय घटना है। राज्य सरकार इस कठिन समय में दोनों परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

एलजी सिन्हा ने की बैठक

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को बाहरी राज्यों से आए मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे बाहरी मजदूरों की सुरक्षा के लिए एसओपी की व्यापक समीक्षा की जाए।

आतंकी विरोधी अभियान में लाएं तेजी

उपराज्यपाल ने सुरक्षा एजेंसियों को आतंकियों के खिलाफ सटीक और प्रभावी आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने के निर्देश देते हुए कहा कि आतंकियों का जल्द से जल्द सफाया किया जाना चाहिए। उन्होंने कुलगाम हमले में मारे गए मजदूरों के अंतिम संस्कार को सम्मानजनक ढंग से संपन्न कराने और शोक संतप्त परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में जारी अमरनाथ यात्रा मार्ग की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

मानवता शर्मसार हुई: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि आतंकियों ने दोनों मजदूरों की पहचान करने के बाद उन्हें निशाना बनाया। मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत निंदनीय और मानवता को शर्मसार करने वाला है। दो निर्दोष मजदूरों की पहचान पूछकर उनकी निर्मम हत्या करना आतंक की क्रूर मानसिकता का घिनौना उदाहरण है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है।

कड़ी सजा मिले: राहुल

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए दुस्साहसी आतंकी हमले में देश के दो श्रमिकों की हत्या अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारों को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। आतंकियों के ऊपर इस कायराना हमले के लिए सख्त कार्रवाई हो और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले। आतंकवाद के खिलाफ देश हमेशा एकजुट है।

मानव विरोधी कृत्य: प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट में लिखा, कुलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। ईंट-भट्ठे पर काम करने वाले दो मजदूरों की पहचान पूछकर हत्या करना बेहद घृणित और मानवता विरोधी कृत्य है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है। पूरे देश की संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

देश के पहले पीवीसी विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा के छोटे भाई थे जनरल शर्मा

पूर्व सेनाप्रमुख जनरल वी.एन. शर्मा को सेना ने दी सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व सेनाप्रमुख और भारत के पहले परमवीर चक्र विजेता (पीवीसी) मेजर सोमनाथ शर्मा के छोटे भाई जनरल विश्वनाथ शर्मा को सेना ने शनिवार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। बीते शुक्रवार को 97 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया था।

जिसके बाद आज राजधानी के बरार स्क्वायर शमशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। सेनाप्रमुख जनरल धीरज सेठ समेत कई पूर्व सैन्य अधिकारियों ने भी उन्हें अपनी ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिसमें पूर्व सेनाध्यक्ष और मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी.के. सिंह, सीडीएस (सेवानिवृत्त) जनरल अनिल चौहान, पूर्व सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेनाप्रमुख और नौसेनाप्रमुख शामिल हुए। देश के प्रति जनरल शर्मा की असाधारण सेवा, अदम्य साहस और समर्पण से भरा हुआ जीवन भावी पीढ़ी के सैनिकों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

4 जून 1930 को लंदन में हुआ था जन्म

सेना ने बताया कि जनरल सेठ ने अपनी और सेना के सभी रैंकों की तरफ से जनरल वी.एन. शर्मा को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त की हैं। जनरल शर्मा का जन्म 4 जून 1930 को ब्रिटेन के लंदन में हुआ था। वह पहले पीवीसी विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा के अलावा सेना के ही पूर्व इंजीनियर इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल सुरेंद्र नाथ शर्मा के छोटे भाई थे। 5वें रेगुलर कोर्स के तहत इंडियन मिलिट्री अकादमी, देहरादून में शामिल हुए और फिर 4 जून 1950 को 16 लाइट कैवेलरी में कमीशन प्राप्त किया।

1988 से 1990 तक संभाली सेना की कमान

जनरल शर्मा ने 30 अप्रैल 1988 से 30 जून 1990 तक भारतीय सेना के प्रमुख के रूप में कार्य किया। जिसके पूर्व में उन्होंने मिजोरम में माउंटेन ब्रिगेड, जयपुर में आर्मर्ड ब्रिगेड, सिक्किम में माउंटेन डिविजन, मिजोरम में कोर और कोलकाता स्थित पूर्वी कमांड के प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी।

हिमाचल में की जरूरतमंदों की सेवा

अपनी सेवानिवृत्ति के बाद जनरल वी.एन. शर्मा ने अपने अपने पिता और ससुर की भांति ही समाज सेवा की विरासत को आगे बढ़ाया। जिसमें करीब चार दशक से अधिक समय तक हिमाचल प्रदेश में मुफ्त तपेदिक क्लिनिक के जरिए जरूरतमंद लोगों की सेवा की। अपने चिकित्सा दल के साथ एंबुलेंस के माध्यम से वह कई बार राज्य के सुदूर इलाकों में भी आमजन तक इलाज की सुविधा पहुंचाने के लिए गए। इसके अलावा उन्होंने दुर्गम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जाकर भी लोगों तक आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाईं। अब उनके परिजन समाज सेवा के इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं।

गोताखोरी सहायक जहाज डीएससी ए-24 का बंगाल में हुआ जलावतरण

जहाज की कुल विस्थापन क्षमता 400 टन है

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

गोताखोरी सहायक जहाज (डीएससी) ए-24 का शनिवार को पश्चिम-बंगाल में जलावतरण समारोह आयोजित किया गया। यह डीएससी परियोजना के तहत तैयार किया गया पांचवां जहाज है। जिसका निर्माण कोलकाता स्थित मेसर्स टीआरएसएल द्वारा किया जा रहा है। पोत का कुल वजन यानी विस्थापन क्षमता करीब 400 टन है। यह द्वि-पतवार डिजाइन पर आधारित है। जिसकी मदद से जहाज को समुद्र में तैनाती के वक्त अच्छी स्थिरता, ज्यादा डेक क्षेत्र और जटिल समुद्री परिस्थितियों में बेहतर संचालन क्षमता हासिल होती है।

पोत से होगा यह फायदा

इस श्रेणी के जहाजों के नौसेना के बेड़े में शामिल होने से गोताखोरी सहायता, पानी के अंदर जांच, बचाव कार्य में सहायता और तटीय इलाकों में तैनाती को मजबूती मलेगी। जहाज के लिए लगभग 70% स्वदेशी उपकरण घरेलू निर्माताओं से लिए गए हैं। जिससे यह सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान को बढ़ावा देने में मददगार साबित होगा। जलावतरण समारोह में नौसेना के कार्मिक प्रमुख वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह की पत्नी श्रीमती कमल सिंह की उपस्थिति में हुआ।

बम बनाने के दस्तावेज मिलने से मचा हड़कंप हिरासत में 3 छात्र

अयोध्या। यूपी के अयोध्या जिले में स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में शनिवार सुबह कॉलेज के एक्स-रे विभाग की एक दराज से बम बनाने की कथित विधि से जुड़ा एक संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुआ। तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस तुरंत जांच में जुट गई हैं। जांच और पूछताछ के बाद छात्र सरफराज हिरासत में ले लिया है। उससे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। दो अन्य भी हिरासत में लिए गए।

अनिल अंबानी पर केस दर्ज

नई दिल्ली। सीबीआई ने ईपीएफओ के निवेश से जुड़े एक मामले में एफआईआर दर्ज करते हुए रिलायंस कैपिटल लिमिटेड, इसके पूर्व चेयरमैन अनिल धीरूभाई अंबानी कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारी और अन्य को पार्टी बनाया है।

एयर मार्शल तेजपाल सिंह ने उप-वायुसेनाप्रमुख के रूप में ग्रहण किया पदभार

नौसेना, वायुसेना को मिले नए उप-प्रमुख, सिंदूर वाले वाइस एडमिरल प्रमोद ने संभाला कार्यभार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सशस्त्र सेनाओं के लिए शनिवार का दिन पुराने अधिकारियों की सेवानिवृत्ति के बाद की गई नई नियुक्ति से जुड़े अधिकारियों के कार्यभार संभालने के नाम रहा। जिसमें सबसे ज्यादा ध्यान खींचा उप-नौसेनाप्रमुख के रूप में अपना दायित्व संभालने वाले वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद ने। दरअसल यह वही अधिकारी हैं, जिन्होंने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकी मंसूबों पर पूरी तरह से पानी फेरने के लिए किए गए ऑपरेशन सिंदूर अभियान के दौरान अरब सागर की दहलीज पर बेहद आक्रामक मुद्रा में तैनात भारतीय नौसेना के सभी अभियानों का नेतृत्व करने की बड़ी जिम्मेदारी संभाली थी। साथ ही वह पश्चिम-एशिया संकट के दौरान भी समुद्री सुरक्षा अभियानों की योजना, तैयारी और परिचालन तत्परता में शामिल रहे। ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना हालांकि थलसेना और वायुसेना के साथ प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हुई थी। लेकिन उस वक्त वाइस एडमिरल प्रमोद ने देश के समुद्री बल के संचालन महानिदेशक (डीजीएनओ) के रूप में कार्य किया। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की है। वाइस एडमिरल प्रमोद को वाइस एडमिरल तरुण सोबती की बीते 31 जुलाई को हुई सेवानिवृत्ति के बाद उप-नौसेनाप्रमुख के रूप में यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

1 जुलाई 1990 को नौसेना में कमीशन हुए

ए.एन. प्रमोद

तेजपाल सिंह

वाइस एडमिरल प्रमोद 1 जुलाई 1990 को नौसेना में शामिल हुए थे। वह शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो वह गोवा स्थित नौसैन्य अकादमी के 38वें एकीकृत कैडेट पाठ्यक्रम, वेलिंगटन में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और नौसेना युद्ध महाविद्यालय के नौसेना उच्च कमान पाठ्यक्रम के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्हें फ्लैग ऑफिसर श्रेणी 'ए' के सी किंग हवाई अभियान अधिकारी और संचार-इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ के रूप में भी जाना जाता है। अपने साढ़े तीन दशक से अधिक लंबे करियर में उन्होंने नौसेना के विभिन्न युद्धपोतों, जहाजों से लेकर तट पर लगभग सभी महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। जिसमें कमान, संचालन, प्रशिक्षण और स्टाफ मुख्य हैं।

गलवान झड़प के बाद पश्चिमी बेड़े से जुड़े

गलवान घाटी में भारत, चीन की सेनाओं के बीच हुई खूनी-हिंसक झड़प के बाद ऑपरेशन स्नो लैपर्ड के दौरान वाइस एडमिरल प्रमोद ने नौसेना के पश्चिमी बेड़े के फ्लीट ऑपरेशंस ऑफिसर के रूप में भी कार्य किया। 1999 में कारगिल युद्ध में ऑपरेशन विजय और उसके बाद 2001 में ऑपरेशन पराक्रम में भी उनकी भागीदारी रही। नौसेना में वाइस एडमिरल द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर आईएनएस राजपूत के कार्यकारी अधिकारी, पनडुब्बी रोधी युद्ध गश्ती पोत आईएनएस अभय, लैंडिंग शिप टैंक आईएनएस शार्दुल सहित गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस सतपुड़ा की कमान संभाली है।

कई सम्मानों से नवाजा गया

वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद को उनकी विशिष्ट सेवा और परिचालन नेतृत्व को मान्यता प्रदान करने के लिए 2024 में अति विशिष्ट सेवा पदक और उसके ठीक अगले साल 2025 में युद्ध सेवा पदक से सम्मानित किया गया। वाइस एडमिरल के पद पर पदोन्नत होने के बाद वह 2023 से 2026 तक डीजीएनओ के पद पर कार्यरत रहे।

एयर मार्शल सिंह बने उप-वायुसेनाप्रमुख

वहीं, एयर मार्शल तेजपाल सिंह ने 1 अगस्त को नए उप-वायुसेनाप्रमुख के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। जिसमें सबसे पहले उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर देश की सीमाओं की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें यह जिम्मेदारी 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हुए एयर मार्शल ए.के. भारती की जगह पर सौंपी गई है। एयर मार्शल भारती ने ही ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना के तमाम हवाई अभियानों के संचालन का महत्वपूर्ण दायित्व संभाला था। एयर मार्शल सिंह 1990 में वायुसेना की लड़ाकू शाखा में बतौर लड़ाकू पायलट के रूप में कमीशन हुए थे। उनके पास 3 हजार 500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। साथ ही वह 'ए' श्रेणी के योग्य फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर व प्रायोगिक टेस्ट पायलट हैं। हवाई बल में उन्होंने कई अहम पदों पर कार्य किया है। 2011 में उन्हें वायुसेना पदक 2021 में महामहिम राष्ट्रपति द्वारा अति विशिष्ट सेवा पदक द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109